खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 21 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-260

डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर लगाई 88 लाख की सालाना फीस

वाशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (19 सितंबर 2025) देर रात एक आदेश पर हस्ताक्षर किया, जिसमें एच1बी वीजा आवेदनों पर 100,000 (88 लाख) की भारी-भरकम अतिरिक्त सालाना फीस लगाई गई। नई फीस नए आवेदनों के लिए तुरंत लागू हो गई है और रिन्यूअल के लिए 21 सितंबर, 2025 को सुबह 12:01 बजे से लागू होगी।

व्हाइट हाउस ने कहा कि एच1बी वीजा सिस्टम में 'सिस्टमिक दुरुपयोग' पर रोक लगाने के लिए फीस बढ़ाई गई है। आदेश में कहा गया कि विदेशी एस टीईएम श्रमिकों की आमद का मुख्य कारण एच1बी वीजा का दुरुपयोग रहा है। इसमें दावा किया गया कि अमेरिकी कंपनियाँ अमेरिकी कर्मचारियों को निकालकर कम वेतन पर एच1बी वीजा धारकों को रख रही हैं।

ट्रंप के कार्यकारी आदेश में कहा गया कि खास तौर पर सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों ने एच1बी सिस्टम का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया है, जिससे कंप्यूटर से जुड़े क्षेत्रों में अमेरिकी कर्मचारियों को काफी नुकसान हुआ है।एच1बी वीजा पहले से ही महँगा है, जिसकी लागत 1,700 से 4,500 डॉलर तक है। जो इसकी तेज प्रोसेसिंग पर निर्भर करता है। अब इसमें 100,000 डॉलर (लगभग 88 लाख) की अतिरिक्त फीस जुड़ेगी। यह फीस

भारतीयों पर होगा सबसे ज्यादा असर

कंपनियों ने कर्मचारियों को 24 घंटे में लौटने को कहा

नियोक्ता देते हैं, जो इसे बिजनेस खर्च मानते हैं। आदेश के मुताबिक,एच1बी वीजा के नए या नवीनीकरण आवेदन के साथ 100,000 डॉलर की अतिरिक्त फीस देनी होगी, वरना आवेदन खारिज हो जाएगा। यह फीस 12 महीने तक लागू रहेगी, जब तक इसे बढ़ाया न जाए।

आदेश में कहा गया, अमेरिका से बाहर मौजूद किसी विदेशी के लिए एच1बी याचिका दाखिल करने से पहले, नियोक्ताओं को यह साबित करने वाला दस्तावेज रखना होगा कि इस आदेश में बताई गई 100000 डॉलर की फीस का भुगतान किया गया है।

यह बढ़ी हुई फीस कंपनियों के लिए एच1बी वीजा पर विदेशी कुशल श्रमिकों को रखना लगभग असंभव बना देती है, क्योंकि यह फीस एच1बी वीजा धारक के औसत वेतन से भी ज्यादा है। केवल कुछ शीर्ष कंपनियाँ ही अपने सबसे मूल्यवान विदेशी कर्मचारियों के लिए इतनी भारी राशि दे सकती हैं। मध्यम स्तर की कंपनियाँ विदेशियों को रखना पूरी तरह बंद कर देंगी और बड़ी कंपनियाँ भी शायद कुछ ही विदेशियों को रखेंगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश में कहा गया कि 100000 डॉलर की फीस नए या रिन्यूअल फॉर्म के समय देनी होगी, यानी यह सालाना फीस है। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने भी इसे सालाना फीस बताया। इसलिए अगर कोई कंपनी 6 साल (एच1बी वीजा की अधिकतम वैधता) तक विदेशी कर्मचारी रखती है, तो उसे 600,000 डॉलर की भारी फीस देनी होगी।

इस कदम से भारत को सबसे ज्यादा नुकसान होगा, क्योंकि एच1बी वीजा धारकों में लगभग 70% भारतीय हैं। करीब 3 लाख भारतीय वर्तमान में अमेरिका में एच1बी वीजा पर काम कर रहे हैं, खासकर आई टी, इंजीनियरिंग और हेल्थकेयर क्षेत्रों में। एच1बी वीजा को प्रायोजित करने वाली टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी भारतीय कंपनियों को अरबों रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है, जिससे हजारों ऑफशोर नौकरियाँ खतरे में पड़ सकती हैं।

इसी तरह गूगल, अमेजन, मेटा, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल जैसी वैश्विक टेक कंपनियाँ जो भारत और अन्य देशों से कुशल कर्मचारियों को रखने के लिए इस वीजा प्रोग्राम पर निर्भर हैं, उन्हें भी बड़ा झटका लगेगा। यह अनुमान है कि कंपनियाँ कई एच1बी वीजा को उनकी समाप्ति के बाद रिन्यू नहीं करेंगी और प्रभावित लोग अपने देश लौट जाएँगे। नतीजतन भारतीय एच1बी कर्मचारियों से आने वाली रेमिटेंस जो पिछले साल 37 बिलियन थी, वो कुछ महीनों में तेजी से कम हो सकती है। ▶10पर

एच-1बी वीजा वाले कर्मचारियों को कंपनियों की वॉर्निंग

24 घंटे में अमेरिका वापस आ जाएं

वाशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा नए शुल्कों की घोषणा के बाद माइक्रोसॉफ्ट, जेपी मॉर्गन और अमेज़न ने अपने एच-1बी वीज़ा धारक कर्मचारियों को अमेरिका न छोड़ने की सलाह दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेज़न ने एक आंतरिक पत्र में एच-1बी और एच-4 वीज़ा धारक सभी कर्मचारियों को 21 सितंबर, पूर्वी समय क्षेत्र के अनुसार सुबह 12 बजे तक अमेरिका लौटने को कहा है - जिस दिन डोनाल्ड ट्रम्प ▶10पर

वीजा पर ट्रंप के फैसले के बाद एक्शन में आई मोदी सरकार

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

एच-1बी वीजा को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए शुल्क और सख्त नियमों की घोषणा पर भारत सरकार ने संतुलित प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में इस कदम को दोनों देशों के आर्थिक हितों को प्रभावित करने वाला बताया गया है, साथ ही उम्मीद जताई है कि उद्योग और नीति निर्माता मिलकर इसका समाधान निकालेंगे। इसके साथ ही फैसले से प्रभावित होने वाले पेशवरों के परिवारों पर पड़ने वाले मानवीय प्रभावों को दूर करने ▶10पर

गुजरात को पीएम मोदी ने दी 34200 करोड़ की सौगात, बोले

चिप से शिप तक का भारत में करेंगे निर्माण

भावनगर, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के भावनगर में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहाँ पीएम मोदी ने 34,200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएँ समुद्री क्षेत्र, ऊर्जा, राजमार्ग, स्वास्थ्य और शहरी विकास से संबंधित हैं, जो न केवल गुजरात बल्कि पूरे देश के समग्र विकास को गति प्रदान करेंगी। पीएम मोदी ने भावनगर से जनता को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा, ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिंदुस्तान का है। पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि से जाने की ओर हमारी दिशा क्या है, उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर को चुना गया है। गुजरात और भावनगर के लोगों को बहुत बहुत बधाई।

पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन पर मिली शुभकामनाओं पर आभार जताते हुए कहा, 17 सितंबर को आप सबने अपने नरेन्द्र भाई को जो शुभकामनाएँ भेजी हैं, देश और दुनिया से जो मुझे शुभकामनाएँ मिली हैं व्यक्तिगत तौर पर सबका धन्यवाद करना संभव नहीं है, लेकिन भारत के कोने-कोने से, विश्वभर से ये जो प्यार मिला है, आशीर्वाद मिले हैं। ये मेरी बहुत बड़ी संपत्ति है, ये मेरी बहुत बड़ी ताकत है। इसलिए मैं आज सार्वजनिक रूप से देश और दुनिया के सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

पीएम मोदी ने कहा, भारत आज वैश्विक बंधुत्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया में कोई भी बड़ा दुश्मन नहीं है। हमारा असली दुश्मन दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता है। हम सभी को इस निर्भरता को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए, क्योंकि हम विदेशी देशों पर जितना अधिक निर्भर होंगे, हमारा देश उतना ही अधिक असुरक्षित होगा।

पीएम मोदी ने कहा, आज मैं ऐसे समय में भावनगर आया हूँ, जब नवरात्रि का पर्व शुरू होने वाला है। इस बार जीएसटी में कमी की वजह से बाजारों में रौनक भी ज्यादा रहने वाली है। और ये उत्सव के इसी माहौल में आज हम समुद्र से समृद्धि का महा-उत्सव मना रहे हैं। 21वीं सदी का भारत आज समुद्र को बहुत बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। थोड़ी देर पहले यहाँ बंदरगाह आधारित विकास को गति देने के लिए हजारों करोड़ रुपए का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, भारत आज विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में क्षमता की कभी कोई कमी नहीं रही। लेकिन कॉन्ग्रेस ने देश की क्षमता को लगातार नजरअंदाज किया। यही कारण है कि आजादी के छह-सात दशक बाद भी भारत वह हासिल नहीं कर पाया जिसका वह हकदार था। इसके दो प्रमुख कारण थे। कॉन्ग्रेस ने लंबे समय तक देश को लाइसेंस राज में फँसाए रखा और वैश्विक बाज़ारों से अलग-थलग रखा।

बाद में, जब वैश्वीकरण का दौर शुरू हुआ, तो उसने सिर्फ आयात का रास्ता अपनाया और फिर भी हजारों करोड़ रुपए के घोटाले किए। ऐसी नीतियों के जरिए कॉन्ग्रेस ने हमारे देश के युवाओं को बहुत नुकसान पहुँचाया।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कॉन्ग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, ▶10पर

दादा साहेब फालके अवॉर्ड से सम्मानित होंगे साउथ एक्टर मोहनलाल

पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

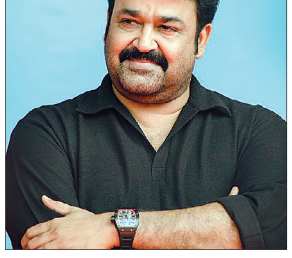

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया जाएगा। ये अवॉर्ड उन्हें 23 सितंबर 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में दिया जाएगा। मोहनलाल की अद्भुत फिल्मी जर्नी और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। ये अवॉर्ड भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है, जो उन दिग्गजों को दिया जाता है जिन्होंने अपने काम से इंडस्ट्री में नई ऊंचाइयां तय की हों। अब मोहन लाल इसके हकदार हैं। इसकी जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसार मंत्रालय ने ट्वीट करते हुए लिखा, दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड चयन समिति की सिफारिश पर, ▶10पर

खालिस्तानियों पर अब होगा एक्शन डोभाल से मिलीं कनाडा की एनएसए

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय लिखने के लिए साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। इसमें आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए मिलकर काम करना भी शामिल है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनके कनाडाई समकक्ष नाताली ड्रोइन ने 2023 में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर राजनयिक विवाद के बाद खराब हुए द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुरुवार को नई दिल्ली में विस्तृत बातचीत की।

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इस बातचीत के मुख्य परिणामों की जानकारी

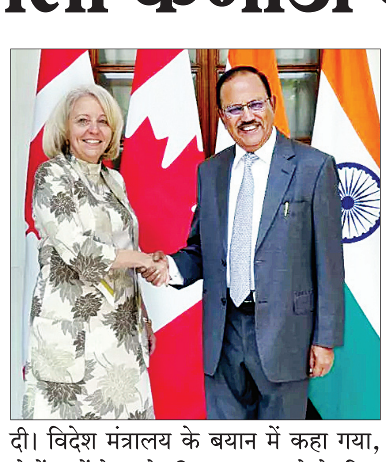

दी। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, दोनों पक्षों ने आगे की राह तय करने के लिए परस्पर सहयोग करने और द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा के कनानैस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी से मुलाकात की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए सहयोगी कदम उठाने पर सहमति जताई थी। बहरहाल, विदेश मंत्रालय ने डोभाल-ड्रोइन की बातचीत के बारे में कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष कार्नी के बीच हुई बातचीत को आगे बढ़ाने का भी एक अवसर था।बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने राजनीतिक नेतृत्व के शीर्ष स्तर पर विश्वास बहाल करने और सहयोग बढ़ाने की गति की जरूरत को स्वीकार किया। ▶10पर

बुलेट ट्रेन पर खुशखबरी!

ट्रैक निर्माण की बाधा हुई दूर आ रहा समंदर का सिकंदर

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

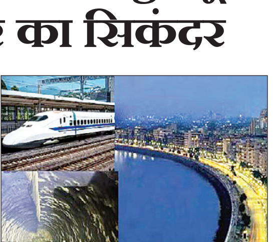

अहमदाबाद से मुंबई बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। इसके साथ ही इस पूरे प्रोजेक्ट के समय पर पूरे होना लगभग तय हो गया है. यह ऐसी मशीन थी, जिसकी वजह से प्रोजेक्ट का काम अटक सकता था। कुछ हिस्से में बनने वाली टनल का काम शुरू नहीं किया जा सकता था। बाधा दूर होने की सूचना खुद रेल मंत्री पश्चिमी वैष्णो ने मुंबई में बुलेट ट्रेन चैनल के ब्रेक थ्रू के मौके पर दी। मुंबई अहमदाबाद कॉरिडोर पर कोरिडोर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स में बना रहे मुंबई स्टेशन से शुरू हो रहा है. करीब 21 किलोमीटर लंबी टनल बन रही है। जिसमें से 7 किलोमीटर टनल समुद्र के अंदर बन रही है। और इसी टनल की खुदाई के लिए टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) की जरूरत थी, जो चीन से आनी थी। इसकी वजह से टनल के कुछ हिस्से का काम रुका हुआ था। रेल मंत्री ने बताया कि टीबीएम का इंतजार खत्म होने वाला है। यह चीन से डिस्पैच हो चुकी है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

कर्नाटक के 14 हिंदू मंदिरों में बढ़ा सेवा शुल्क

कांग्रेस सरकार के फैसले पर मचा बवाल, भाजपा ने की आलोचना

बेंगलुरु, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक सरकार ने मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले 14 प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए सेवा शुल्क में वृद्धि कर दी है। जानकारी के अनुसार, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर राज्य में हिंदू मंदिरों के लिए बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया है। मुजराई विभाग ने एक आदेश के माध्यम से कहा कि 14 मंदिरों में सेवा शुल्क में वृद्धि 1 अक्टूबर से लागू होगी। जानकारी के अनुसार, 14 मंदिरों में बेंगलुरु में श्री योगनरसिम्हा स्वामी मंदिर और श्री नंदी तीर्थ स्वामी मंदिर (मल्लेश्वरम), श्री विदुरश्वथ नारायण स्वामी मंदिर और चिक्कबल्लापुर में श्री भू नीला समता वेंकटरामनस्वामी मंदिर (तालकयालाबेट्टा), कुक्के श्री सुब्रह्मण्य मंदिर, श्री महालिंगेश्वर मंदिर (पुत्तूर), श्री महागणपति मंदिर (साउथडका), श्री सूर्य नारायणस्वामी मंदिर (मरोली) शामिल हैं। दक्षिण कन्नड़ में बेंगलुरु दक्षिण (रामनगर) में श्री अंजनेयस्वामी मंदिर (देवराहोसहल्ली), श्री हालु रामेश्वर मंदिर (देवपुरा, होसदुर्गा तालुक) और चित्रदुर्ग, रायचूर में श्री सुगुरेश्वरस्वामी मंदिर (देवसुगुर) और उडुपी में श्री दुर्गापरमेश्वरी मंदिर (मंदार्थी, ब्रह्मवर तालुक). कुक्के सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में लोकप्रिय अश्लेषा पूजा और नागर प्रतिष्ठा अनुष्ठानों का शुल्क 400 रुपये से बढ़ाकर अब 500 रुपये कर दिया गया है. अन्य सभी अनुष्ठानों के शुल्क में भी वृद्धि की गई है. इसके अलावा, सरकार ने मुजराई विभाग के अंतर्गत 34566 मंदिरों को अधिसूचित किया - श्रेणी 'ए' में 205, श्रेणी 'बी' में 193 और श्रेणी सी में 34168 मंदिर है. मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सेवा शुल्क बढ़ाने का निर्णय संबंधित मंदिर प्रबंधन द्वारा लिया गया था और उनकी सिफारिशों के आधार पर सरकारी आदेश जारी किया गया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक में मुजराई विभाग के अंतर्गत 35000 मंदिर हैं। प्रत्येक मंदिर का एक बोर्ड होता है जो इस ▶10पर

कैग रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

दस साल में तीन गुना बढ़ा देश के 28 राज्यों का कर्ज

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

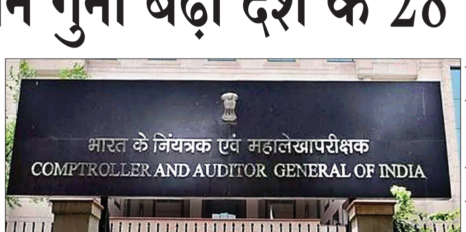

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी की हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है जिसके मुताबिक, सभी 28 राज्यों का सार्वजनिक ऋण 10 वर्षों में तीन गुना बढ़ गया है। साल 2013-14 में जो कर्ज 17.57 लाख करोड़ रुपये था वह 2022-23 में 59.60 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह रिपोर्ट राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य पर एक दशक का विश्लेषण हैं।

बता दें कि कर्ज के संबंध में यह रिपोर्ट कैग के संजय मूर्ति द्वारा राज्य वित्त सचिवों के सम्मेलन के दौरान जारी की गई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में 28 राज्यों का कुल सार्वजनिक ऋण (आंतरिक ऋण और केंद्र से ऋण एवं अग्रिम) 59,60,428 करोड़ रुपये था, या उनके संयुक्त सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2,59,57,705 करोड़ रुपये का 22.96 प्रतिशत रहा है। जीएसडीपी किसी राज्य की भौगोलिक सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 के अंत में सबसे अधिक ऋण-से-जीएसडीपी अनुपात 40.35 प्रतिशत पंजाब में दर्ज किया गया, उसके बाद नागालैंड (37.15 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (33.70 प्रतिशत) का स्थान रहा। सबसे कम अनुपात ओडिशा (8.45 प्रतिशत), महाराष्ट्र (14.64 प्रतिशत) और गुजरात (16.37 प्रतिशत) में दर्ज किया गया।

सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च 2023 तक, आठ राज्यों की सार्वजनिक ऋण देनदारी उनके जीएसडीपी के 30 प्रतिशत से अधिक थी छह राज्यों की सार्वजनिक ऋण देनदारी उनके जीएसडीपी के 20 प्रतिशत से कम थी और शेष 14 राज्यों की सार्वजनिक ऋण देनदारी वित्त वर्ष 2022-23 में उनके संबंधित जीएसडीपी के 20 से 30 प्रतिशत के बीच थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में राज्यों का कुल कर्ज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 22.17 प्रतिशत था, ▶10पर

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंध

इस्लामाबाद (पाकिस्तान), 20 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र सभी भारतीय स्वामित्व वाली या भारतीय संचालित एयरलाइंस के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंधित रहेगा। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण के शुक्रवार को जारी नए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के अनुसार, यह प्रतिबंध भारतीय वाणिज्यिक एयरलाइंस, भारत में पंजीकृत विमानों और सैन्य उड़ानों को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दक्षिण एशिया के दो परमाणु संपन्न देशों के बीच तनाव अब भी बरकरार है। पहलगाम हमले के बाद भारत के जवाबी उपाय से पाकिस्तान पानी की दुहाई दे रहा है। भारत के सिंधु जल संधि के निलंबित करने व अन्य जवाबी उपायों को पाकिस्तान दुनिया के सामने उठा चुका है।

पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद बढ़े द्विपक्षीय तनाव के बीच नई दिल्ली के महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद जैसे को तैसा कदम उठाते हुए भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। पाकिस्तान के इस फैसले के बाद भारत ने भी 30 अप्रैल को पाकिस्तानी एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। बाद में पाकिस्तान ने शुरुआती प्रतिबंध को 23 मई को एक और महीने के लिए बढ़ाया। अब इसे अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है।

पाकिस्तान का आरोप है कि भारत ने 6-7 मई को बिना किसी उकसावे के मुल्क के शहरों पर हमले किए। पाकिस्तान का दावा है कि इस पर उसने ऑपरेशन बनयान-उम-मार्सूस शुरू कर भारत को नुकसान पहुंचाया। नई दिल्ली ने दावा किया था कि ये हमले आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित थे।

कहा जाता है कि कम से कम 87 घंटे बाद दोनों राष्ट्रों के बीच युद्ध 10 मई को थमा। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने इस तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इससे पहले 1999 के कारगिल युद्ध और 2019 के पुलवामा संकट के दौरान भी हवाई क्षेत्र को बंद किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

जापानी 'स्मार्ट ब्रा' ने मचाई हलचल, फिंगरप्रिंट से होगी अनलॉक

टोक्यो। हाल ही में जापान के एक क्रिएटर ने 'स्मार्ट ब्रा' का आविष्कार किया है, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी। इस 'स्मार्ट ब्रा' की सबसे खास बात यह है कि यह हुक से नहीं, बल्कि फिंगरप्रिंट रिकॉग्निशन यानी बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से खुलती है। 'स्मार्ट ब्रा' बनाने वाले क्रिएटर का नाम झावा वर्कस है, जो एक स्टूडेंट इनोवेटर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका डेमो वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में दिखाया गया कि ब्रा को अनलॉक करने के लिए पासवर्ड या क्लैस्प की बजाय पार्टनर के फिंगरप्रिंट की जरूरत पड़ती है। क्रिएटर ने इसे रिश्तों में धोखाधड़ी रोकने के लिए 'प्लेफुल कॉन्सेप्ट' के तौर पर डिजाइन किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, अब सिर्फ आपका बॉयफ्रेंड ही आपकी ब्रा खोल सकता है! जैसे ही यह वीडियो सामने आया, यूजर्स के कॉमेंट्स की बाढ़ आ गई। किसी ने इस आइडिया को मजेदार बताया, तो किसी ने सवाल किया कि क्या यह पुरुषों के लिए भी बनाया गया है। इस पर क्रिएटर ने हंसते हुए जवाब दिया कि इसे अपनी गर्लफ्रेंड या पत्नी को गिफ्ट कर दीजिए। यह वीडियो सिर्फ एक्स तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इंस्टाग्राम पर भी तेजी से वायरल हो गया। हजारों यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी। जहां कुछ लोग इसे मजाक में ले रहे हैं, वहीं कुछ ने इसे तकनीक का नया आयाम बताया। टेक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह के कॉन्सेप्ट आगे बढ़ते हैं, तो भविष्य में कपड़ों और एक्सेसरीज में भी सिक्योरिटी फीचर्स जुड़ सकते हैं।

कम खर्चे में बड़ा नुकसान पहुंचाने वाले हथियारों से दुश्मन का सफाया कर रहा है इजरायल

तेल अवीव। इजरायल ऐसे हथियार बना रहा है, जो कम खर्चे में बड़ा नुकसान पहुंचा सकें। आखिकार इजरायल ने अपना वो ब्रह्मास्त्र निकाल लिया है, जिसके बारे में चर्चा खूब थी।

इज़राइल के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि उसका नया लेजर-आधारित एयर डिफेंस सिस्टम आयरन बीम सफल परीक्षणों के बाद इस साल तैनाती के लिए तैयार है। यह तकनीक बेहद खास है क्योंकि पारंपरिक इंटरसेप्टर मिसाइल दागने में जहां लगभग 50,000 डॉलर यानि 40 लाख रुपये तक का खर्च आता है, वहीं लेज़र से लक्ष्य भेदने की लागत बेहद मामूली है। इस तरह अब इजराइल को आसमान से बरसने वाले रॉकेट और ड्रोन को रोकने में भारी बचत होगी। दिलचस्प ये है कि इजरायल वाली तकनीक पर भारत भी काम कर रहा है और वो भी ऐसे हथियार बना रहा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक आयरन बीम ने हाल के परीक्षणों में रॉकेट, मोर्टार, ड्रोन और यहां तक कि विमान को भी सफलतापूर्वक मार गिराया। यह सिस्टम मौजूदा डिफेंस लेयर्स आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो सिस्टम के साथ काम करेगा। ये हथियार पहले भी गाजा से हमास, लेबनान से हिज़्बुल्लाह और यमन से हूती विद्रोहियों के दागे गए हजारों प्रोजेक्टाइल को नष्ट किया है। इज़राइल डिफेंस फोर्सेज़ (आईडीएफ) को इसके पहले यूनिट साल 2025 के अंत तक मिल जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टर-जनरल अमीर बराम ने कहा- यह दुनिया में पहली बार है जब किसी हाई-पावर लेज़र सिस्टम ने फुल ऑपरेशनल क्षमता हासिल की है।

ट्रंप की नई व्यवस्थाः अमेरिका की नागरिकता के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य

वॉशिंगटन। अमेरिका आए दिन देश दुनिया के लिए नई-नई चुनौतियां खड़ीं कर रहा है। अब इमिग्रेशन के नाम पर ब्रेकर बना रहा है।

इसी के तहत अमेरिकी सरकार ने 2020 की उस पुरानी व्यवस्था को फिर से लागू करने का फैसला किया है, जिसके तहत अमेरिका की नागरिकता लेने वालों को नागरिक शास्त्र की लिखित परीक्षा पास करनी होती थी। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं ने इसी सिलसिले में नागरिक शास्त्र परीक्षा के एक नए संस्करण की घोषणा की है, जो 2025 में ही प्रभावी होगी। इमिग्रेश विभाग ने कहा कि उसने 2025 से फिर से नागरिक शास्त्र परीक्षा को अनिवार्य करने की घोषणा करते हुए संघीय रजिस्टर नोटिस जारी किया है। यह नई परीक्षा उन लोगों के लिए जरूरी है जो अमेरिका की नागरिकता लेना चाहते हैं। नई व्यवस्था में परीक्षा के नए स्वरूप के तहत, आवेदकों को अमेरिकी इतिहास और राजनीति से संबंधित 128 प्रश्नों का अध्ययन करना होगा और उनमें से 20 में से 12 प्रश्नों के सही उत्तर देने होंगे। इससे पहले, 2008 में शुरू हुई इसी परीक्षा के तहत, नागरिकता पाने वाले आवेदकों को 100 प्रश्नों को पढ़ना होता था और उनमें से 10 में से 6 प्रश्नों के सही उत्तर देने होते थे।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन,20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के गुजरात के अहमदाबाद में इस साल हुए एयर इंडिया विमान (बोइंग 787) हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में विमान निर्माता और आपूर्तिकर्ता हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। यह हादसा 12 जून को हुआ था। एयर इंडिया के अनुसार विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि एक ब्रिटिश नागरिक बच गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में दायर किए गए इस मुकदमे में दोनों कंपनियों पर दोषपूर्ण उत्पाद के निर्माण और स्थापना में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। ये आरोप विमान के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच पर केंद्रित हैं, ये दो स्विच दुर्घटना की जांच के केंद्र में रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 12 जून को हुई इस घातक विमान दुर्घटना के बाद से यह संयुक्त राज्य अमेरिका में दायर किया गया पहला मुकदमा है।

एयर इंडिया 787 से जुड़ी इस दुर्घटना की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन भारत के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की एक प्रारंभिक रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि इंजन को ईंधन की आपूर्ति करने वाले महत्वपूर्ण स्विच उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद रन स्थिति से कटऑफ स्थिति में आ गए थे।

कुछ ही क्षण बाद स्विच को वापस चालू कर दिया गया, लेकिन इंजन फिर से चालू नहीं हो पाए और विमान पास के एक मेडिकल हॉस्टल से टकरा गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 और जमीन पर 19 लोगों की मौत हो गई।

यह स्पष्ट नहीं है कि इंजन के ईंधन स्विच कैसे और क्यों हिले। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से मिले डेटा से पता चला कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने स्विच क्यों हिलाए, जिससे इंजनों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और जांच में सहायता कर रहे अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने जांच के दौरान अटकलों के प्रति आगाह किया है। पायलट यूनियनों ने भी विमान उड़ाने वालों को दोष देने के प्रति आगाह किया है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में, जांचकर्ताओं ने कहा कि बोइंग के 787 बेड़े या विमान को चलाने वाले जनरल इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए कोई अनुशंसित कार्रवाई नहीं की गई थी। एयरलाइन के अनुसार, एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विचों के निरीक्षण में कोई समस्या नहीं पाई गई। मंगलवार को दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि बोइंग और हनीवेल, जो इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच बनाती है, ने खराब स्विच लगाए जिनमें पायलट द्वारा गलती से उन्हें हिलाने से रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं थे।

मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्विच उच्च-यातायात वाले क्षेत्र में थे, जिससे अनजाने में उनके हिलने का खतरा बढ़ गया और इंजनों में ईंधन की आपूर्ति बाधित हो गई। एयर इंडिया की प्रारंभिक रिपोर्ट जुलाई में जारी हुई थी। पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाली लैनियर लॉ फर्म के अनुसार, मुकदमा चार यात्रियों की गलत तरीके से हुई मौतों के लिए मुआवजे की मांग करता है। वकील बेंजामिन मेजर ने एक बयान में कहा, परिवार न्याय के हकदार हैं और उन्हें यह जानने का हक है कि क्या हुआ।

उल्लेखनीय है कि हनीवेल इंटरनेशनल एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह एयरोस्पेस, बिल्डिंग ऑटोमेशन, औद्योगिक स्वचालन, और ऊर्जा और स्थिरता समाधान जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और सेवाएं प्रदान करती है। यह एक एकीकृत परिचालन कंपनी है। कंपनी दुनिया भर के विभिन्न उद्योगों के लिए स्वचालन, विमानन और ऊर्जा परिवर्तन से संबंधित समाधान विकसित करती है। हनीवेल की स्थापना 1906 में हुई थी और यह नवाचार और स्थिरता के लिए जानी जाती है।

पहले लोग परिजनों के प्रति प्यार जताने शव को आग और धुएं में सुखाते थे

मम्मी बनाने का खेल 10,000 साल पहले चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया में शुरू हुआ

बीजिंग, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जब भी ममी का नाम आता है, हमारे दिमाग में मिस्र की तस्वीर आंखों के सामने झूलने लगती है, लेकिन ताजा रिसर्च से पता चला है कि ममी बनाने का असली खेल तो 10,000 साल पहले चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया में शुरू हुआ था। यहां लोग अपने मृतकों को बचाने के लिए उन्हें आग और धुएं से सुखाते थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन, थाईलैंड, लाओस, फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया में पुरानी कब्रें खोदकर देखी गईं। वहां मिले कंकाल किसी बच्चे की तरह गोल-गोल सिकुड़े हुए थे। शुरुआत में ये समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों है, लेकिन जांच से पता चला है कि दफनाने से पहले शवों को आग और धुएं पर लंबे समय तक रखा गया। इसी प्रक्रिया से उनकी देह जल्दी गलती नहीं थी। रिसर्च में कहा गया है कि ने एक्स-रे और खास टेक्निक से हड्डियों की जांच की। नतीजा ये निकला कि हड्डियों पर हल्की गर्मी और कालिख के निशान थे, लेकिन जलने का कोई सबूत नहीं मिला यानी ये शव धीरे-धीरे धुएं में सुखाए गए थे, जलाए नहीं गए। इसे ही वैज्ञानिकों ने 'स्मोक्ड ममी' का नाम दिया। ये तरीका सिर्फ इतिहास का हिस्सा नहीं है। इंडोनेशिया के पापुआ में दानी और पुमो समुदाय आज भी अपने पूर्वजों को ऐसे ही ममी बनाकर रखते हैं। साल 2019 में वैज्ञानिकों ने खुद देखा कि कैसे वहां शव को कसकर बांधकर आग और धुएं पर लटकाया जाता है, जब तक कि उसका रंग काला न पड़ जाए। माना जाता है कि धुएं से ममी बनाने का मकसद सिर्फ शरीर को सुरक्षित रखना नहीं था। इसके पीछे धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं थीं। परिवार अपने प्रियजनों को लंबे समय तक अपने पास देखना चाहता था। ये प्यार, याद और अपनापन जताने का तरीका था। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये खोज इंसानों की शुरुआती यात्रा को भी समझने में मदद करती है। उनका मानना है कि करीब 65 हजार साल पहले जो शिकारी-जनजातियां यहां आईं, उन्हीं ने ये परंपरा शुरू की थी।

हड़ताल पर बैठे निर्माण श्रमिक

ब्राजील के पैरा राज्य के बेलेम में सीओपी30 के विला डॉस लीडेरेस (लीडर्स विलेज) में हड़ताल पर बैठे निर्माण श्रमिक।

अफगानिस्तान में फिर लौटेगी अमेरिकी फौज, बगराम एयरबेस को नियंत्रण में लेगी

ट्रंप ने कहा यह दुनिया का सबसे बड़ा एयरबेस इसे वापस लेने की कर रहे कोशिश

वाशिंगटन,20 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस का नियंत्रण अपने हाथों में ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि तालिबानी कब्जे के चार साल बाद एक बार फिर अमेरिकी फौज अफगानिस्तान में लौट सकती है। बता दें अफगानिस्तान से निकलने के बाद अमेरिकी सेना ने एयरबेस पर भी नियंत्रण छोड़ दिया था।

वहीं ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर के साथ पत्रकारों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम इस एयरबेस को वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह आपके लिए कुछ ब्रेकिंग न्यूज जैसा हो सकता है। उन्हें भी हमसे कुछ जरूरतें हैं। ट्रंप ने कहा कि यह एयरबेस चीन के करीब है, इसलिए इसे अपने कब्जे में रखना जरूरी है। हालांकि ट्रंप ने साफ नहीं बताया कि अमेरिका क्या करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो बाइडेन के समय में ही यह एयरबेस तालिबान को सौंप दिया गया था, जो कि एक गलत फैसला था।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान छोड़ने के बाद भी अमेरिकी सेना को बगराम एयरबेस अपने पास ही रखना चाहिए था। यह दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान को छोड़ना भी था तब भी खुद को मजबूत रखना जरूरी था। ऐसे में यह एयरबेस उपयोगी हो सकता था। हमने बेकार में ही इसे तालिबान को सौंप दिया। ट्रंप ने आगे कहा कि यह दुनिया का सबसे ताकतवर बेस है क्योंकि इसपर रनवे की लंबाई काफी ज्यादा है। आप वहां कुछ भी उतार सकते हैं। इसपर आप चाहें तो एक ग्रह उतार दें।

पुतिन-शी कर रहे अमर होने की कल्पना, 150 साल तक चाहते हैं जीना

कई देशों की सरकारें और वैज्ञानिक उम्र बढ़ाने के प्रोसेस पर कर रहे निवेश

मास्को,20 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों बीजिंग में विक्ट्री परेड आयोजित की गई थी। जहां राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के किम जोंग एक ही मंच पर मिले थे। किम जोंग उन की एक हॉट-माइक बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस वीडियो में पुतिन ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट और बायोटेक्नोलॉजी से 150 साल तक जीने की बात कही गई है। अब सवाल ये है कि ये सिर्फ शी जिनपिंग और पुतिन की कल्पना है, या वाकई मेडिकल साइंस इस स्तर तक पहुंच चुका है कि इंसान अमरत्व प्राप्त कर सकता है।

बता दें साल 2010-2020 के दशक में कई देशों की सरकारें और निजी-वैज्ञानिक समूह उम्र बढ़ाने के प्रोसेस सेलुलर रीजुवेनेशन पर बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। रूस ने भी स्टेट लेवल प्रोजेक्ट और रिसर्च फंडिंग बनाई है जो जीन-सेल रिन्यूअल और अंगों की रीजनरेशन पर काम करते हैं। पुतिन की इसमें व्यक्तिगत रुचि भी है। अब देखते तो क्या ये असंभव है। फिर भी अब तक मेडिकल साइंस ने इतना तो कर ही लिया है कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट से मरते हुए व्यक्ति को नया जीवनदान मिल जाता है। उन्हें अंग मिलते ही उनके जीवन के कुछ साल बढ़ जाते हैं लेकिन ये अमरता का रास्ता है, ऐसा नहीं कह सकते।

कई ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट अमरता का रास्ता नहीं है।

ट्रांसप्लांट के बाद इंसान को कई मुश्कलिं भी झेलनी पड़ती हैं, जैसे लंबे समय तक इम्यूनो-सप्रेशन की दवाइयां खाना, इंफेक्शन का रिस्क और कैंसर का खतरा हमेशा बना रहता है। अगर किसी मरीज को एंड-स्टेज रीनल डिजीज है और वो डायलिसिस पर है तो किडनी ट्रांसप्लांट अक्सर लाइफ एक्स्पेक्टेंसी और क्वालिटी ऑफ लाइफ दोनों में फायदा होता है। एक स्टडी से सामने आया है कि किडनी ट्रांसप्लांट वाले मरीजों की 5-साल और 10-साल सर्वाइवल अक्सर डायलिसिस पर रहने वालों से बेहतर रहती है।

वहीं हार्ट ट्रांसप्लांट क्रॉनिक हार्ट फेल्योर वाले बहुत से मरीजों के लिए जीवनरक्षक होता है। आधुनिक सर्जरी और पोस्ट-ऑप केयर के कारण 1-साल और 5-साल सर्वाइवल बेहतर हो जाता है, पर ये भी लिमिटेड है। ये उम्र और अन्य बीमारियों पर निर्भर करता है। लिवर ट्रांसप्लांट भी गंभीर लिवर फेल्योर होने पर जीवन बचा सकता है। कई बैक-टू-बैक स्टडीज में एक से पांच साल के बाद अच्छी पेशेंट सर्वाइवल रेट रिपोर्ट हुई है। खासकर जब वे ऑर्गन सही तरह से मैच किए गए हों।

लंग ट्रांसप्लांट सांस से जुड़ी इंटेंसिव बीमारियों में असरदार हैं पर लॉन्ग-टर्म रिजल्ट पेशेंट की स्थिति पर डिपेंड करते हैं। पैंक्रियास टांसप्लांट विशेषकर टाइप-1 डायबिटीज में इंसुलिन-डिपेंडेंसी कम कर सकता है और क्वालिटी ऑफ लाइफ सुधारता है। एम्स में फिजियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ सुब्रत बासु कहते हैं कि ट्रांसप्लांट असल मायने में किसी रोग की वजह से इंसान की घट रही उम्र को बढ़ाने में मदद करते हैं। सीधे शब्दों में कहा जाए तो बीमारी से होने वाली मृत्युदर इससे घटती है, लेकिन वे शरीर के पूरे एजिंग प्रोसेस को नहीं रिवर्स करते। इसलिए अंग बदलना उम्र के प्राकृतिक असर को रोककर अमर नहीं बनाता।

दीपोत्सव–2025 : 45 मिनट का प्रदर्शन दीपोत्सव–25 को बनाएगा यादगार

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में 18 से 20 अक्टूबर तक होने वाला दीपोत्सव–25 अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनने जा रहा है। इस बार पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ–साथ 45 मिनट का मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो भी सरयू नदी के घाटों पर प्रस्तुत किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकार शामिल होंगे और रामायण की कथाओं को जीवंत करने के लिए 200 मीटर तक फैली झांकियां भी दिखाई जाएंगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि त्रेतायुग की अयोध्या को जीवंत करने के लिए दीपोत्सव–25 को अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनाने जा रहे हैं, जो कई नए कीर्तिमान भी बनाएगा।

दीपोत्सव–25 भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी को आधुनिक तकनीक से दोबारा रचेगा। ऐसे में जहां पूरी नगरी रौशनी से जगमगाएगी तो दूसरी ओर सरयू घाट पर 26 लाख से अधिक दीपों को जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इस भव्य आयोजन के देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक साक्षी बनेंगे। यह आयोजन अब तक के सभी दीपोत्सवों से अधिक भव्य होगा और दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव देने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं।

राम की पैड़ी पर होने वाला 45 मिनट का शो प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर इफेक्ट्स, आतिशबाजी, संगीत और कथावाचन के माध्यम से भगवान राम की गाथा को प्रदर्शित करेगा। इसमें नई दृश्यावलियों, स्टोरीबोर्ड और एनिमेशन का प्रयोग किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकार हिस्सा लेंगे। सरयू नदी पर 200 मीटर लंबे क्षेत्र में झांकियों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दृश्य तकनीक, कोरियोग्राफी, परिधान, संगीत और कथावाचन का यह संगम दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव देगा। मंच सज्जा और कलाकारों की पोशाकें दीपोत्सव की भावना और परंपरा को और भव्य बनाएंगी। अयोध्या का दीपोत्सव–25 परंपरा, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का ऐसा अद्भुत संगम होगा जो विश्व स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाएगा।

उधमपुर में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का जवान शहीद

पुंछ में 20 ग्रेनेड और एके राइफल बरामद

जम्मू, 20 सितंबर (ब्यूरो)। उधमपुर जिले के सियोजधार इलाके में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया।

आतंकियों से मुठभेड़ जारी थी। दूसरी ओर सेना ने पुंछ में एक तलाशी अभियान में 20 हथगोले व एक राइफल बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हो गया। जिसने बाद में दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सेना, विशेष अभियान समूह (एसओजी) और पुलिस ने सिओज धार के ऊंचाई वाले इलाके से लगे डुडू पुलिस थाना क्षेत्र में एक अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई। जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि मुठभेड़ जारी है। एसओजी, पुलिस और भारतीय सेना की संयुक्त टीमें जमीन पर हैं।

दूसरी ओर एक संयुक्त अभियान में, सेना और पुलिस ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की। मेंढर नाला इलाके से 20 ग्रेनेड और एक एके राइफल बरामद की गई।

सेना ने पुलिस के साथ खुफिया जानकारी के आधार पर एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान पुंछ सेक्टर में एक हथियार (एके सीरीज), चार एके मैगजीन, 20 हथगोले और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की।

नाव दुर्घटना के बाद पांच लोगों को बचाया गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हंगराकट्टे के पास तकनीकी खराबी के कारण एक नाव किनारे से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे लाखों रुपये का भारी नुकसान हुआ। महाकाली नामक यह नाव, जिसके मालिक कोडी बेंगरे के महेश हैं, 17 सितंबर की सुबह मछली पकड़ने के लिए कोडी बेंगरे मछली पकड़ने के बंदरगाह से रवाना हुई थी।

दोपहर तक, हंगराकट्टे बंदरगाह के पास मछली पकड़ते समय, नाव में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे इंजन बंद हो गया। बार–बार प्रयास करने के बावजूद, इंजन को दोबारा चालू नहीं किया जा सका। इस बीच, तेज हवाओं और लहरों ने नाव को किनारे की ओर धकेल दिया और कन्याना गाँव में कोडी के पास नाव टकरा गई। नाव पर सवार पाँच लोग सुरक्षित बच निकलने में सफल रहे। हालाँकि, नाव और अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे अनुमानित 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। इस घटना के संबंध में कोटा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

पश्चिमी यूपी में पहली अक्टूबर से होगी धान खरीद

पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहली नवंबर से की जाएगी खरीद

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अंतर्गत पहली अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धान खरीद शुरू होगी, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में धान खरीद पहली नवंबर से होगी। इसके लिए पहली सितंबर से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 जनवरी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 फरवरी 2026 तक धान खरीद होगी। सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान (कॉमन)–2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।

धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसानों को खाद्य व रसद विभाग की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर पंजीकरण कराना होगा। धान की खरीद पंजीकृत किसानों से ही होगी। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक किसी भी सहायता या जानकारी के लिए किसान टोल फ्री नंबर 18001800150 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। साथ ही अपने जनपद के जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व ब्लॉक के विपणन निरीक्षक से भी संपर्क साध सकते हैं।

पश्चिम उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू होगी, जो 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। यह खरीद पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली,आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में होगी। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद इसी अवधि में होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवम्बर से धान खरीद शुरू होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

धान खरीद के लिए पंजीकरण प्रारंभ हो गया है। 20 सितंबर (दोपहर एक बजे) तक करीब 10 हजार किसानों ने धान विक्रय के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कर लिया है। विभाग के मुताबिक धान की बिक्री के लिए ओटीपी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर एसएमएस से मिले ओटीपी को भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं किसानों को भुगतान सीधे आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा। बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर धान की खरीद ई–पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों के बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी।

दक्षिण कन्नड़ में 'संदिग्ध' बीपीएल राशन कार्डों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार से मिली जानकारी के बाद कि कई अपात्र व्यक्तियों ने दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में 'संदिग्ध' गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) राशन कार्ड प्राप्त किए हैं, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में 'संदिग्ध' गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) राशन कार्डों का पता लगाने के उपाय शुरू कर दिए हैं। केंद्र सरकार द्वारा भेजी गई सूची के अनुसार, राज्य भर में 7.76 लाख अपात्र राशन कार्ड हैं। जल्द ही यह पता लगाने का काम शुरू होगा कि इनमें से कितने दक्षिण कन्नड़ जिले के हैं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की उप निदेशक अनिता मदलूर ने बताया कि जिले में वर्तमान में कुल 4,56,368 राशन कार्ड हैं, जिनमें अंत्योदय अन्न योजना के तहत 22,864 और बीपीएल के तहत 28,000 कार्ड शामिल हैं। उन्होंने कहा अपात्र कार्डों के अस्तित्व का संदेह हमेशा से रहा है। अब, केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर एक सूची उपलब्ध करा दी है, और इसे विभिन्न मानदंडों पर सत्यापित करने की आवश्यकता है। इस बीच, कार्डों को अपात्र घोषित करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे मानदंडों को लेकर चिंताएँ जताई गई हैं। रेहड़ी–पटरी वालों के संघ के अध्यक्ष इम्तियाज ने पूछा सिर्फ इसलिए बीपीएल कार्ड रद्द करना उचित नहीं है क्योंकि किसी घर में सीमेंट की दीवार है या उसके पास मोबाइल फोन है। शहरी इलाकों में जरूरतें आय सीमा से ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। जरूरी चीजें होना किसी को अपने आप अमीर नहीं बना देता। ऐसे समय में जब एक पुरानी कार 25,000 रुपये में खरीदी जा सकती है, क्या हम कह सकते हैं कि कार रखने वाला कोई भी व्यक्ति अमीर है? उन्होंने कहा पात्रता मानदंडों के कारण अन्याय नहीं होना चाहिए। दक्षिण कन्नड़ में लोग पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। पत्थर और रेत की कमी के कारण, कई एपीएल कार्डधारक बिना काम के रह गए हैं, जिससे वे प्रभावी रूप से बीपीएल श्रेणी में आ गए हैं। इसी तरह, सांप्रदायिक झगड़ों ने पर्यटकों की आमद कम कर दी है, जिससे आर्थिक गतिविधियाँ कमजोर हो गई हैं। इसलिए, हमारे क्षेत्र से संबंधित मानदंडों को संशोधित करना जरूरी हो सकता है।

बस की चपेट में आने से स्कूटर सवार की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कवलकट्टे में एन सी रोड के पास बंटवाल–बेल्तंगडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस और उसके दोपहिया वाहन की टक्कर में एक स्कूटर सवार की मौत हो गई।

मृतक की पहचान बेल्तांगडी तालुका के बाजीरे क्रॉस कट्टे निवासी राजेश (36) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, केएसआरटीसी बस धर्मस्थल से आ रही थी, तभी उसकी टक्कर वाग्गा से बेल्तांगडी की ओर जा रहे स्कूटर से हो गई। राजेश को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुंजालकट्टे के एसआई राजेश ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया।

किशोर दत्तक पुत्र पर उस महिला के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप जिसने उसे माँ की तरह पाला

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के हासन जिले में एक हत्या के मामले में एक चौंकाने वाला मोड़ आया है। पुलिस का कहना है कि 17 साल के एक लड़के ने उसी महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी जिसने उसे अपने बच्चे की तरह पाला था।

यह जघन्य अपराध 15 सितंबर को अरसीकेरे तालुका के जवागल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक केले के बागान में हुआ। जांचकर्ताओं के अनुसार, पीड़ित – एक 45 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर – ने अपने बच्चे को तब से प्यार से पाला था जब उसने अपने माता–पिता को बचपन में ही खो दिया था।

हालाँकि उसका कोई रिश्तेदार नहीं था, फिर भी उसने एक माँ की तरह उसे खाना खिलाया, कपड़े पहनाए और उसकी देखभाल की, उसे स्कूल भेजा और उसे अनाथ होने के दर्द से बचाया।

पुलिस का कहना है कि किशोर ने उस भरोसे को तोड़ा, जब वे दोनों अकेले थे तो उस पर हमला किया, उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। महिला 15 सितंबर को हमेशा की तरह काम पर गई थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी। उसके फोन पर की गई कॉल का कोई जवाब नहीं मिला, जिससे ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। अगली सुबह, उसका शव पास के केले के बाग में चोटों के निशान के साथ मिला, जिससे तुरंत संदेह पैदा हो गया। जवागल पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया और विस्तृत जाँच शुरू की। एक ग्रामीण ने पुलिस को बताया कि महिला और उसके द्वारा पाले गए लड़के को पहले झगड़ते देखा गया था। इस सुराग पर कार्रवाई करते हुए, जाँचकर्ताओं ने लड़के से पूछताछ की और इस चौंकाने वाले अपराध का पर्दाफाश किया। उनका आरोप है कि उसका यौन उत्पीड़न करने के बाद, उसने उसकी चीखें दबाने के लिए उसकी हत्या कर दी। सत्रह साल पहले, एक पड़ोसी परिवार ने अनाथ शिशु को अपने घर में रखा था, और पीड़िता जो उनके घर में काम करती थी उसे अपने बेटे की तरह मानती थी। एक साधारण मजदूरी और बिना पति के जीवन जीने के बावजूद, वह उस लड़के के लिए एक घर बनाने का सपना देखती थी जिसे वह अपना बच्चा कहती थी।

ग्रामीणों को संदेह है कि किसी ने उस किशोर की मदद की होगी और उन्होंने इसकी गहन जाँच की माँग की है। वे कड़ी से कड़ी सजा की भी माँग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस कृत्य ने पूरे समुदाय को स्तब्ध और दुखी कर दिया है।

ज्ञान सेतु कार्यक्रम : कर्नाटक में पीयू के छात्रों को ऑनलाइन पंजीकरण के लिए स्मार्टफोन लाना अनिवार्य

इससे सभी अभिभावक खुश नहीं

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूल शिक्षा विभाग (प्री–यूनिवर्सिटी) ने कर्नाटक के प्री–यूनिवर्सिटी कॉलेजों के व्याख्याताओं को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके छात्र अपने स्मार्टफोन के साथ ज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करें। छात्रों को एक जीमेल अकाउंट खोलना होगा और खान अकादमी में लॉगिन सुविधा प्राप्त करनी होगी, जो इस योजना के तहत ऑनलाइन संसाधन प्रदान करती है। इससे अभिभावक, खासकर ग्रामीण इलाकों में, चिंतित हैं। जहाँ कई अभिभावकों ने शिक्षकों से संपर्क किया है और कहा है कि वे अपने बच्चों के लिए स्मार्टफोन नहीं खरीद सकते, वहीं कुछ अभिभावकों ने फोन की लत के दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त की है। छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के अभिभावक ज्यादा चिंतित हैं, क्योंकि वे बच्चों के फोन के इस्तेमाल पर नजर रखने के लिए उनके साथ नहीं होंगे। तीर्थहल्ली के मेलिनाकोप्पा निवासी हरीश

एम.के. ने बताया कि वह अपनी भाभी के अभिभावक थे, जो एक कॉलेज में पढ़ रही हैं। पहले, शिक्षकों और अधिकारियों ने छात्रों के बीच स्मार्टफोन के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए थे। अब, आश्चर्यजनक रूप से, वे हमसे छात्रों के लिए फोन लाने के लिए कह रहे हैं। छात्रावासों में फोन के इस्तेमाल पर कौन नजर रखेगा? उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी छात्रा को फोन तभी देंगे जब कॉलेज प्रिंसिपल या हॉस्टल इंचार्ज छात्रा की सुरक्षा का आश्वासन देंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस साल की शुरुआत में अपने बजट में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक गैर–लाभकारी संगठन, खान अकादमी के सहयोग से ज्ञान सेतु योजना की घोषणा की थी।

इस योजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना है। यह संगठन छात्रों को संसाधन निःशुल्क उपलब्ध कराएगा और शिक्षकों को अपने एआई उपकरणों का निःशुल्क उपयोग करने की अनुमति देगा। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, विभाग इस योजना के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण पर 5.4 करोड़ खर्च करेगा। फिलहाल, पीयू कॉलेजों के व्याख्याताओं को अपने छात्रों को इस योजना के तहत पंजीकृत करने के लिए कहा गया है। आने वाले दिनों में, हाई स्कूल और उच्च प्राथमिक के छात्रों के भी इस योजना में शामिल होने की उम्मीद है। शिवमोग्गा में प्री–यूनिवर्सिटी एजुकेशन के उप निदेशक चंद्रप्पा एस. गुंडप्ली ने बताया कि विभाग के निर्देशों के अनुसार, उन्होंने व्याख्याताओं को कॉलेजों में पंजीकरण करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा छात्र मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। हम बस विभाग के निर्देशों का पालन कर रहे हैं और पंजीकरण प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं।

फिल्म जटाधारा के अभिनेता सुधीर बाबू ने भगवान शिव की पेंटिंग के रूप में अपनी कलात्मक श्रद्धांजलि पेश की

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं बहुप्रतीक्षित महाकाव्यात्मक स्पेक्टेकल जटाधारा। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अपने दमदार टीज़र और पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है। इस बीच, लीड स्टार सुधीर बाबू ने सबको चौंकाते हुए अपनी छिपी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया-भगवान शिव की एक अद्भुत पेंटिंग बनाकर। अभिनेता ने इस कलाकृति का अनावरण फिल्म की रिलीज़ डेट 7 नवंबर 2025 के साथ किया। इस विशेष कदम ने फिल्म को लेकर रोमांच और भी बढ़ा दिया है।

जटाधारा की आत्मा भगवान शिव की दिव्य प्रेरणा में निहित है, वे जो संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी, रूपांतरण की परम शक्ति। इसी भाव को प्रतीकात्मक रूप देने के लिए सुधीर बाबू ने स्वयं महादेव की एक शक्तिशाली पेंटिंग बनाई। गहरे नीले रंगों में गढ़ी गई यह कलाकृति भगवान शिव के ध्यानमग्न स्वरूप को दर्शाती है, जहाँ उनका पवित्र तीसरा नेत्र उनकी आंतरिक शक्ति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा को प्रकट करता है।

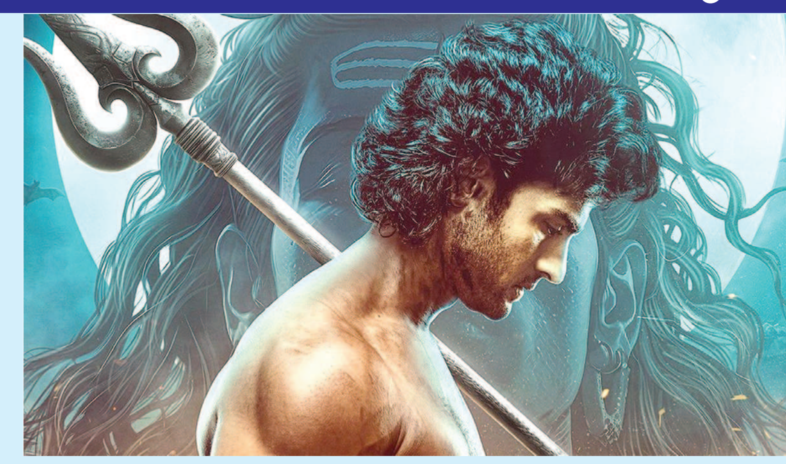

यह पेंटिंग मात्र कला नहीं है; यह जटाधारा की आत्मा का प्रतिबिंब है। जैसे शिव स्वयं विनाश और पुनर्जन्म के प्रतीक हैं, वैसे ही यह फिल्म शक्ति, भक्ति और आत्मोन्नति की एक महाकथा बनने का वादा करती है। इस पेंटिंग के अनावरण के साथ सुधीर बाबू ने दर्शकों को उस कथा की झलक दी है, जहाँ दिव्य पौराणिकता और सिनेमाई भव्यता एक साथ आती हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म का सह-निर्माण अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार साउंडस्केप ज़ी म्यूज़िक को ने सँभाला है।

कृष्णा श्रॉफ बनीं छोरियां चली गांव की दमदार दावेदार, जैकी श्रॉफ ने मांगा फैंस से सपोर्ट

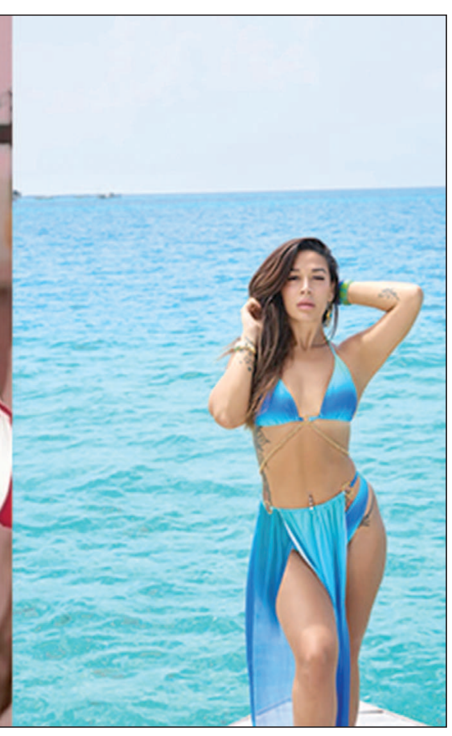

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ की लाडली कृष्णा श्रॉफ इन दिनों जी टीवी के पॉपुलर रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में नजर आ रही हैं। अभिनेता ने शनिवार को कृष्णा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।वीडियो में कृष्णा दर्शकों से सीधा अपील करती नजर आ रही हैं, जिसमें वह अपनी मेहनत और पैशन को बयां करते हुए कहती हैं, आप सबने मेरा सफर देखा है। अगर आप मुझे जीतते हुए देखना चाहते हैं, तो मुझे सपोर्ट कीजिए। मैं यहां तक पूरी कोशिश और मेहनत से आई हूं। अगर आपको मेरा जज्बा पसंद आया, तो वोट देकर मुझे बनाइए गांव की फेवरेट छोरी। वीडियो को जी5 ऐप के जरिए वोटिंग लिंक के साथ शेयर किया गया है, जहां फैंस आसानी से अपना प्यार बरसा सकते हैं।

जैकी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, जाइए कृष्णा को जी5 के जरिए वोट कीजिए, 'छोरियां चली गांव' हर रोज रात 10 बजे सिर्फ जी टीवी पर। छोरियां चली गांव शो का कॉन्सेप्ट अनोखा है। कृष्णा ने शो में जाने से पहले आईएएनएस से बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है।

जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वे सबसे ज्यादा उत्साहित हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अच्छी तरह समझ पाऊंगी। नया रियलिटी शो छोरियां चली गांव जी टीवी पर प्रसारित हो रहा है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को रोडीज फेम रणविजय सिंघा होस्ट कर रहे हैं।

टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर बोलीं नायरा बनर्जी

हफ्ते में एक दिन की छुट्टी जरूरी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है।नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें।

उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता।

नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं।

उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, ''मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया। मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है।''

नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी। मैं चाहती हूं कि मेरा काम हर तरह के दर्शकों तक पहुंचे और हर क्षेत्र में अलग पहचान मिले।

डायना पेंटी के कैजुअल लुक से इंटगरनेट का पारा चढा

अभिनेत्री डायना पेंटी इन दिनों अपने ओटीटी डेब्यू वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में डायना ने ब्लू डेनिम स्कर्ट-टॉप पहना, जो उनके स्लिम फिगर को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है। लुक को और भी आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप किया है, जो उनकी सादगी भरी खूबसूरती को उभार रहा है। वहीं, कानों में बड़े-बड़े ईयरिंग से उनका कैजुअल लुक और भी आकर्षक बन गया है।

तस्वीरों की बात करें तो पहली तस्वीर में वह स्कर्ट की डेंट स्माइल के साथ कैमरे को देखते हुए पोज दे रही हैं। दूसरी में वह कमर में हाथ रखकर स्टाइलिश अंदाज में मुड़ते हुए देख रही हैं। तीसरी तस्वीर में डायना सीधे कैमरे की ओर देख रही हैं। बाकी तस्वीरों में वह अलग-अलग एंगल्स से पोज देती नजर आ रही हैं, कभी लेग्स क्रॉस करके सीढ़ियों पर, तो कभी वॉल के सहारे लीन होकर।

तस्वीरों को पोस्ट कर अभिनेत्री ने लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखने की जगह बस ब्लू कलर का हार्ट इमोजी ऐड किया है, जो कि उनके ड्रेस से मेल खा रहा है।

उनकी इस तस्वीरों को कई यूजर ने लाइक किया है और फैंस ने ब्यूटीफुल और गॉर्जियस जैसे कमेंट किए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर है, जिसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला, और रणविजय सिंह जैसे स्टार्स शामिल हैं। डू यू वाना पार्टनर की कहानी दो सहेलियों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। इन्हीं में से एक सहेली का रोल डायना पेंटी प्ले कर रही हैं। यह सीरीज उनकी ओटीटी डेब्यू सीरीज भी है।

नोरा फतेही ने यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर आई एम सो रिच गीत गाया

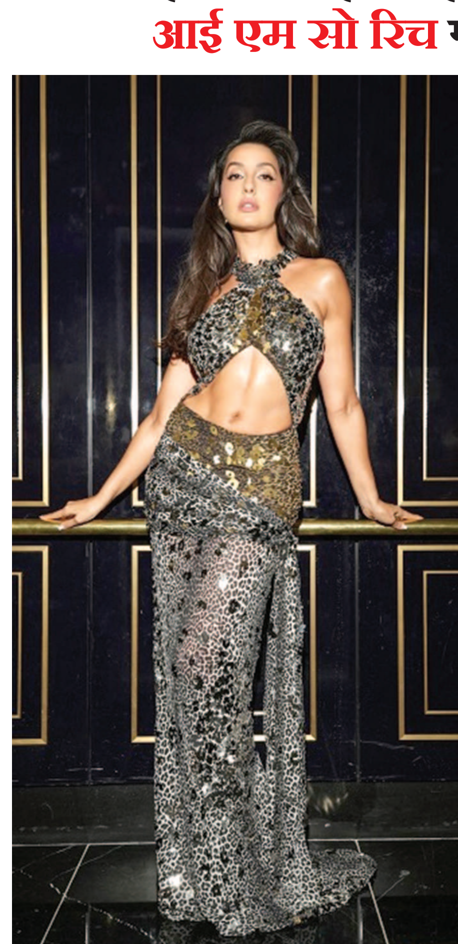

नोरा फतेही ने हाल ही में अपनी नई घोषणा से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह ग्लोबल स्टार एक बार फिर मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर 'आई एम सो रिच' में अपनी आवाज़ देने के लिए रिकॉर्डिंग बूथ में कदम रख रही हैं। यह ट्रैक हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित आने वाले एलबम का हिस्सा होगा, जो इसे इस साल की सबसे रोमांचक रिलीज़ में से एक बना देता है।नोरा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिकॉर्डिंग स्टूडियो की एक झलक शेयर की, जिसमें उन्हें हेडफोन लगाए गाने की लाइनें गुनगुनाते हुए देखा जा सकता है। स्टोरी में लिखा था - रिकॉर्डिंग आई एम सो रिच लोडिंग, और इसके साथ ही सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इस उत्साह में और इज़ाफा करते हुए, यो यो हनी सिंह ने खुद नोरा की स्टोरी को रीशेयर किया और अपने अंदाज़ में उनकी तारीफ की। उन्होंने एक बड़ा सरप्राइज भी दिया - नोरा इस गाने में पंजाबी में गा रही हैं।

उन्होंने लिखा: वो पंजाबी में गा रही हैं दोस्तों इस खुलासे ने फैंस को और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया, और वे अब नोरा की पंजाबी गायकी को लेकर काफी उत्सुक हैं। यह पहली बार नहीं है जब ये दोनों कलाकार साथ आ रहे हैं - इससे पहले भी वे रिकॉर्ड तोड़ हिट 'पायल' में साथ काम कर चुके हैं। लेकिन आई एम सो रिच कुछ खास है। जहां नोरा को हमेशा उनके शानदार डांस मूव्स और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए सराहा गया है, वहीं इस बार वे एक कदम आगे बढ़कर म्यूज़िक की दुनिया में अपनी आवाज़ से भी अपनी छाप छोड़ रही हैं।

यह गाना नोरा की ग्लोबल अपील और हनी सिंह की सिग्नेचर बीट्स का जबरदस्त मेल होगा। वहीं दूसरी ओर, नोरा फतेही और और रेवान्नी का इंटरनेशनल हिट गाना- 'ओह मामा! तेतेमा' अभी भी ग्लोबल चार्ट्स पर छाया हुआ हैं। साथ ही, वह बड़े पर्दे पर भी धमाल मचाने को तैयार हैं - जहां वे कांचना 4 में लीड रोल निभा रही हैं और कई आगामी प्रोजेक्ट्स की तैयारी कर रही हैं। आई एम सो रिच के साथ, नोरा फतेही की बहुमुखी स्टारडम और भी निखरने वाला है।

प्राजक्ता कोली ने ब्लैक क्रॉप टॉप में ढाया कहर

मशहूर इंफ्लूएंसर और अभिनेत्री प्राजक्ता कोली अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। इस बीच उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट की।अभिनेत्री की लेटेस्ट इंस्टाग्राम तस्वीरें उनके फैशन सेंस को शानदार तरीके से दिखा रही हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने काले रंग की आउटफिट पहनी है, जिसमें एक क्रॉप टॉप और मैचिंग पैंट शामिल हैं। यह क्रॉप टॉप उनकी कर्वी फिगर को हाइलाइट कर रहा है और ट्राउजर का स्लिम फिट उनकी हाइट को और भी आकर्षक बना रहा है। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप और सनग्लासेस के साथ पूरा किया, जो उनकी नेचुरल चमक को और बढ़ा रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने रोमांटिक ड्रामा सीरीज 'मिसमैच्ड' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसके बाद वह फिल्म 'जुग जुग जियो' में भी नजर आईं थीं। उनका खुद का यूट्यूब चैनल भी है, जिसकी वजह से उन्होंने लोगों के बीच अच्छी पहचान बनाई थी।

उनकी हालिया रिलीज सीरीज अंधेरा थी, जिसके 8 एपिसोड थे। इस सीरीज में प्राजक्ता के साथ सुरवीन चावला, प्रिया बापट और करणवीर मल्होत्रा के साथ वत्सल सेठ, परवीन डबास और प्रणय पचौरी भी अहम किरदारों में थे। इसकी कहानी गौरव देसाई, राघव दर, चिंतन सरडा और करण अंशुमान ने मिलकर लिखी है। वहीं, इसका निर्देशन राघव दर ने किया है।

अंधेरा मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें इंस्पेक्टर कल्पना कदम और मेडिकल स्टूडेंट जय की कहानी दिखाई गई है, जो एक लापता व्यक्ति के केस में उलझ जाते हैं। यह केस उन्हें शहर में छिपी एक भयावह शक्ति की ओर ले जाता है। यह सीरीज क्या होगा अगर अंधेरा जीवित हो जाए? जैसे काल्पनिक सवाल की खोज करती है। एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और राघव दार द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

सर्वपितृ अमावस्या पर राशि अनुसार करें दान और उपाय, पितर होंगे प्रसन्न, धन-दौलत में होगी वृद्धि

प्रत्येक वर्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर सर्वपितृ अमावस्या पड़ती है। इसे सर्व मोक्ष अमावस्या भी कहा जाता है, जो पितृपक्ष का अंतिम दिन होता है। मान्यता है कि इस तिथि पर पितरों के नाम का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सर्वपितृ अमावस्या पर दान करने का भी बहुत विशेष महत्व होता है। अगर आप इस दिन अपनी राशि के अनुसार दान और उपाय करते हैं, तो इससे पितर प्रसन्न होते हैं और जातक के धन-दौलत में भी वृद्धि हो सकती है।

मेष – इस राशि के जातकों को सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर लाल रंग की वस्तुएं जैसे- फल, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। साथ ही, आप अपनी क्षमता के अनुसार भूमि या तांबे के बर्तन भी दान कर सकते हैं। मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं। ऐसे में इन चीजों का दान करने से आपको बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। इस अमावस्या तिथि पर पितरों के नाम का भोजन गरीबों को भी कराना चाहिए।

वृषभ– इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं। ऐसे में आपको सफेद रंग की वस्तुओं जैसे- चावल, खीर, दूध, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। साथ ही, सर्वपितृ अमावस्या पर वृषभ राशि को कन्याओं को खीर खिलानी चाहिए। इससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि आ सकती है।

मिथुन – आपकी राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में आपको इस अमावस्या तिथि पर आंवला, अंगूर, मूंग दाल आदि का दान करना चाहिए। हरे रंग की वस्तुओं का दान करने से आपको कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। वहीं, इस दिन पक्षियों को बाजरा भी जरूर खिलाना चाहिए।

कर्क – सर्वपितृ अमावस्या के दिन कर्क राशि को धान, जौ, नारियल आदि का दान करना चाहिए। आपकी राशि के स्वामी चंद्रमा होते हैं। ऐसे में इन चीजों का दान करने से आपको पुण्य फल प्राप्त हो सकता है। साथ ही, उपाय के तौर पर इस दिन 400 ग्राम साबुत बादाम बहते जल में प्रवाहित करना चाहिए। इसके बाद, गरीब लोगों को भोजन करना बेहद उत्तम माना जाता है।

सिंह – इस राशि के स्वामी ग्रह सूर्य होते हैं। ऐसे में सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर सिंह राशि को खजूर, अन्न और अपनी क्षमता के अनुसार स्वर्ण दान करना चाहिए। साथ ही, इस दिन पितरों के नाम का श्राद्ध और तर्पण जरूर करना चाहिए। इससे पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

कन्या – सर्वपितृ अमावस्या पर कन्या राशि को गुड़, आंवला, हरे रंग के वस्त्र और मूंग की दाल का दान करना चाहिए। इस राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में हरे रंग से जुड़ी वस्तुओं का दान करना आपके लिए शुभ रहेगा। साथ ही, उपाय के तौर पर गरीब व जरूरतमंद लोगों को पितरों के नाम का भोजन जरूर कराना चाहिए।

तुला– इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं। ऐसे में आपको इस अमावस्या तिथि पर सफेद वस्तुएं जैसे- फल, मिठाई, चावल, दूध आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन के दुखों से राहत मिल सकती है। साथ ही, उपाय के तौर पर सर्वपितृ अमावस्या के दिन चींटियों को आटा जरूर खिलाएं।

वृश्चिक – सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर वृश्चिक राशि वालों को दक्षिणा के साथ मिट्टी ढेले, मसूर दाल, लाल वस्त्र और गुड़ का दान करना चाहिए। साथ ही, उपाय के तौर पर इस दिन पितरों के नाम से पांच गरीब व्यक्तियों को दो रंग के कंबल या गर्म कपड़ों का दान करना चाहिए।

धनु – इस राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। ऐसे में सर्वपितृ अमावस्या पर धनु राशि को राम नाम लिखा हुआ वस्त्र, धार्मिक ग्रंथ, अंगोछा आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करना बेहद अच्छा होता है। साथ ही, उपाय के तौर पर किसी मंदिर या तीर्थ स्थल के पाल गरीबों को भोजन कराना चाहिए।

मकर – सर्वपितृ अमावस्या पर मकर राशि के जातकों को काले तिल, तिल का तेल और छाया दान करना चाहिए। इस राशि के स्वामी शनिदेव होते हैं। ऐसे में इन वस्तुओं का दान करना आपके लिए सबसे उत्तम रहेगा। साथ ही, उपाय के तौर पर शनि मंदिर में जाकर दृष्टिहीन और दिव्यांग बच्चों या बड़ों को पितरों के नाम का भोजन कराना चाहिए। इससे आपको बेहद शुभ फल की प्राप्ति होगी।

कुंभ – इस राशि के स्वामी शनिदेव होते हैं। ऐसे में कुंभ राशि को सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर काले तिल, तिल का तेल और तेल से बनी चीजों का दान करना चाहिए। साथ ही, उपाय के तौर पर आप 11 नारियल पितरों का नाम लेते हुए एक एक करके बहते जल में प्रवाहित कर दें। यदि पितरों के नाम याद न हों, तो आप कुल के सभी पितरों को याद करते हुए यह उपाय कर सकते हैं।

मीन – सर्वपितृ अमावस्या पर मीन राशि को धार्मिक पुस्तकों, पीले रंग की मिठाई, पीले वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। क्योंकि इस राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। ऐसे में पीली चीजों का दान करना आपके लिए उत्तम रहेगा। उपाय के तौर पर इस दिन गरीब व जरूरतमंद लोगों को दूध और मेवे से बनी चीजों का दान करना चाहिए।

मातामह श्राद्ध करने से मिलती है मातृ ऋण से मुक्ति

कल मातामह श्राद्ध

नवरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। सर्व पितृ और मातामह नाना, मातामही नानी का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा नवरात्रि के दिन करते है । मातामह श्राद्ध 22 सितंबर को होगा। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि परिजनों की स्मृति में तर्पण और श्राद्ध कर्म की तिथि अनुसार करने की परंपरा है। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है। इस बार 22 सितंबर को होगा। परंपरा है कि लोग अपनी संतान नहीं होने पर दत्तक गोद लेते थे ताकि मृत्यु के बाद वो पिंडदान कर सके। मान्यतानुसार दत्तक पुत्र दो पीढ़ी तक श्राद्ध कर सकता है।

शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी औरत के पिता का निकाला जाता है जिसका पति व पुत्र ज़िन्दा हो अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। इस प्रकार यह माना जाता है कि मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

मातामह श्राद्ध में दूसरी पीढ़ी करती है तर्पण–पिंडदान

दिवंगत परिजन के घर में लड़का ना होए तो लड़की की संतान यानी नाती भी पिंडदान कर सकता है। मान्यतानुसार लड़की के घर का खाना नहीं खा सकते इसलिए मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।

मातृ ऋण से मिलती है मुक्ति

इस दिन माता पक्ष यानी मां, नानी का श्राद्ध करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है और मां अपने कुल को वृद्धि, सुख-सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद देकर चली जाती हैं। मातामह श्राद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। जो लोग माता पक्ष का श्राद्ध नहीं करते, उनको मातृ दोष का भागी बनना पड़ता है। मातामह श्राद्ध का दिन परिवार की मातृ पितरों से जुड़ा हुआ है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए इस दिन पिंडदान, तर्पण विधि और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

क्या होता है मातामह श्राद्ध

मातामह श्राद्ध एक ऐसा श्राद्ध है जो एक पुत्री द्वारा अपने पिता व एक नाती द्वारा अपने नाना को तर्पण के रूप में किया जाता है। इस श्राद्ध को सुख शांति का प्रतीक माना जाता है । यह श्राद्ध करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें है अगर वो पूरी न हो तो यह श्राद्ध नहीं किया जाता है। शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी महिला के पिता के द्वारा किया जाता है जिसका पति व पुत्र जिंदा हो। अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं?

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं? यह प्रश्न भ्रम की स्थिति उत्पन्न करता है। अमूमन देखा गया है कि परिवार के पुरुष सदस्य या पुत्र-पौत्र नहीं होने पर कई बार कन्या या धर्मपत्नी को भी मृतक के अंतिम संस्कार करते या श्राद्ध वर्षी करते देखा गया है। परिस्थितियां ऐसी ही हों तो यह अंतिम विकल्प है। इस बारे में हिंदू धर्म ग्रंथ, धर्म सिंधु सहित मनुस्मृति और गरुड़ पुराण भी महिलाओं को पिंड दान आदि करने का अधिकार प्रदान करती है।

श्राद्ध में ये तीन अत्यंत पवित्र माने जाते है

पुत्री का पुत्र अर्थात दौहित्र, कुतप समय, अर्थात अपरान्ह समय व तिल। श्राद्ध कर्म में ये तीन पवित्र माने गए है। सामान्यत: श्राद्ध कर्म में कभी क्रोध व जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।शांति, प्रसन्नता व श्रद्धा पूर्वक किया कर्म ही पितरों को प्राप्त होता है। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ सिद्धान्त शिरोमणि व अथर्वेद का मानना है कि श्राद्ध कर्म हमारे वेद शास्त्रों द्वारा अनुमोदित व विज्ञान सम्मत भी है। कन्यागत सूर्य में जो भोज्य सामग्री पितरों को दी जाती है वे समस्त स्वर्ग प्रदान करने वाली कही गयी है। पितृ पक्ष के ये सोलह दिन यज्ञों के समान है इस काल मे अपने पितरों की मृत्यु तिथि पर दिया गया भोजनादि पदार्थ अक्षय होता है अत: इस काल मे श्राद्ध ,तर्पण,दान, पुण्य आदि अवश्य करना चाहिए। इससे आयु, पुत्र, यश,कीर्ति,समृद्धि, बल, श्री,सुख,धन,धान्य की प्राप्ति होती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि व्रत के इन नियमों का रखें ख्याल जानें इन 9 दिनों में क्या करें और क्या न करें

शारदीय नवरात्रि का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। इन नौ दिनों के दौरान मां दुर्गा के अलग-अलग 9 रूपों की पूजा की जाती है। भक्त इस अवधि में विधि-विधान से माता रानी की पूजा और व्रत करते हैं। सच्चे मन से ऐसा करने से मां दुर्गा भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। बता दें कि इस बार शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर, सोमवार से हो रहा है और इसका समापन 2 अक्टूबर दशमी तिथि के दिन हो जाएगा। व्रत का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए व्रती को महत्वपूर्ण नियमों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। जाने-अनजाने में कुछ गलतियां करने से आपका व्रत अधूरा रह सकता है।

नवरात्रि व्रत में क्या नहीं करना चाहिए :

नवरात्रि व्रत के दौरान क्रोध और नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। वहीं, इस अवधि में किसी भी व्यक्ति बुराई करने और झूठ बोलने से भी बचना चाहिए।

व्रत रखने वालों को नवरात्रि में लकड़ी के तख्त या बेड पर नहीं सोना चाहिए। साथ ही, ज्यादा गुदगुदे गद्दे का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए।

सामान्य तौर पर व्रती एक समय भोजन करके नवरात्रि के व्रत रखते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं, तो बीच में फलाहार नहीं करना चाहिए। हालांकि, यह नियम उन लोगों पर नहीं लागू होता है जिन्हें शरीर से जुड़ी कोई समस्या हो।

अगर आपको बीच में किसी जरूरी यात्रा पर जाना हो तो ऐसे में व्रत रखने से बचना चाहिए क्योंकि, इस दौरान व्रत के नियमों का पालन करना मुश्किल हो सकता है।

जिन लोगों को शरीर से जुड़ी गंभीर समस्या है और उन्हें ऐसा लगता है कि उनका व्रत बीच में टूट सकता है, तो ऐसे में नवरात्रि का व्रत नहीं करना चाहिए।

नवरात्रि के व्रत के दौरान घर में तामसिक भोजन नहीं बनाना चाहिए। साथ ही, परिवार के सदस्यों को भी इस नियम का विशेष रूप से ख्याल रखना चाहिए।

व्रती को अपने भोजन में साधारण नमक का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे आपका व्रत बीच में टूट सकता है। व्रत के दौरान सेंधा नमक का ही प्रयोग किया जाता है।

नवरात्रि व्रत में क्या करना चाहिए :

व्रती को नवरात्रि में हमेशा सत्य बोलना चाहिए और अपने मन पर संयम रखकर इष्टदेव का ध्यान करना चाहिए।

नवरात्रि व्रत में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दौरान अपने मन में क्षमा, दया, उदारता और उत्साह जैसे भाव रखने चाहिए। साथ ही, तामसी भावों को अपने मन में बिल्कुल नहीं आने देना चाहिए।

सप्तमी, अष्टमी या नवमी तिथि पर व्रत खोलते हैं, तो 9 कुंवारी कन्याओं को भोजन अवश्य कराएं। साथ ही, इस दिन माता रानी के नाम से हवन और पूजा करने का विधान भी होता है।

हर दिन सुबह और शाम के समय माता रानी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और दीपक भी अवश्य जलाना चाहिए। इसके बाद ही किसी भी चीज का सेवन करें।

नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा व आरती करनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार नवरात्रि व्रत रखने कई प्रकार होते हैं। कई लोग इस दौरान केवल एक समय भोजन करते हैं, कुछ केवल फल खाते हैं, कुछ जल और कुछ तुलसी व गंगाजल का सेवन करते हैं। एक समय भोजन करने वालों को सेंधा नमक प्रयोग करना चाहिए।

नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ जरूर करना चाहिए। आप हर दिन एक-एक चरित्र का पाठ कर सकते हैं। साथ ही, मां दुर्गा को रोजाना भोग जरूर लगाना चाहिए।

आज त्रिग्रह योग में सूर्यदेव बनाएंगे धनवान

आज यानी 21 सितंबर, रविवार के दिन सूर्य, बुध और चंद्रमा की युति से त्रिग्रह योग का संयोग बन रहा है। इस योग में सूर्यदेव की कृपा वृषभ, कर्क, धनु और कुंभ राशि पर रहेगी। नौकरी करने वालों का प्रमोशन हो सकता है और कार्यक्षेत्र में अपने हर काम में सफलता प्राप्त करेंगे। अटका पैसा वापस मिलेगा और व्यापार में धन लाभ के योग बनते जाएंगे। कानूनी मामलों में भी सफलता मिलेगी और धन कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। बिजनेस के मामले में बड़ी डील फाइनल होगी और यात्राओं के दौरान नए संपर्क बनाना फायदेमंद होगा। आर्थिक मामलों में भी लाभ कमाएंगे और अटके हुए सभी काम बनने लगेंगे। लव लाइफ में खुशियां आएंगी और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मेष : प्रमोशन की होगी चर्चा

कार्यस्थल पर काम अधिक होने से आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में आपको जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग मिलेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र में आपके प्रमोशन की चर्चा की जा सकती है। व्यापार के मामले में भी दिन अनुकूल रहेगा और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। परिवार में कुछ समय छोटे सदस्यों के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ: हर काम में मिलेगी सफलता

यह दिन आपके लिए बेहद अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरे उत्साह के साथ करेंगे, उसमें कामयाबी जरूर प्राप्त होगी। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। आपके सभी काम बनते जाएंगे और अगर लंबे समय से आपका धन कहीं अटका हुआ था तो वह अब वापस मिल सकता है। लेकिन बिजनेस के मामले में कोई भी डील करने से पहले हर चीज की जांच जरूर कर लें।

मिथुन : जरूरी काम करने होंगे पूरे

अगर फाइनेंस से जुड़े मामले में बीच में अटके हैं तो आपको अब फैसले लेने पड़ सकते हैं। समय के कमी होने के चलते आपको जरूरी काम पूरे करने पर ध्यान देना होगा। व्यापार के मामले में कोई भी निवेश सोच-समझकर करें अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है, जिसमें आप व्यस्त रहेंगे और शाम को शॉपिंग पर भी जा सकते हैं।

कर्क : बिजनेस में नई डील होगी फाइनल

आपको किसी बौद्धिक काम में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, बिजनेस के मामले में कोई नई डील आपकी शर्तों के अनुसार फाइनल हो सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे, जिससे आप सुकून महसूस करेंगे। वहीं, नौकरी करने वाले अपने काम में व्यस्त रहेंगे और आप किसी धार्मिक स्थान पर यात्रा करने का प्लान भी बना सकते हैं।

सिंह : टीमवर्क से काम होगा आसान

कार्यक्षेत्र में आपको कुछ अच्छे और अनुभवी लोगों से प्रेरणा मिलेगा, जिससे मन खुश रहेगा। वहीं, ऑफिस में आपके टीमवर्क को सभी सहकर्मी अच्छी तरह समझ पाएंगे और वे आपकी मदद करने के लिए भी तैयार रहेंगे। अगर किसी कानूनी विवाद या झगड़े में फंसे थे तो अब आपको सफलता प्राप्त हो सकता है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं।

कन्या : रचनात्मक कार्यों में रहेगी रुचि

आपकी रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि रह सकती है। वहीं अपनी हॉबी को आगे बढ़ाने और करियर बनाने के बारे में विचार कर सकती हैं। इसी के चलते आपको कुछ धन लाभ होने की संभावना भी बनी हुई है। आप पैसों की समस्या का सामना भी कर सकते हैं। लेकिन बुद्धिमानी और समझदारी से यह परेशानी दूर हो जाएगी। इस समय किसी को उधार देने से बचें और उन्हें अपनी स्थिति बताएं।

तुला : जरूरी दस्तावेज तैयार रखें

ऑफिस में अकाउंट्स से जुड़े दस्तावेजों को आपको संभालकर रखना होगा। इनकी इस समय कभी भी जरूरत पड़ सकती है। वहीं, कार्यक्षेत्र में अपने स्टाफ पर नजर बनाए रखनी भी जरूरी होगी। आप अपने अच्छे व्यवहार से सभी का दिल जीत लेने में सफल रहेंगे। दिल और दिमाग के संतुलन से सफलता प्राप्त होगी। इससे आपका स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में योजनाएं बढ़ेंगी आगे

कार्यक्षेत्र में आपको अपनी योजनाओं और आइडियाज को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा। राजनीति के क्षेत्र में रुचि बढ़ सकती है। वहीं, आपकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से भी हो सकती है। हालांकि, आर्थिक मामलों में व्यय की स्थिति बनेगी। ऐसे में आपको आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। निजी जीवन में रिश्तों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

धनु : कड़ी मेहनत से मिलेगा लाभ

नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपना काम पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। हालांकि, आपको इसका लाभ जरूर प्राप्त होगा। अपनी मेहनत से आपको उन्नति के रास्ते मिल सकते हैं। वहीं, व्यापार के मामले में सोच-समझकर फैसले लेने से फायदा होगा और लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता गहरा होगा।

मकर : एक-एक करके पूरे होंगे काम

कार्यक्षेत्र में आपको अपने जरूरी कार्यों को निपटाना पड़ सकता है। साथ ही, ज्यादा समय घर के रोजमर्रा के काम को पूरा करने में भी लगेगा। ऐसे में एक-एक करके सभी काम पूरे करने से आपको संतुष्टि महसूस होगी। कानूनी मामलों में किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले हर पहलू को सावधानी से जरूर समझ लें, अन्यथा परेशानी हो सकती है।

कुंभ : व्यापार में नए संपर्क से होगा लाभ

व्यापार के मामले में आप दिन कि शुरुआत से ही किसी शुभ समाचार का इंतजार कर सकते हैं। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। इस दौरान नए लोगों से मेलजोल बनाना और संपर्क बनाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। बिजनेस में आपकी कोई डील भी फाइनल हो सकती है। साथ ही, यात्रा के दौरान आपकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से होने की संभावना है।

मीन : समझदारी से पाएंगे सफलता

दिन की शुरुआत में कामकाज से जुड़ी किसी बात को लेकर आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं। लेकिन दोपहर में वही बातें आपको प्रसन्नता दे सकती हैं। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर अपनी जगह बनाने के लिए समझदारी से काम करने होंगे। बुद्धिमानी से किए कार्यों से आपको सफलता जरूर मिलेगी। वहीं, बिजनेस के मामले में आपको किसी डील के बारे में फैसला लेना रहेगा।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जिज्ञासा

पंद्रह साल की थकान के बाद सो गया!

विश्व के प्रथम स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन मीर का 23 मार्च सन 2001 को भारतीय समय के दिन के 11 बजकर 29 मिनट पर न्यूजीलैंड और चिली के बीच के समुद्र में जलसमाधि के साथ अंत हो गया और इसी के साथ अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र के एक गौरवशाली इतिहास का भी अंत हुआ।

अपने 15 साल के अंतरिक्ष प्रवास में मीर अंतरिक्ष स्टेशन ने मानव कल्याण की दृष्टि से अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य किए और शायद इसने 'यथा नामो तथा गुणो' लोकोक्ति को भी चरितार्थ कर दिया।

मीर शब्द रूसी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है शांति। पिछले कुछ वर्षों से मीर अंतरिक्ष स्टेशन में कई समस्याएँ चल रही थीं तथा इसका प्रचालन मुश्किल पड़ रहा था। मीर अंतरिक्ष स्टेशन में छोटी-मोटी कई दुर्घटनाएँ हुईं, लेकिन जून 1997 में मीर अंतरिक्ष स्टेशन और मालवाहक प्रोग्रेस यान के बीच अंतरिक्ष में हुए टकराव से मीर स्टेशन के ढांचे को काफी क्षति हुई और इसमें कुछ दरारें पड़ जाने से एक मोड्यूल की ऑक्सीजन अंतरिक्ष में रिस गई। बाद में इसकी मरम्मत भी की गई। रेकॉर्डों के अनुसार, अंतरिक्ष में दो मानव निर्मित पिंडों के बीच घटित होनेवाला यह पहला टकराव था। जुलाई 2000 में मीर अंतरिक्ष स्टेशन को नीदरलैंड की एक कंपनी मीर कार्प्स ने लीज पर लिया तथा इसको प्रचलित करने का बीड़ा उठाया। मीर कार्प्स कंपनी में 60 प्रतिशत शेयर आरकेके इनर्जिया कंपनी के थे जिसने मीर अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण किया था तथा जो अब तक इस स्टेशन का प्रचालन कर रही थी। सारे प्रयासों के बावजूद जब रूस ने यह महसूस किया कि अंतरिक्ष स्टेशन मीर काफी बूढ़ा हो गया है तथा उसके तमाम तंत्र काम नहीं करत रहे हैं और उसका प्रचालन काफी महँगा पड़ रहा है, तब रूसी अंतरिक्ष अधिकारियों एवं सरकार ने उसे कक्षा से हटाकर (डी ऑरबिट) पृथ्वी में समुद्र में गिरा देने का निर्णय लिया।

पानी का गिरगिट

कटलफिश को वैसे तो मछली कहते हैं, पर यह मछली प्रजाति में नहीं आती है। दरअसल, यह मोलस्क (घोंघा) प्रजाति की होती है, जिसे सबसे बद्धिमान प्रजातियों में से एक माना जाता है।

कटलफिश को पानी का गिरगिट भी कहते हैं। यह बहुत चालाक जानवर है, जो आसपास खतरा देखकर बैकग्राउंड के अनुसार सुनहरा, सिल्वर, नीला, हरा इत्यादि कई तरह के रंग बदल सकती है, हालांकि यह रंगों को देख नहीं सकती हैं। कटलफिश इंग्लिश चैनल, अफ्रीका के पश्चिमी किनारे से दक्षिणी सिरे और मैडिट्रेनियन सी में पाई जाती है। कटलफिश की आंखें बाहर की ओर उभरी हुई होती हैं। यह न सिर्फ सामने, बल्कि पीछे भी देख सकती है। इसकी आठ बांहें और दो टैंटेकल्स होते हैं। टैंटेकल्स के बीच चोंच जैसा इसका मुंह होता है। खतरा महसूस होने पर ये भी सक्विड की तरह लिक्विड फेंकती हैं। शिकारियों को कन्फ्यूज करने और डराने के लिए ये इसका इस्तेमाल करती हैं। इससे वहां वातावरण धुंधला हो जाता है और यह बचकर भाग निकलती हैं। शिकार में एक्सपर्ट ये अपने शिकार को हिप्नोटइज करना भी जानती हैं।

हम बताएं...आप बनाएं

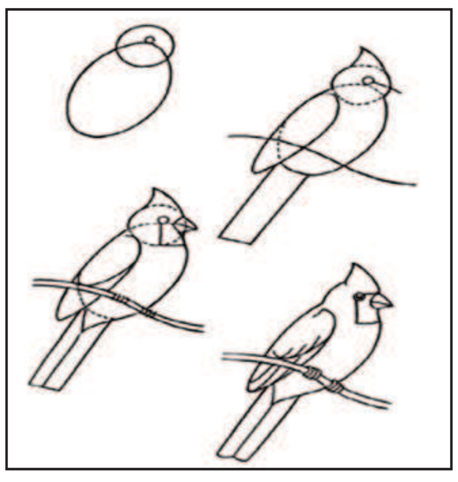

कार्टूंस की रंगीन दुनिया

कार्टून सीरियल्स हमेशा से ही बच्चों के पसंदीदा रहे हैं। हर उम्र का बच्चा इन्हें देखना पसंद करता है। सारा दिन एक ही कार्टून देखकर भी बच्चे बोर नहीं होते। समय-समय पर नए-नए कार्टून सीरियल्स बच्चों के दिलों में अपनी जगह बनाते रहे हैं...

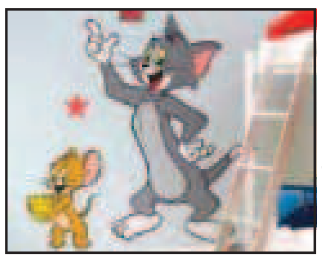

मिकी माउस

दुनिया का सबसे चर्चित कार्टून कैरेक्टर मिकी माउस फालतू कागज पर बना था। जब वाल्ट डिज्नी को काफी जगह भटकने के बाद भी काम नहीं मिला, तो उन्हें चर्च के पादरी ने कुछ कार्टून बनाने का काम दिया। वह जिस शेड के नीचे काम कर रहे थे, वहां चूहे उधम मचा रहे थे। एक चूहा देखकर उनके मन में एक कार्टून बनाने का ख्याल आया और वहीं से मिकी माउस का जन्म हुआ।

मिकी वाल्ट डिज्नी का बनाया हुआ सबसे पहला और सबसे लोकप्रिय कार्टून है। मिकी माउस और उसके दोस्त प्लूटो, जोकि एक कुत्ता है, की मस्ती देखकर कोई भी हंसे बिना नहीं रह सकता। लोगों ने पहली बार 18 नवंबर, 1928 को न्यूयॉर्क सिटी में प्रदर्शित एक फिल्म में मिकी को देखा। मिकी ने मूक सिनेमा में भी काम किया है और बोलती हुई फिल्मों में भी।

डोरेमोन

यह सीरीज एक ऐसे रोबोटिक बिल्ले की है, जो 22वीं सदी से यानी भविष्य से आया हुआ है। इसके पास कई तरह के उपकरण हैं, जिनसे यह नोबिता नोबी की हमेशा मदद करने की कोशिश करता है। डोरेमोन जैसा दोस्त हर बच्चे का सपना है, ताकि उसे भी नोबिता की तरह गैजेट्स मिल जाएं और वह भी अपने सारे काम उसकी मदद से पूरे कर सके।

डोरेमोन प्रसिद्ध जापानी कार्टून है, जिसे क्रियेट किया है फुजिको एफ फुजियो ने। यह सीरीज पहली बार दिसंबर 1969 में एक साथ छह मैगज़िंस में प्रकाशित हुई थी। ओरिजनल सीरीज में 1,344 कहानियां क्रियेट की गई थीं। 45 वॉल्यूम्स में ये कहानियां जापान में टॉयामा में कोकॉका सेंट्रल लाइब्रेरी में रखी हुई हैं।

डॉनल्ड डक

वाल्ट डिज्नी के इस कार्टून कैरेक्टर को पहली बार 9 जून 1934 को पर्दे पर उतरा गया था। 1949 तक डोनल्ड मिकी के साथ दुनिया का सबसे प्रसिद्ध कार्टून कैरेक्टर बन चुका था। अनेक कार्टून स्टोरीज़ के अलावा यह 18 फीचर फिल्मों, 150 से अधिक छोटी कार्टून फिल्मों, 8 टेलीविजन सीरियल्स और 21 वीडियो गेम्स में प्रमुख भूमिका निभा चुका है। सिली सिंफनीज की 'द वाइज लिटिल हेन डॉनल्ड', डोनल्ड की पहली फिल्म थी।

अपनी बेवकूफाना हरकतों और गुस्सैल मिजाज के चलते डॉनल्ड डक जल्द ही दर्शकों में लोकप्रिय हो गया। डॉनल्ड डक, मिकी, मिनी, गूफी और प्लूटो की शैतान फौज के साथ धमाचौकड़ी मचाने में उस्ताद है। यह वास्तव में एक मासूम-सा किरदार है, जो अच्छे काम करना चाहता है, लेकिन हर बार उसका काम बिगड़ जाता है, मगर वह हिम्मत नहीं हारता।

टॉम एंड जैरी

पिछले कई सालों से शरारती चूहे और खुराफाती बिल्ले की नोकझोंक बच्चों को लुभा रही है। टॉम का असली नाम थॉमस है, जोकि नीली- स्लेटी आंखों वाला घरेलू बिल्ला है और जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। यह सीरीज बिल्ले और चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केंद्रित है।

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। टॉम एंड जैरी के क्रियेटर हैं जोसेफ और हाना। इनकी जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

स्पाइडरमैन

स्पाइडर मैन (पीटर बेंजामिन पारकर) मार्वल कॉमिक्स का काल्पनिक सुपर हीरो है। इसके रचयिता स्टैन ली और स्टीव डिटको हैं। 15 अगस्त 1962 को स्पाइडरमैन पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया। ली और डिटको ने स्पाइडर मैन की प्रेरणा एक अनाथ बच्चे से ली, जिसे उनके अंकल-आंटी ने पाल पोसकर बड़ा किया था। उन्होंने स्पाइडर मैन को खास ताकत दी, जिसे 'वैब शूटर्स' कहा गया। स्पाइडर मैन वास्तव में पीटर पार्कर हाई स्कूल में पढ़ने वाला एक युवक है, जो जानता है कि विशाल ताकत के साथ ज़िम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

बग्स बनी

बग्स बनी, वार्नर ब्रदर्स का प्रसिद्ध कार्टून तथा कॉमिक्स कैरेक्टर है। यह है तो खरगोश, पर इसमें कुछ क्वालिटीज बग्स की भी हैं। यह बेहद शरारती खरगोश है जो अपनी चालाकी से लोगो को छकाता रहता है। बग्स बनी का जन्म ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में 27 जुलाई, 1940 को हुआ था। रॉबर्ट मैकिमसन ने बग्स बनी का कैरेक्टर डिजाइन किया था।

क्या आप जानते हो

- दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना यादा।

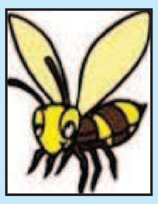

- मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियाँ हो सकती हैं।
- नील नदी की लंबाई (650 कि.मी.) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 कि.मी.) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

- 26 अप्रैल 2008 को जोहानेसबर्ग में खेले गए अफ्रीकन कनफ़ेड्रेशन कप फुटबॉल मैच का सबसे सस्ता टिकट 100,000,000 ज़िंबाब्वे डॉलर का था।
- भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एम.डी.एच. का पूरा नाम महाशियाँ दी हट्टी है।
- संयुक्त अरब इमारात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

- कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।
- सत्रहवीं शती में मुग़ल सम्राट औरंगज़ेब के आक्रमण के बाद वृंदावन में कृष्ण की राधा-रमण नामक केवल यह एक प्रतिमा बची थी।
- मधुमक्खी के कान नहीं होते। इसकी कमी को उसके शक्तिशाली एंटिना स्पर्श से पूरा करते है।

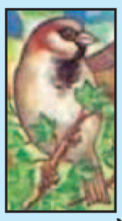

- गौरैया एक ऐसा पक्षी है जो पालतू न होने पर भी मनुष्य के आसपास ही रहना पसंद करता है।
- राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है जहाँ खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र माना जाता है।

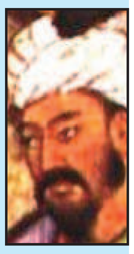

- बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फ़ारसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी।
- याहू डॉट कॉम का नाम पहले 卐जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब卐 था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।
- आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत 16वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

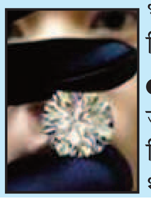

- भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुग़ल जब 1650 में गोल कुंडा की खान से निकला तो इसका वजन 787 कैरेट था।

अंतर बताओ

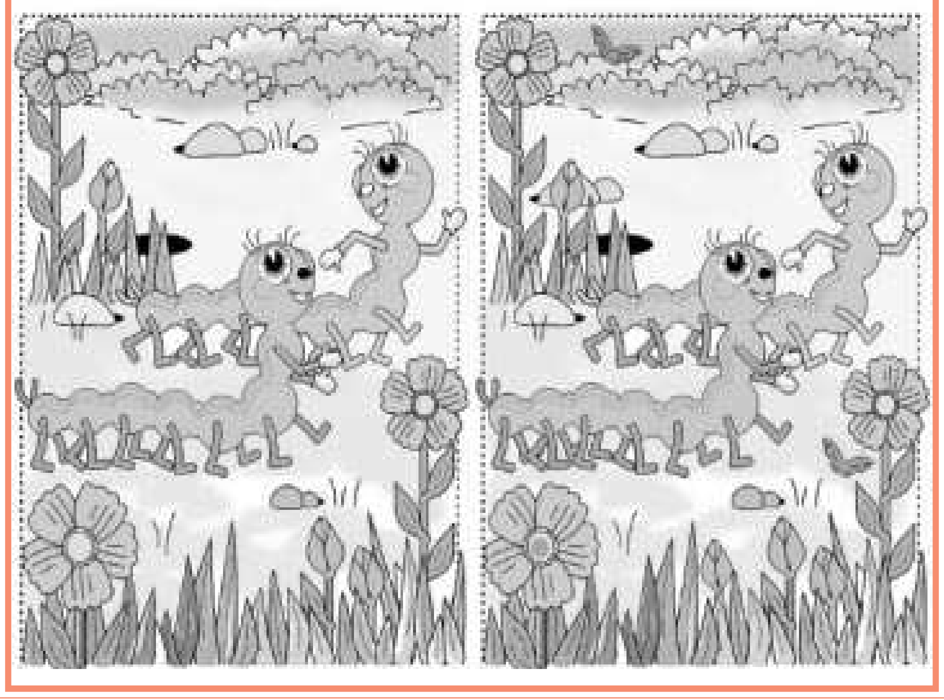

रास्ता ढूंढो

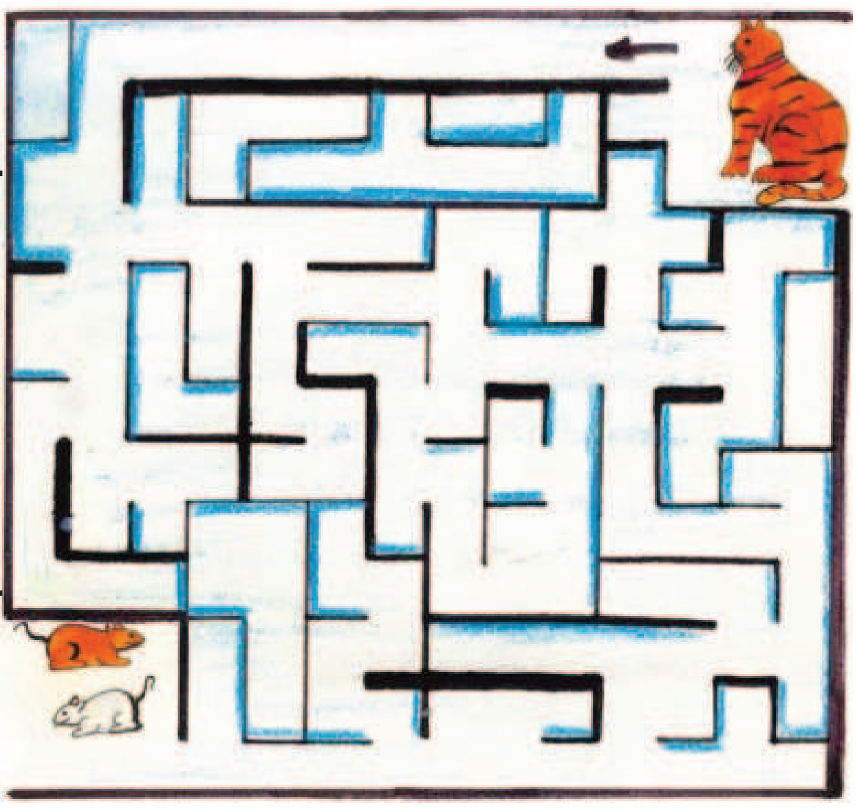

मराठी लोककथा: नेकी का फल

एक पेड़ पर एक बंदरिया रहती थी। वह बड़ी नेक और उदार थी। पेड़ के पास एक कुटया थी। वहीं एक बुढ़िया रहती थी। वह बुढ़िया बहुत गरीब थी। एक दिन उसके पास चूल्हे के लिए लकड़ी नहीं थी, तो वह कागज जलाकर रोटियां बनाने लगी। कागज बार-बार बुझ जाते और बुढ़िया की रोटी कच्ची ही रह जाती। पेड़ पर बैठी बंदरिया यह देख रही थी। वह भागकर टाल पर गई और कुछ लकड़ियां उठा लाई। उसने लकड़ियां बुढ़िया को दे दीं। जब बुढ़िया की रोटियां खूब फूलने लगीं, तो बंदरिया रोटियों के चारों तरफ नाचने लगी। बूढ़ी ने पूछा - 'ए बंदरिया, तू मेरी रोटी पर क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली - 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने तुझको दी, तूने उसकी रोटी बनाई, अब तू मुझे रोटी नहीं देगी?'बूढ़ी ने बंदरिया को हंसकर दो रोटी दे दी। रोटी लेकर बंदरिया आगे चल पड़ी। आगे उसे एक कुम्हार मिला। उसका बच्चा रोटी के लिए रो रहा था मगर कुम्हार का एक भी मटका नहीं बिका था, तो रोटी कहां से आतीं? बंदरिया ने कुम्हार से बच्चे के रोने का कारण पूछा और उसे दो रोटियां दे दीं। अब बंदरिया कुम्हार के मटके पर नाचने लगी। कुम्हार ने पूछा, 'ऐ बंदरिया, तू मेरे मटके पर क्यों नाच रही है?'

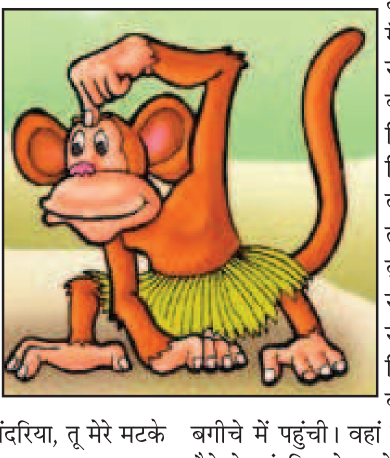

बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने तुझे दी, अब तू मुझे एक मटका नहीं देगा?' कुम्हार ने हंसकर बंदरिया को एक मटका दे दिया। मटका लेकर वह आगे चल पड़ी। आगे एक दूधवाला सिर पर हाथ टिकाए बैठा था। उसकी भैंसें पास खड़ी थीं। बंदरिया ने उसकी उदासी का कारण पूछा, तो वह बोला, 'क्या बताऊं, मैं भैंसों को तो ले आया हूं मगर दूध निकालने का बर्तन तो घर पर ही भूल आया हूं। अब कैसे दूध निकालूं और कैसे बेचूं?'

बंदरिया बोली, 'बस इतनी सी बात। लो मेरा मटका ले लो।' दूधवाले ने खुशी से मटका ले लिया। वह अभी दूध निकाल ही रहा था कि बंदरिया उसकी भैंस पर नाचने लगी। दूधवाला बोला, 'ए बंदरिया, तू मेरी भैंस पर क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने तुझको दिया, तू मुझे अपनी भैंस न देगा।' दूध वाला सोच में पड़ गया। बंदरिया बोली, 'नहीं तो मेरा मटका वापस कर।' दूधवाले ने उसे एक भैंस की रस्सी थमा दी। बंदरिया भैंस पर बैठकर आगे चल पड़ी। आगे उसे एक ब्राह्मण का परिवार मिला। उसके बहुत बच्चे थे और वे दूध के लिए रो रहे थे। बंदरिया ने उसे अपनी भैंस दे दी। दूध पीकर बच्चे चुप हो गए। अब बंदरिया बच्चों के चारों ओर नाचने लगी।

ब्राह्मण बोला, 'ए बंदरिया, मेरे बच्चों पे क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने तुझको दी, अब तू मुझे अपना बच्चा दे दे।' ब्राह्मण वैसे ही अपनी गरीबी से परेशान था, उसने अपने सबसे छोटे बच्चे को उसे दे दिया। बच्चे को कंधे पर लिए बंदरिया चलते-चलते राजा के बगीचे में पहुंची। वहां राजा-रानी चिंता में डूबे हुए बैठे थे। बंदरिया ने उनसे चिंता का कारण पूछा, तो वे बोले, 'हमारी कोई संतान नहीं है। इसलिए हम दुखी हैं।' 'अरे, इसमें दुखी होने वाली क्या बात है? मेरे पास एक बच्चा है। तुम इसे रख लो।' रानी ने बच्चा ले लिया। अब बंदरिया एक आम के पेड़ के चारों ओर नाचने लगी। राजा ने पूछा, 'ए बंदरिया, तू मेरे पेड़ पे क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने ब्राह्मण को दी, उसने मुझे अपना बच्चा दिया, बच्चा मैंने तुझको दिया, अब ये पेड़ मेरा होगा, बोल?'

राजा ने हंसकर कहा, 'तुम एक नेक और अच्छी बंदरिया हो। आज से ये सारा बगीचा तुम्हारा है। खूब खाओ-पिओ और मौज करो।' और बंदरिया राजा के बगीचे में ठाठ से रहने लगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए– बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते–नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दि–क़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके मा–ता–पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता–पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आप–को अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आ–वश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 सितंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 01:25 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी प्रातः 09:33 तक
योग : शुभ रात्रि 07:52 तक
करण : चतुष्पाद दोपहर 12:48 तक
चन्द्रराशि : सिंह सायं 03:58 तक
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध , देवकार्य अमावस्या

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सेवा शिविरों में आमजन की आवश्यकताओं के काम हो रहे पूरे : भजनलाल

बांसवाड़ा।, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं। बांसवाड़ा–डूंगरपुर सहित सम्पूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास योजनाओं के माध्यम से स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जिससे उनका जीवनस्तर भी बेहतर बन रहा है। उन्होंने कहा कि वागड़ के बुनियादी विकास के लिए डबल इंजन की सरकार कृतसंकल्पित है।

शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग क्रिकेट स्टेडियम में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन तथा निक्षय पोषण किट का वितरण किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से हमारी सरकार प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर रही है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार 'राजस्थान धर्मांतरण विरोधी विधेयक' लाई है। इस कानून से बहला फुसलाकर तथा जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों पर अंकुश लगेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान एक राष्ट्रीय संकल्प है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को खांसी, बुखार, वजन कम होना, सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत शिविरों में जाकर जांच करवाकर इलाज लें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत माताओं–बहनों को शिविरों में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर समेत एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि शहरी सेवा शिविर में जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तत्काल बन रहे हैं। साथ ही, पेंशन योजनाओं में नाम दर्ज कराने से लेकर राशन कार्ड बनवाने तक, सभी काम शिविरों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहरों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। ब्लैक स्पॉट खत्म करने और सड़कों, नालियों तथा सीवर लाइनों की मरम्मत करने जैसे कार्य भी इन शिविरों के तहत करवाए जा रहे हैं। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक किया जा रहा है, नमो पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर में स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे देने तथा किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी करवाने जैसे कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। साथ ही, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों व सड़कों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध हो रहा है। किसान सम्मान निधि एवं गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना से किसानों एवं पशुपालकों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी तथा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना के तहत छात्राओं को स्कूटी एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सप्ताह में 5 दिन दूध भी वितरित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट वितरित की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक सौंपे। साथ ही, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थी को बीमा पॉलिसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी को प्रमाण पत्र सौंपा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान श्री शर्मा ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़े का लाभ उठाएं और अपने आस–पास के लोगों को भी इन शिविरों से जोड़ें। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन के पश्चात 8840 नए मतदान केन्द्रों को भारत निर्वाचन आयोग की स्वीकृति: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

जयपुर , 20 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश में मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन के पश्चात 8840 नए मतदान केन्द्रों को भारत निर्वाचन आयोग ने स्वीकृति दी है। इस तरह राज्य में अब 61309 बूथ हो जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या को 1200 तक रखे जाने के लिए निर्देशित किया गया है। राज्य के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 17829 मतदान केंद्र ऐसे थे जिनमे मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक थी। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले समस्त मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया जाना है, जिसके तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में मतदान केंद्र के पुनर्गठन प्रस्तावों को स्वीकार कर 8840 नए मतदान केन्द्रों की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी। इस तरह राज्य में अब 61309 बूथ हो जाएंगे। इन सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गयी है।

राज्य में जिलेवार मतदान केंद्रों की स्थिति इस प्रकार है।

नियमों की व्याख्या आमजन को त्वरित राहत दिलाने की सोच के साथ होनी चाहिए : वैभव गालरिया

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान लेखा सेवा परिषद, जयपुर ने पारंपरिक वरिष्ठता–आधारित प्रणाली से आगे बढ़ते हुए शनिवार को एक अभिनव पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कानून, नियम या प्रावधान की व्याख्या करते समय हमें सरकार के बड़े उद्देश्य और जनकल्याण को प्राथमिकता में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे सुप्रीम कोर्ट भी संविधान और कानून का इंटरप्रिटेशन करता है, वैसे ही हमें अपने स्तर पर नियमों की व्याख्या आमजन को त्वरित राहत

दिलाने और योजनाओं को धरातल पर शीघ्र लागू करने की सोच के साथ करनी चाहिए।प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सेवा का नाम बदलने के बिंदु पर विभाग द्वारा विचार किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर आयोजन के लिए साधुवाद दिया और विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

परिषद अध्यक्ष ललित वर्मा ने कहा कि अब समय की आवश्यकता है कि अधिकारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए परिषद द्वारा राजस्थान लेखा सेवा अधिकारियों के लिए मंथन–2025 विशेष प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई।

प्रभु अरिष्टनेमी व पार्श्वनाथ भगवान की आराधना से करेंगे विश्व शांति एवं जन कल्याण की कामना

भीलवाड़ा, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

धर्मनगरी भीलवाड़ा की पावन धरा पर असीम आध्यात्मिक उर्जा से सराबोर कर देने वाले जिस अनूठे आयोजन का लंबे समय से इन्तजार किया जा रहा था वह आ पहुंचा है। विश्व शांति एवं जन कल्याण की मंगलकामना से अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति भीलवाड़ा द्वारा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक समिति सुभाषनगर के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय महामंगलकारी अनुष्ठान समिति के प्रायोजन में रविवार सुबह 7 बजे से चौबीस घंटे का भगवान श्री अरिष्टनेमी श्री पार्श्वनाथ महामंगलकारी अनुष्ठान का आयोजन शुरू हो जाएगा। है। आरसी व्यास कॉलोनी में गेट न.33 के पास स्कूल के नजदीक ग्राउण्ड में पूर्णतया जैन विधि से होने वाले निःशुल्क महामंगलकारी अनुष्ठान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अनुष्ठान के लिए विशाल वाटरप्रूफ डोम तैयार किया गया है। इस दौरान अनुष्ठान में भाग लेने वाले करीब दो हजार श्रावक श्राविकाओं को तीर्थंकर अरिष्टनेमी भगवान की 180 माला एवं तीर्थंकर पार्श्वनाथ

भगवान की 100 माला फेरनी होगी। अनुष्ठान सामग्री आयोजन समिति द्वारा सुबह 5.15 से 6.15 बजे तक साधकों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक साधक को तय स्थान पर बैठकर साधना करनी होगी। सुबह 7.30 से 8 बजे तक स्वर साम्राज्ञी महाप्रज्ञाजी म.सा. द्वारा अनुष्ठान स्रोत पाठ होगा। इसके बाद वास्तुशिल्पी पद्मकीर्तिजी म.सा. द्वारा संकल्प विधि कराई जाएगी। महामंगलकारी अनुष्ठान में प्रथम नवकार महामंत्र के प्रथम कलश की स्थापना समारोह अध्यक्ष मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे। इसके साथ ही बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रोफेशनल भी इस आयोजन में शामिल होकर आत्मिक साधना करेंगे। महामंगलकारी अनुष्ठान की पूर्णाहुति 22 सितम्बर सोमवार सुबह 7.15 बजे होगी। पूर्णाहुति समारोह में मुख्य अतिथि भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल होंगे। साध्वी कुमुदलताजी ने बताया कि इस अनुष्ठान आयोजन का उद्देश्य जीवन में खुशहाली लाने के साथ हर प्रकार का तनाव दूर करना है। जिनके जीवन में राहु केतु की दशा लगी हुई उनके लिए भी ये अनुष्ठान बहुत लाभकारी एवं मंगलमय होगा। इस दौरान राहु ग्रह की शांति के लिए भगवान अरिष्टनेमी की 180 माला ओर केत ग्रह की शांति के लिए भगवान पार्श्वनाथ की 100 माला साधक फरेंगे। साधकों को इस महामंगलकारी अनुष्ठान में शामिल होकर परमात्मा की आराधना करते हुए जीवन को खुशहाल बनाने एवं कर्म निर्जरा करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। इस अनुष्ठान में शामिल होने के लिए जैन के साथ बड़ी संख्या में जैनोत्तर समाज के व्यक्तियों ने भी पंजीयन कराया है। पंजीयन कराने वाले भक्तगणों के नवकारसी एवं भोजन की व्यवस्था भी आयोजन समिति द्वारा की गई है।

अग्रवाल वैश्य समाज ने प्रदेश सरकार से समाज को लेकर रखी 6 मांगे

जींद, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार पहली बार प्रदेश स्तर पर महाराजा अग्रसेन जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे जबकि प्रदेश के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में समाज की एकता, संस्कृति और संगठनात्मक शक्ति का

अद्भुत परिचय मिलेगा।

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता ने समाज के लोगों से इस समारोह में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता करने का अमानत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर समाज की शक्ति और एकजुटता का परिचय देना चाहिए। इससे समाज की आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक एकता का संदेश मिलेगा।अग्रवाल वैश्य समाज के महासचिव राजेश सिंगला ने इस कार्यक्रम को लेकर प्रदेश के शहरी निकाय एवं साक्षर मंत्री विपुल गोयल को एक पत्र लिखकर 6 मांगे उनके सामने रखी हैं और कहा है कि अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम में इन मांगों पर विचार किया जाना चाहिए।

13 साल बाद हरियाणा स्टेट ओलम्पिक गेम्स 2025 की वापसी

चंडीगढ़ , 20 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को नई उड़ान देने की तैयारी तेज हो गई है। प्रदेश में 13 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद हरियाणा राज्य में हरियाणा स्टेट ओल–म्पिक गेम्स 2025 आयोजित होने जा रहे हैं। हरियाणा सरकार ने खेल कोटे से 477 के करीब सरकारी नौकरियों को बैकलॉग से भरने का फैसला लिया है जोकि प्रदेश के सारे खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। इसकी सारी जानकारी www.IndianChess.org से देखी जा सकती है। 23 सितम्बर 2025 को हरियाणा ओलम्पिक संघ (एचओए) की बैठक के बाद चयन प्रक्रिया शुरू होगी और खिलाड़ियों के ट्रायल होंगे। यह राज्य के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी सौगात मानी जा रही है।

पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि राजनीतिक विवादों के चलते 13 वर्षों से स्थगित हरियाणा स्टेट ओलम्पिक गेम्स अब नवंबर 2025 में होंगे।

हमारा लक्ष्य रोजगार मांगने वाला नहीं, रोजगार देने वाला युवा बल तैयार करना है : सैनी

चंडीगढ़, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प से ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संकल्प है जो हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है। यही भारत की असली ताकत है और इसी ताकत को पहचानते हुए पीएम मोदी ने स्वदेशी का नारा दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी शनिवार को पंचकूला स्थित भाजपा कार्यालय पंचकमल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला को राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी

संबोधित किया। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री एवं मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया सहित सांसद, विधायक, मंत्री, जिलों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी तथा आत्म निर्भर भारत संकल्प की टीम मौजूद रही।

कार्यशाला में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 25 सितंबर से लेकर 25 दिसंबर तक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान चलेगा। इस अभियान की चर्चा हर गली और घर–घर तक पहुंचनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की यह कार्यशाला न केवल हमें एक साथ जोड़ती है, बल्कि हमें पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देती है। नायब सैनी ने कहा कि हमारे सामने विकसित भारत 2047 का विजन है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने गुलामी की बेड़िया तोड़ी, अब हमारी बारी है कि हम आर्थिक गुलामी की जंजीरों को काटकर एक आत्मनिर्भर, सशक्त समृद्ध भारत की नींव रखे। श्री सैनी ने कहा कि यह एक ऐसा विजन है जहां हर नागरिक सशक्त हो, जहां हर युवा को रोजगार मिले और हमारी अर्थव्यवस्था विश्व के सामने अपने कदम मजबूती से आगे बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि हमें हर नागरिक में यह विश्वास पैदा करना है कि हम खुद से आगे बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्म निर्भर ''सुराज''का भी आधार है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस स्वराज का सपना देखा था, उसे सुराज में बदलने के लिए हम पिछले 11 सालों से लगातार कोशश कर रहे हैं। इस ''सुराज'' का मार्ग पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दिखाया था और वे आजीवन इसके लिए काम करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि स्वदेशी ही आत्मनिर्भरता का मूल आधार है। सीएम ने कहा कि मेक इन इंडिया, लोकल फॉर वोकल, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल देश को नई उंचाईयों पर लेकर जा रही है।

सीएम योगी ने मिशन शक्ति-5.0 का किया शुभारंभ

पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, आज खुद बना रही हैं अपना रास्ता

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोक भवन सभागार में नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति-5.0 का भव्य शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, लेकिन आज वे खुद अपने रास्ते बना रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी सम्मान उनकी प्राथमिकता है, यही वजह है कि 2017 के बाद से प्रदेश में महिलाओं की स्थिति में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत साफ होती है तो योजनाएं खुद अपना रास्ता बना लेती हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का बटन दबाकर उद्घाटन किया। साथ ही, मिशन शक्ति केंद्रों की एसओपी पुस्तिकाओं, बुकलेट और सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश फोल्डर का विमोचन भी किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों के अधिकारीगण और मंत्रीगण इस ऐतिहासिक पल से जुड़े रहे। सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधन करते हुए कहा कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ करते हुए उन्हें गर्व और प्रसन्नता हो रही है। पांच साल पहले, 2020 में इस अभियान की शुरुआत के समय लोग संशय में थे कि क्या होगा, कैसे होगा, इसकी थीम क्या होगी? लेकिन मिशन शक्ति को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जोड़कर इसे नारी गरिमा के अनुरूप ढाला गया। आज इसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का मार्ग दिखाया है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 2017 तक पुलिस में महिला कार्मिकों की संख्या महज 10,000 थी, लेकिन 2017 से अब तक यह संख्या 44,000 से अधिक हो गई है। हर भर्ती में 20 प्रतिशत महिलाओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जा रहा है और उनकी समय पर ट्रेनिंग सुनिश्चित की जा रही है। हाल ही में संपन्न 60,200 पुलिस कार्मिकों की भर्ती में 12 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुई हैं, जो वर्तमान में ट्रेनिंग ले रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह मिशन रोजगार और बिना भेदभाव के नौजवानों को जोड़ने का परिणाम है कि 2017 से पहले जो ट्रेनिंग क्षमता महज 3,000 थी, इसे बढ़ाकर अब 60,000 से अधिक कर दिया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा और अन्य विभागों में भी महिला भर्ती को बढ़ावा दिया गया। 2017 से पहले ट्रेनिंग की कमी एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में ही 60,200 से अधिक पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग संभव हो रही है। इसके अलावा, बेसिक शिक्षा परिषद के 1.60 करोड़ से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं, जहां 2017 से पहले 70-75 प्रतिशत बेटियां नंगे पांव और पुराने कपड़ों में स्कूल जाती थीं। एक मार्मिक घटना का जिक्र करते हुए सीएम ने बताया कि बुंदेलखंड दौरे के दौरान उन्होंने एक बच्ची से बात की, जिसने कहा, मेरे भाई के लिए जूते आए, लेकिन मुझे नहीं, क्योंकि मैं बेटी हूं। इस घटना ने उन्हें प्रेरित किया और अब हर बच्चे के लिए दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर की व्यवस्था की गई, जिसकी लागत 1,200 रुपए प्रति बच्चे है।

सीएम योगी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की चर्चा करते हुए कहा कि बेटी के जन्म से स्नातक तक 25,000 रुपए का पैकेज दिया जाता है। जन्म पर 5,000 रुपए, एक वर्ष पर 2,000 रुपए (टीकाकरण के बाद), पहली और छठी कक्षा में 3,000-3,000 रुपए, नौवीं में 5,000 रुपए और 12वीं पास करने पर 7,000 रुपए दिए जाते हैं। इस योजना से 26 लाख से अधिक बेटियां सीधे लाभान्वित हो रही हैं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हर बेटी को 1 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है, जो पहले चेहरा देखकर दी जाती थी, अब बिना भेदभाव के उपलब्ध है। इन योजनाओं ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में इतिहास रचा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, फिट इंडिया मूवमेंट, स्वच्छ भारत मिशन (12 करोड़ शौचालय), उज्ज्वला योजना (10 करोड़ कनेक्शन) से महिलाओं के चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिली है, महिला स्वस्थ होगी तो परिवार सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत (50 करोड़ लाभार्थी) और 80 करोड़ को मुफ्त राशन जैसी योजनाओं को नारी गरिमा से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि परिवार में बीमारी के समय नारी अपना आभूषण तक गिरवी रखती है, इसलिए ये योजनाएं उसके सम्मान से जुड़ी हैं। उत्तर प्रदेश ने 3 करोड़ ग्रामीण भू-अभिलेख में 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के नाम किए और 60 लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हर कल्याणकारी योजनाओं में है नारी केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि कोर-ोना काल में शुरू की गई बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंस सखी योजना से 40,000 से अधिक महिलाएं हजारों करोड़ का लेन-देन कर रही हैं और मुनाफा कमा रही हैं। पोषाहार मिशन में पहले ठेकेदारों की धांधली थी, लेकिन अब 204 टेक होम राशन प्लांट से 60,000 महिलाएं 8,000 रुपए प्रति माह कमा रही हैं, और 2 करोड़ बहनें लाभान्वित हो रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि साफ नीयत से योजनाएं अपना रास्ता बनाती हैं। सीएम योगी ने कहा कि पहले बेटी की सुरक्षा पर भी खतरा था। बेटी के रोजगार पर भी डकैती पड़ती थी। उसके लिए शासन ने कोई योजना बनाई भी तो योजनाओं पर डकैती कैसे पड़ती थी, पोषाहार मिशन उसका एक उदाहरण है। रोजगार में किस प्रकार की डकैती पड़ती थी, नौकरियों में व्यापक धांधली इसके उदाहरण हैं।

सीएम योगी ने महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 से अगर सिर्फ 2024-25 तक के मामले देखें तो 9,513 मामलों में 12,271 अपराधियों को दंडित किया गया, 12 को मृत्युदंड, 987 को आजीवन कारावास, 3,455 को 10 साल से अधिक, और 60द,817 को 10 साल से कम सजा दिलाई गई। सीएम योगी ने बरेली की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि बाहरी अपराधियों ने महिला सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की कार्रवाई से वह चिल्लाया, गलती से उत्तर प्रदेश आ गया, आगे नहीं करूंगा। यह अपराधियों के लिए चेतावनी है।

सीएम योगी ने मिशन शक्ति के तहत सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश फोल्डर और महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन (1090, 181, 112, 1930, 1076, 102, 101, 108, 1098) की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र और महिला बीट अधिकारी तैनात होंगे। 21 सितंबर को बाइक रैली होगी और नवरात्रि के दौरान मंदिरों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। स्कूल-कॉलेजों में फोल्डर वितरित किए जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि मिशन एक माह चलेगा, फिर तीन माह तक विस्तारित होगा। सफल कार्मिकों और महिलाओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम होगा। उन्होंने सभी विभागों से समन्वय और जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही उन्होंने नवरात्रि और त्यौहारों के दौरान सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण समेत प्रशासनिक व पुलिस सेवा के कई अधिकारीगण और अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025

रूस के साथ नए व्यापारिक अवसरों की मिलेगी सौगात

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय निवेश और साझेद-ारी का मंच बनने जा रहा है। योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल की वजह से प्रदेश वैश्विक स्तर पर तेजी से अपनी अलग पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में आगामी रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग का आयोजन 26 सितंबर 2025 को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। यह संवाद सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। विशेष बात यह है कि इस वर्ष रूस पार्टनर देश के रूप में शामिल हो रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और भारत को नए व्यापारिक अवसरों की बड़ी सौगात मिलेगी। इस संवाद में भारत और रूस के शीर्ष उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों और दोनों देशों के सरकारी नीति-निर्माताओं की भागीदारी होगी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत और रूस के बीच व्यापारिक और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाना, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करना है। बैंकिंग एवं निवेश, बीमा, शिक्षा और सामान्य व्यापार जैसे क्षेत्रों पर विशेष चर्चा होगी। इससे दोनों देशों के बीच न केवल आर्थिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि प्रदेश के उद्योग और कारोबारी भी लाभान्वित होंगे। संवाद में तकनीकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण और नए निवेश मॉडल पर भी विचार किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और भारत की साझेदारी शिक्षा, बीमा और निवेश क्षेत्रों में नई संभावनाओं को जन्म देगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश में चल रही औद्योगिक नीतियों और मेगा प्रोजेक्ट्स में रूस की कंपनियों की भागीदारी से रोजगार और विकास के अवसर और बढ़ेंगे।

इस आयोजन से उम्मीद है कि भारत और रूस के बीच आर्थिक रिश्तों को नई गति मिलेगी और उत्तर प्रदेश एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विज़न है कि प्रदेश न केवल देश बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी निवेशकों के लिए पहला विकल्प बने। यह बिजनेस डायलॉग उसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक मेला का उद्घाटन

योग्य मार्गदर्शक होती हैं अच्छी पुस्तकें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे गोमती बुक फेस्टिवल का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नन्हे-मुन्ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें पुस्तकों से परिचित कराने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूली छात्राओं और आंगनबाड़ी दीदीयों को पुस्तकें भेंट की। उन्होंने कहा कि अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे जीवन का पथ प्रदर्शक बनती हैं और जीवन को आगे बढ़ाती हैं।

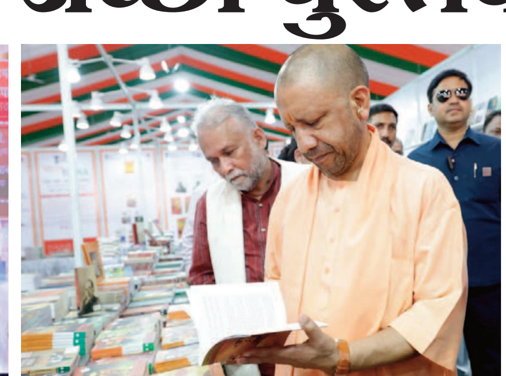

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन समारोह में अपने उद्बोधन में कहा कि अगले नौ दिन तक लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक मेला चलेगा, जहां आने वाले पाठक ज्ञान और साहित्य के महाकुम्भ का अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने बच्चों और युवाओं से स्मार्टफोन पर समय कम बिताकर कम से कम एक घंटा रचनात्मक और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को पढ़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने भारतीय मनीषियों और ऋषियों का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे यहां याज्ञवल्क्य जैसे ऋषियों ने समाज को ज्ञान का मार्ग दिखाया। उन्होंने याज्ञवल्क्य ऋषि और उनकी पत्नियों कात्यायिनी व मैत्रेयी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि ज्ञान की खोज जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि इसने लगातार गोमती बुक फेस्टिवल की परंपरा को आगे बढ़ाया है। इस वर्ष के फेस्टिवल में ढाई सौ से अधिक स्टॉल हैं, जिनमें बाल रचनाकारों से लेकर प्रख्यात लेखकों की पुस्तकें विभिन्न भाषाओं में प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक भेंट की, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे इस पुस्तक के सभी बिंदुओं का अध्ययन करें तो किसी भी परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाएगा। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए तक्षशिला विश्वविद्यालय, पाणिनी, सुश्रुत और ब्रह्मवेत्ताओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि तक्षशिला का नाम भगवान राम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर रखा गया था। उन्होंने कहा कि पढ़ना और आगे बढ़ना भारत की परंपरा रही है और प्रधानमंत्री के विचार वेन सिटिजन रीड्स, कंट्री लीड्स इसी संदेश का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास जी की मौलिक रचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मौलिक रचनाएं न केवल अमर होती हैं, बल्कि रचयिता को भी अमर बना देती हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अच्छी पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करें।

उन्होंने स्वस्थ नारी, सशक्त समाज के संदेश को भी दोहराया और कहा कि यदि महिलाएं स्वस्थ होंगी तो समाज और राष्ट्र सशक्त होंगे। उन्होंने लखनऊ के सभी स्कूलों के बच्चों से अपील की कि वे इस बुक फेस्टिवल में आएं और हर छात्र कम से कम एक पुस्तक जरूर खरीदें।

गोमती बुक फेस्टिवल 20 से 28 सितंबर तक आयोजित रहेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सुनीता शुक्ला, दीपमाला, कुसुम, पूनम पाल, विनीता पाठक, ज्ञानवती, तारावती जैसी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को विशेष रूप से पुस्तकें प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुस्तक प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, सरकार के सलाहकार अवनीश अवस्थी, नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रो मिलिंद सुधाकर मराठे, लखनऊ विवि की कुलपति प्रो मनुका खन्ना, सुप्रसिद्ध लेखक, फिल्मनिर्माता और इतिहासकार चंद्र प्रकाश द्विवेदी, नेशनल बुक ट्रस्ट के डायरेक्टर युवराज मलिक सहित साहित्यप्रेमी मौजूद थे।

युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करेगा यूपीआईटीएस

सीएम युवा का पवेलियन होगा आकर्षण का केंद्र

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार युवाओं को नए अवसर और मंच देने के लिए अब सीएम युवा योजना को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाने जा रही है। इसी कड़ी में 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में सीएम युवा योजना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना के जरिए प्रदेश के युवाओं को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स, फ्रेंचाइजी मॉडल्स और टेक्नोलॉजी आधारित बिजनेस आइडियाज से जोड़ने की पहल की जा रही है। आयोजन के दौरान 27 सितंबर को सीएम युवा और 27 प्रमुख शैक्षिक संस्थानों के बीच एमओयू का हस्तांतरण होगा। इसके साथ ही हॉल नंबर 18ए में 150 विशेष स्टॉल्स स्थापित किए जाएंगे, जहां विभिन्न क्षेत्रों के नए-नए बिजनेस मॉडल्स प्रदर्शित होंगे। इस प्रदर्शनी में प्रदेश भर से छात्र-छात्राएं, युवा फेलोज, यूनिवर्सिटी प्रतिनिधि और उद्योग जगत के लोग शामिल होंगे, जिससे युवाओं को सीखने, जुड़ने और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी और ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला ने बताया कि इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों को सीएम युवा योजना से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके माध्यम से अंतिम वर्ष में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं और संस्थानों के पूर्व छात्रों को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगी बल्कि प्रदेश सरकार के स्टार्टअप और इनोवेशन विजन को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने बताया कि यूपीआईटीएस में हॉल नंबर 18ए को विशेष रूप से सीएम युवा प्रदर्शनी के लिए निर्धारित किया गया है। यहां 150 से अधिक स्टॉल्स स्थापित होंगे, जिनमें फ्रेंचाइजी मॉडल्स, टेक्नोलॉजी-आधारित बिजनेस, एग्रीटेक, हेल्थटेक और अन्य स्टार्टअप बिजनेस आइडियाज को प्रदर्शित किया जाएगा। यह स्टॉल्स युवाओं को न सिर्फ नए व्यापारिक मॉडल्स से परिचित कराएंगे बल्कि उन्हें यह भी समझने का अवसर देंगे कि कैसे इन मॉडल्स को अपने क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। एनसीआर क्षेत्र में आयोजित होने के कारण हम इसे लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम से भी एक लेवल और ऊपर ले गए हैं। इसमें कई नए और बेहतरीन ब्रांड्स को भी शामिल किया गया है, जो देश-विदेश से आए विजिटर्स का ध्यान आकर्षित करेगा।

सीएम युवा योजना के अंतर्गत जिन संस्थानों के साथ एमओयू किया जा रहा है, उनमें गलगोटिया यूनिवर्सिटी, जीएल बजाज, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ, अजय कुमार गर्ग यूनिवर्सिटी, शारदा यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी और एबीईएस जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों के छात्र और फैकल्टी टीमें प्रदर्शनी में सक्रिय भागीदारी करेंगी। इससे युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से उद्योग जगत से जुड़ने और नई संभावनाओं की पहचान करने का अवसर मिलेगा। युवाओं के बिजनेस आइडियाज को केवल पहचान ही नहीं बल्कि वित्तीय सहयोग भी दिलाने की व्यवस्था की गई है। प्रदर्शनी में कई बैंकर्स और इंडस्ट्री लीडर्स मौजूद रहेंगे। वे नए बिजनेस मॉडल्स का आकलन करेंगे और यह तय करेंगे कि किन प्रोजेक्ट्स को वित्तपोषण दिया जा सकता है। इससे उद्यमिता के इच्छुक युवाओं को फाइनेंसिंग और मार्गदर्शन एक ही मंच पर उपलब्ध होगा।

प्रदेश सरकार ने सभी 75 जिलों के सीएम युवा फेलो को प्रदर्शनी में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें प्रत्येक स्टॉल का डाटा और कांटेक्ट डिटेल एकत्र करने तथा इन ब्रांड्स को अपने-अपने जिलों में प्रचारित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, सहारनपुर, मेरठ, आगरा और अलीगढ़ मंडल से जुड़े कॉलेजों के छात्र-छात्राएं और अधिकारी भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनेंगे। यह प्रयास युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से इनोवेशन और उद्यमिता से जोड़ने का अवसर देगा।

शिशुमंदिर के छात्र अखिल भारतीय विज्ञान मेले के लिए चयनित

आसिफाबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सरस्वती शिशुमंदिर अंग्रेजी माध्यम, आसिफाबाद के प्रतिभावान छात्रों ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय विज्ञान मेले के लिए चयनित हो गए। ये छात्र 18, 19 और 20 सितंबर को हैदराबाद में आयोजित दक्षिण भारत विज्ञान मेले में संस्कृति बोध परियोजना प्रश्न मंच के विषय पर भाग लेने के बाद इस उपलब्धि को हासिल करने में सफल रहे।

चयनित छात्रों में आठवीं कक्षा के चौधरी गुत्थी वेंकटरत्ना, सातवीं कक्षा के कल्लूरी चरण साकेत और सातवीं कक्षा के हरिचरण शामिल हैं। ये युवा वैज्ञानिक 4, 5, 6 और 7 नवंबर को बिहार राज्य के सीतामढ़ी में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित अखिल भारतीय विज्ञान मेले में भाग लेंगे। यह मेले राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों को वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने का प्रमुख मंच है, जो एनसीईआरटी द्वारा संचालित होता है।

कॉलेज के प्रधानाचार्य गुंडेती कोटेश्वर राव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ये छात्र स्कूल का गौरव बढ़ाने के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत विज्ञान मेले में इन छात्रों ने संस्कृति और विज्ञान के संयोजन पर आधारित परियोजना प्रस्तुत की, जो राष्ट्रीय एकता और वैज्ञानिक जागरूकता को मजबूत करने वाली थी।

विजेता छात्रों को दक्षिण मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. चमार्थी उमा महेश्वर राव द्वारा सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में दक्षिण मध्य क्षेत्र के सचिव श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी और सचिव श्री अयाचितुला लक्ष्मण राव भी उपस्थित रहे। इन अतिथियों ने छात्रों की परियोजनाओं की सराहना की और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। स्कूल प्रबंधन के सदस्यों और शिक्षकों ने विजेता छात्रों तथा उन्हें प्रशिक्षित करने वाले श्रीराम सत्यनारायण आचार्य को बधाई दी। प्राचार्य ने कहा कि श्री सरस्वती शिशुमंदिर, जो विद्या भारती से संबद्ध एक प्रमुख अंग्रेजी माध्यम संस्थान है, हमेशा छात्रों को वैज्ञानिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समग्र विकास के अवसर प्रदान करता है।

यह चयन न केवल छात्रों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि आसिफाबाद क्षेत्र में विज्ञान शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाला कदम भी है। अखिल भारतीय विज्ञान मेले में भाग लेने से इन छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से जुड़ने और अपनी परियोजन-ाओं को और परिष्कृत करने का मौका मिलेगा। स्कूल प्रबंधन ने घोषणा की है कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए छात्रों को अधिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।दक्षिण भारत विज्ञान मेले में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया था। इनके बीच प्रतिस्पर्धा के बीच श्री सरस्वती शिशुमंदिर के छात्रों का चयन दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। यह उपलब्धि स्कूल के हिंदी-मराठी-तेलुगु माध्यमों के साथ अंग्रेजी माध्यम की मजबूती को भी रेखांकित करती है।प्राचार्य गुंडेती कोटेश्वर राव ने बताया कि सीतामढ़ी यात्रा के लिए छात्रों की विशेष तैयारी की जा रही है। इसमें परियोजना पर और गहन चर्चा, प्रेजेंटेशन स्किल्स और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर फोकस होगा। प्रबंधन ने छात्रों के अभिभावकों को भी आमंत्रित कर इस सफलता का जश्न मनाने का कार्यक्रम आयोजित किया है।

सरकारी शिक्षण संस्थानों के विकास हेतु कदम : योगि तारानी

आसिफाबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य शिक्षा सचिव योगितारानी ने कहा कि सरकार सरकारी शिक्षण संस्थानों के विकास के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने शनिवार को हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में उन्होंने कहा कि सरकार सभी सरकारी स्कूलों में छात्रों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की दिशा में काम कर रही है। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें प्री-प्राइमरी स्कूलों में नियुक्तियाँ, क्रय समितियों का गठन, एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (-ख) लैब, और एक पद बनाओ नाम कार्यक्रम के तहत लगाए गए पौधों का विवरण शामिल था। इसके अलावा, मौलिक साक्षरता, नई

मरसी, जिला परिषद, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और आदर्श विद्यालयों की प्रगति पर भी समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों को जिला, मंडल और ग्राम स्तर पर व्यवस्थित ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए शिक्षा के विकास के लिए काम करने का आह्वान किया।

जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर भवन परिसर से जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) और प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने इस बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारियों के समन्वय से प्रत्येक स्कूल में विकास और -ख लैब जैसे सरकारी कार्यक्रमों को लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मंडल शिक्षा अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों का नियमित दौरा कर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं और शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति पर नज़र रख रहे हैं।इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय अधिकारी उप्पुलेती श्रीनिवास, आबिद अली, मधुकर, भाग्यलक्ष्मी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पीने के पानी के लिए धरना प्रदर्शन

कागज़ नगर/ आसिफाबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के कागज़ नगर मंडल की वंजिरी ग्राम पंचायत की महिलाओं ने पीने के पानी की कमी को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मंडल के वंजिरी वन चौकी के पास मुख्य सड़क पर खाली बोतलें लेकर धरना दिया।महिलाओं का आरोप है कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से नलों में पानी नहीं मिल रहा है। इस मामले की जानकारी मिलने पर, एमपीडीओ कोटा प्रसाद ने ग्रामीणों से बात की। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था और टैंकरों से पानी की आपूर्ति होने के बावजूद धरना देना उचित नहीं है।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि पानी की आपूर्ति पर्याप्त नहीं है तो अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी।महिलाओं ने अनुरोध किया कि पंचायत के सीआर नगर और महाजनगुड़ा गाँवों में कोई बोरवेल नहीं है, इसलिए नए बोरवेल स्वीकृत किए जाएँ। एमपीडीओ ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को जिला कलेक्टर के संज्ञान में लाकर इसका समाधान किया जाएगा।प्रदर्शनकारियों ने ग्रामीण सीआई कुमारस्वामी को एक ज्ञापन भी सौंपा। अधिकारियों से स्पष्ट आश्वासन मिलने के बाद, ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया, जिसके कारण लगभग दो घंटे तक यातायात जाम रहा।

अपराधियों को सज़ा मिलने पर ही अपराधों में कमी आएगी : अंबर किशोर झा

मंचेरियाल, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने जोर देकर कहा है कि अपराधों की संख्या में तभी कमी आएगी जब अपराधियों को सजा मिलेगी। उन्होंने कोर्ट कांस्टेबलों से पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए काम करने का आह्वान किया।

पुलिस आयुक्त ने पेद्दापल्ली और मंचेरियाल क्षेत्रों में कार्यरत कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों और संपर्क अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान, उन्होंने सुझाव दिया कि गवाहों को अदालत में पेश किया जाना चाहिए ताकि अपराधियों को सज़ा मिले और मुकदमे सुचारू रूप से चल सकें। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।

अंबर किशोर झा ने कहा कि दोषियों को सज़ा मिलने के बाद कोर्ट कांस्टेबलों की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने वारंट और समन की तामील को तेज़ी से सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने से पुलिस पर उनका विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास करने को कहा कि कोई भी अपराधी और अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्ति सजा से बच न पाए।

इस मौके पर, उन्होंने 26 अप्रैल 2022 को भीममार

में एक मूक-बधिर नाबालिग बालिका के साथ हुए बलात्कार के पॉक्सो मामले का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस केस में अनुवादक श्री के. जोसेफ ने पीड़िता द्वारा किए गए हाव-भाव का अदालत में अनुवाद कर गवाही दी थी, जो आरोपी को दोषी ठहराने में महत्वपूर्ण रही। इस मामले में, माननीय न्यायाधीश ने आरोपी को 20 वर्ष के कारावास और 12,500 रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई, जबकि पीड़िता को 7 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया। पुलिस आयुक्त ने श्री के. जोसेफ को सम्मानित किया, जिनकी भूमिका आरोपी को सज़ा दिलाने में अहम रही।

इस कार्यक्रम में गोदावरीखानी एसीपी एम. रमेश, एआर एसीपी प्रताप, लीगल सेल इंस्पेक्टर कृष्णा, आईटी सेल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर गौड़, सीसीआरबी एसआई चंद्र कुमार, सीसी हरीश सहित पेद्दापल्ली और मंचेरियल ज़ोन के ड्यूटी अधिकारियों ने भाग लिया।

हिंदी दिवस समारोह का भव्य समापन

महबूबनगर, जड़चेरला, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बूर्गुला रामकृष्ण राव सरकारी डिग्री कॉलेज, जड़चेरला, जिला महबूबनगर में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस समारोह का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्य प्रोफेसर जी. सुकन्या मैडम ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

प्राचार्य प्रो. जी. सुकन्या ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक बहुभाषी देश है, और हिंदी यहाँ एक सेतु भाषा के रूप में कार्य करती है, जो विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को आपस में जोड़ती है। उन्होंने बताया कि 1949 में संविधान निर्माताओं ने हिंदी को केंद्रीय सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी थी, जिसके

उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि हिंदी राष्ट्रीय एकता को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंदी साहित्य में कबीर दास, तुलसी दास और मीराबाई जैसे भक्ति कवियों की रचनाएँ आज भी प्रेरणादायी हैं। इसके साथ ही, आधुनिक साहित्य में महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद और सुभद्रा कुमारी चौहान जैसे साहित्यकारों ने हिंदी को अमर बना दिया है।

हिंदी विभाग के प्रमुख और कार्यक्रम के आयोजक डॉ. नरसिंह राव कल्याणी ने कहा कि हिंदी समय के साथ तकनीक के क्षेत्र में भी प्रगति कर रही है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में हिंदी के विकास के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं, जैसे कि विद्यार्थियों को प्रतिदिन एक नया हिंदी शब्द वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से सिखाना और एनसीसी विद्यार्थियों के लिए 30 दिनों का हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

कार्यक्रम में पिछले एक सप्ताह से आयोजित विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं, जैसे व्याख्यान, निबंध लेखन, गायन और चित्रकला, में विजेताओं को प्राचार्य प्रो. जी. सुकन्या ने पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. नागलक्ष्मी, टीएसकेएससी मेंटर वीर प्रताप और कई विद्यार्थी उपस्थित थे। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत हिंदी गीतों ने सभा का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, जिनमें मोहम्मद समीर, लिम्रा तरन्नुम, नवीन कुमार, के. अनुषा, सदीका उन्नीसा, तबस्सुम बेगम, श्रवणी, वर्षिता, शिव शंकर, मणिकांठा, मुस्तफा, राहुल, सैनी आदि शामिल थे, ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में आदिवासी खेल विद्यालय के छात्रों का चयन

आसिफाबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद स्थित आदिवासी खेल विद्यालय के छात्र सोयम गंगू बाई और सिदाम वैष्णवी इस माह की 26 से 29 सितंबर तक हैदराबाद के निज़ाम कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाली 17वीं एचएफआई मिनी बालक और बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी विद्यालय की प्रधानाचार्य कुदिमेथा जंगू और पीडी बंदा मीना रेड्डी ने दी।

प्रतिभा की पहचान और सम्मान छात्रों के चयन पर आदिवासी कल्याण उपनिदेशक आर. रामादेवी, जिला हैंडबॉल प्रभारी अध्यक्ष अरिगेला मल्लिकार्जुन यादव, आदिवासी खेल अधिकारी मदावी शेख, एसीएमओ उद्धव, जीसीडीओ शकुंतला, एटीडीओ चिरंजीवी, एचडब्ल्यूओ साई बाबा, कोच विद्यासागर, तिरुमल, साई, रवि, यादगिरी और विद्यालय के शिक्षकों ने बधाई दी।

कोच अरविंद की भूमिका विद्यालय के हैंडबॉल कोच अरविंद इन छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण दे रहे हैं, जिनकी मेहनत और मार्गदर्शन से यह उपलब्धि संभव हो सकी है।

प्रधानाचार्य का संदेश प्रधानाचार्य ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। इससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी।

चेन्नूर में कृषि अधिकारियों द्वारा उर्वरक दुकानों का व्यापक निरीक्षण

चेन्नूर , 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कृषि विभाग द्वारा चेन्नूर मंडल में उर्वरक दुकानों के निरीक्षण हेतु एक जांच समिति का गठन किया गया है। इस समिति में एडीएपी, पीडीपी, डीएओ कार्यालय, एडीए मंचिर्याल, एडीए चेन्नूर, पिएटू, एडीए मंचिर्याल, मंडल कृषि अधिकारी कासिपेट तथा मंडल कृषि अधिकारी चेन्नूर शामिल हैं।

इस कार्यक्रम के तहत चेन्नूर मंडल की कई उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अप्रैल के पहले सप्ताह से सितंबर के तीसरे सप्ताह तक का किसानों का विवरण, बिल बुक, स्टॉक रजिस्टर, पी.वी. मिशन तथा स्टॉक की स्थिति की गहन जांच की गई। समिति ने क्षेत्र स्तर पर मंडल के विभिन्न गांवों में जाकर किसानों से प्रत्यक्ष रूप से बातचीत की और उनके बयान दर्ज किए।

अधिकारियों ने बताया कि इस निरीक्षण का पूरा विवरण उच्च अधिकारियों को सौंपा जाएगा और जिला कलेक्टर को भी प्रस्तुत किया जाएगा। इस निरीक्षण में एडीए पीपी जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के गोपी, एडीए मंचेरियल कृष्णा, चेन्नूर डिवीजन के एडीए बी प्रसाद, पी.ए., एडीए राजिथा, काशीपेट मंडल के मंडल कृषि अधिकारी प्रभाकर, चेन्नूर मंडल की मंडल कृषि अधिकारी के. यामिनी, स्थानीय किसान, उर्वरक दुकान डीलर और अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वस्थारी शा शक्ति परिवार अभियान का आयोजन

मंचेरियाल, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वस्थारी शा शक्ति परिवार अभियान - स्वस्थ महिला, शक्तिशाली परिवार कार्यक्रम के तहत मंचेरियाल शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. शिव प्रताप, डॉ. स्नेहिता वेंकटेश्वरलू (सीएचओ), नामदेव (सीएचओ), श्रीनिवास बुक्का वेंकटेश्वर (जिला मास मीडिया अधिकारी) सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, गर्भवती महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी को शपथ दिलाई गई कि महिलाओं का स्वास्थ्य और कल्याण ही एक मजबूत और शक्तिशाली परिवार की नींव है। डॉ. कीर्ति ने कहा कि प्रत्येक महिला को स्वस्थ, मजबूत, साहसी और समाज निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आईं 150 महिलाओं का परीक्षण किया गया। उन्हें गैर-संचारी रोगों, कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप के बारे में जागरूक

किया गया। डॉक्टरों ने महिलाओं को जीवनशैली में बदलाव अपनाने की सलाह दी, जैसे - नियमित व्यायाम, योग, रोजाना टहलना और आयुर्वेदिक चिकित्सा।

विशेषज्ञों ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित किया कि वे समय-समय पर डॉक्टरों से परामर्श लें और चिकित्सीय सलाह का पालन करें। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाकर परिवार और समाज को मजबूत करना है।

यूएई की कंपनियां भारत में कई क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुक : गोयल

भारत-यूएई उच्च स्तरीय कार्यबल की बैठक में रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर

दुबई,20 सितंबर (एजेंसियां)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियां भारत में निवेश के नए अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। यूएई विशेष रूप से बुनियादी ढांचा, डेटा सेंटर, बैंकिंग, स्टार्टअप और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में गहरी रुचि दिखा रहा है। मंत्री गोयल ने यह जानकारी अबू धाबी में भारत–यूएई निवेश पर गठित उच्च–स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग के नए लक्ष्य तय किए हैं और निवेश के स्तर को तेज़ी से बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यूएई भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानता है और अब उच्च तकनीकी क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश कर रहा है। गोयल के अनुसार, भारत में हरित ऊर्जा, जहाज निर्माण, खुदरा और फार्मा जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त प्रयास की संभावनाएं प्रबल हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना एक आकर्षक अवसर बन गया है।

ब्लू टाइड्स सम्मेलन में केरल को 7,288 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

तिरुवनंतपुरम। केरल में आयोजित दो दिवसीय 'ब्लू टाइड्स' सम्मेलन में राज्य को 7,288 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने सम्मेलन के समापन सत्र में दी। उन्होंने बताया कि 28 निवेशकों ने रुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य के समुद्री और मत्स्य क्षेत्र में संभावनाओं को दर्शाता है। सम्मेलन में भारत सरकार और यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख भागीदार रहे। ईयू ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि वह यूरोपीय देशों के साथ सतत संवाद के लिए एक स्थायी मंच स्थापित करे।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिकी सीनेट ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में राजदूत नियुक्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अमेरिका का राजदूत नियुक्त करने के लिए मतदान किया है। यह पद पिछले आठ महीनों से खाली था। वाल्ट्ज पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, जिन्हें इस पद के लिए 47 सांसदों ने समर्थन दिया जबकि 43 ने विरोध किया।

अब वे आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होंगे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वार्षिक सभा को संबोधित करेंगे। माइक वाल्ट्ज जनवरी से व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। मार्च में यमन पर होने वाले एक संभावित हमले पर चर्चा के दौरान उन्होंने गलती से एक पत्रकार को एक निजी सिग्नल चैट में जोड़ दिया था, जिससे विवाद पैदा हुआ। इसके बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसी महीने ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र राजदूत के लिए एलिस स्टेफनिक का नामांकन वापस ले लिया था। मई में माइक वाल्ट्ज को इस पद के लिए नामित किया गया। मतदान में तीन डेमोक्रेट सांसद—जॉन फैटरमैन, मार्क केली और जीन शाही ने वाल्ट्ज के समर्थन में वोट किया। वहीं, रिपब्लिकन सांसद रैंड पॉल ने विरोध किया। वाल्ट्ज ने सीनेट सुनवाई के दौरान संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत पर जोर दिया और संगठन में यहूदी विरोधी रवैये को खत्म करने की बात कही। उन्होंने अमेरिकी फंडिंग की समीक्षा भी प्रस्तावित की।

आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने बीमा कंपनियों को पछाड़ा

नई दिल्ली। हाल की चार तिमाहियों में आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने एंकर निवेशकों के रूप में 21,976 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो बीमा कंपनियों के 5,216 करोड़ रुपये निवेश से लगभग चार गुना अधिक है। म्युचुअल फंडों को आईपीओ में एंकर कोटे का एक–तिहाई हिस्सा गारंटी से मिलता है, जिससे उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 31 जुलाई को एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आईपीओ में अतिरिक्त 7 फीसदी आरक्षण बढ़ाने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के तहत एंकर आरक्षण को 40 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा, ताकि बीमा कंपनियों की भागीदारी बढ़े और निवेशकों के आधार में विविधता आए। सेबी ने बीमा कंपनियों के लिए बढ़ाया आरक्षण म्युचुअल फंडों का एक–तिहाई आरक्षण कायम रखा जाएगा, जिससे उनकी निवेश गहराई और स्थिरता बनी रहेगी। बीमा कंपनियों का आईपीओ निवेश 2019 में चार तिमाहियों का औसत 300 करोड़ रुपये से कम था, जो अब 5,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, म्युचुअल फंडों का निवेश 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 20,000 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 2019 में 9 करोड़ निवेशक खातों की संख्या बढ़कर 2025 में 24 करोड़ से अधिक हो गई है। म्युचुअल फंडों के पास लगभग 48 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्ति है, जबकि बीमा कंपनियों के पास करीब 24 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है।

हुंडई ने 2030 तक 33 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता हुंडई मोटर कंपनी ने 2030 तक 55.5 लाख वाहनों की वैश्विक बिक्री हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया है। ईवी पोर्टफोलियो में बड़े विस्तार की तैयारी कंपनी

का उद्देश्य इस कुल बिक्री में लगभग 60 प्रतिशत यानी 33 लाख वाहन इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के होंगे। हुंडई इस दिशा में तेजी से अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। हुंडई मोटर की योजना में भारत को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। 2030 तक भारत में 12 लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना है, जिसमें से लगभग 2.5 लाख वाहन पुणे के बहु–मॉडल निर्यात केंद्र से निर्यात किए जाएंगे। कंपनी भारत को पहला ऐसा ईवी प्रदान करेगी जो खास तौर पर स्थानीय चालकों के लिए डिजाइन किया जाएगा, और यह स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला से तैयार होगा। हुंडई 2030 तक अपनी हाइब्रिड श्रृंखला को 18 से अधिक मॉडलों तक विस्तारित करेगी। कंपनी की योजना में 2026 से शुरू होने वाले जेनेसिस हाइब्रिड मॉडल भी शामिल हैं। नई ह्युंडै पैलिसेड हाइब्रिड में अगली पीढ़ी की टीएमईडी–2 तकनीक होगी, जो बेहतर प्रदर्शन और बेहतर ईंधन दक्षता प्रदान करेगी ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डोनाल्ड ट्रंप...

नया नियम उन विदेशी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जो किसी कंपनी या उद्योग में काम करते हैं, जिसे प्रशासन राष्ट्रीय हित में मानता है। आदेश में कहा गया, इस नियम के तहत लगाए गए प्रतिबंध किसी भी व्यक्ति, किसी कंपनी में काम करने वाले सभी विदेशियों या किसी उद्योग में काम करने वाले सभी विदेशियों पर लागू नहीं होंगे। अगर होमलैंड सिक्योरिटी सचिव यह तय करता है कि ऐसे विदेशियों को एच1बी विशेष व्यवसाय श्रमिकों के रूप में रखना राष्ट्रीय हित में है और ये अमेरिका की सुरक्षा या कल्याण के लिए खतरा नहीं है।

हालाँकि इसमें और स्पष्टता नहीं दी गई। बाद में शायद इसे और साफ किया जाए। लेकिन माना जा रहा है कि हेल्थकेयर, महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा, रक्षा जैसे क्षेत्रों को छूट मिल सकती है।

अमेरिका से बाहर मौजूद वीजा धारकों को 24 घंटे में लौटने को कहा

मौजूदा एच1बी धारकों पर फीस वृद्धि का असर नहीं पड़ेगा, लेकिन अमेरिका से बाहर मौजूद लोगों की स्थिति अलग है। राष्ट्रपति के आदेश को ट्रैवल बैन के रूप में देखा गया है, जिसे कंपनियों ने यह समझा कि यह अमेरिका से बाहर मौजूद एच1बी वीजा धारकों पर भी लागू होता है।

आदेश में कहा गया, होमलैंड सिक्योरिटी सचिव उन याचिकाओं पर निर्णयों को प्रतिबंधित करेंगे, जिनके साथ 100000 का भुगतान नहीं किया गया है। ये आदेष एच1बी विशेष व्यवसाय श्रमिकों के लिए हैं और जो वर्तमान में अमेरिका से बाहर हैं, यह प्रतिबंध इस आदेश की प्रभावी तारीख से 12 महीने तक लागू रहेगा।

आदेश के अनुसार, 21 सितंबर, 2025 को सुबह 12:01 बजे से एच1बी स्थिति में लोग बिना 100000 अतिरिक्त भुगतान के अमेरिका में प्रवेश/वापसी नहीं कर पाएँगे। इसलिए बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को समय सीमा से पहले, यानी 24 घंटे के भीतर लौटने को कहा है, जो कई लोगों के लिए संभव नहीं हो सकता।

वीकेंड से कुछ घंटे पहले जारी हुए आदेश ने प्रभावित कर्मचारियों और नियोक्ताओं में हड़कंप मचा दिया। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, अमेजन, जेपी मॉर्गन चेज, एप्पल, टीसीएस जैसी कई कंपनियों ने अपने वैश्विक कर्मचारियों को संदेश भेजे, जिसमें अमेरिका से बाहर मौजूद सभी एच1बी वीजा धारकों को '21 सितंबर की समय सीमा से पहले तुरंत लौटने' और स्टैंपिंग सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका छोड़ने से भी मना किया, ताकि वापसी में परेशानी न हो। एक अमेजन अधिकारी ने कथित तौर पर कंपनी स्तर पर भेजे गए संदेश में कहा, नजदीकी भविष्य के लिए अमेरिका न छोड़ें। ये संदेश सोशल मीडिया पर लीक हो गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश में सिर्फ एच1बी वीजा का जिक्र है, लेकिन कंपनियों ने एच–4 आश्रित वीजा धारकों को भी यही निर्देश दिए हैं।

एक्स पर साझा किए गए एक मेमो में लिखा था, अगर आप एच1बी या एच–4 स्थिति में हैं और अभी अमेरिका से बाहर हैं, तो हम सलाह देते हैं कि आप कल समय सीमा से पहले अमेरिका लौटने की कोशिश करें। ये आदेश पिछले 30 मिनट में जारी हुआ है, तो हमें पता है कि अचानक यात्रा की व्यवस्था करने का समय बहुत कम है। लेकिन फिर भी, हम आपको पूरी कोशिश करने की सलाह देते हैं।

भारतीय प्रतिभा पर बहुत निर्भर एप्पल और टीसीएस कथित तौर पर लॉजिस्टिक्स टीमें तैयार कर रही हैं ताकि कर्मचारी जल्दी लौट सकें। उन्हें डर है कि वीजा रिजेक्शन की बाढ़ उनके बड़े प्रोजेक्ट्स को रोक सकती है।

सोशल मीडिया पोस्ट्स से पता चला कि कई एच1बी वीजा धारक, जो निजी या काम के कारण अमेरिका से बाहर जाने वाले थे, नए नियम की खबर मिलने के बाद फ्लाइट में चढ़ने के बाद भी अमेरिका में रुक गए। उन्हें डर था कि बिना 100,000 फीस के उन्हें दोबारा प्रवेश नहीं मिलेगा।

इस भारी फीस वृद्धि के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने एच1बी प्रोग्राम को लगभग खत्म कर दिया। अब शायद ही कोई कंपनी इतनी बड़ी फीस देकर विदेशी कर्मचारियों को रखे। अमेरिकी टेक कंपनियाँ जिन्होंने हाल के वर्षों में दो–तिहाई एच1बी वीजा हासिल किए अब प्रतिभा की कमी से जूझेंगी, जिससे उनकी ग्रोथ रुक सकती है। छोटी कंपनियाँ और स्टार्टअप्स जो पहले से ही पैसों की तंगी में हैं, शायद विदेशी भर्ती पूरी तरह बंद कर दें। लेकिन सवाल ये है कि क्या वे उतने ही काबिल स्थानीय कर्मचारी ढूँढ पाएँगे?

लगभग तय है कि अब नए एच1बी वीजा आवेदन नहीं होंगे। एच1बी वीजा की वैधता 3 साल की होती है, जिसे अधिकतम 6 साल तक बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में मौजूदा वीजा धारकों को धीरे–धीरे अपने वीजा की समाप्ति पर देश छोड़ना होगा। ट्रंप ने ग्रीन कार्ड नियम भी कड़े कर दिए हैं, यानी एच1बी से ग्रीन कार्ड में बदलने का सपना भी खत्म हो गया।

ये देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिकी कंपनियाँ इससे कैसे निपटती हैं। क्या वे ट्रंप के इरादे के मुताबिक ज्यादा स्थानीय कर्मचारियों को रखेंगी या फिर विदेशी कर्मचारियों को रखने के लिए अपनी गतिविधियाँ विदेश में ले जाएँगी?

वीजा पर ट्रंप के...

की अपील की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा है कि सरकार को एच–1बी वीजा कार्यक्रम पर प्रस्तावित प्रतिबंधों से जुड़ी रिपोर्ट्स की जानकारी है। भारतीय उद्योग समेत इससे प्रभावित सभी पक्ष इस कदम के पूरे प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। भारतीय उद्योग ने पहले ही एक प्रारंभिक विश्लेषण जारी किया है, जिसमें वीजा कार्यक्रम से जुड़ी कुछ गलतफहमियों को दूर किया गया है।''

उन्होंने जोर दिया है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के उद्योग, अन्–वेषण व रचनात्मकता में साझेदार हैं। इसलिए, उम्मीद है कि वे मिलकर आगे का सबसे अच्छा रास्ता तय करेंगे। जायसवाल ने आगे कहा है कि, कुशल प्रतिभाओं का आवागमन और आदान–प्रदान ने अमेरिका और भारत में तकनीकी विकास, आर्थिक वृद्धि, प्रतिस्पर्धात्मकता और धन सृजन में बहुत बड़ा योगदान दिया है। नीति निर्माता हाल के कदमों का मूल्यांकन आपसी फायदों को ध्यान में रखकर करेंगे, इसमें दोनों देशों की जनता के बीच मजबूत संबंध भी शामिल हैं। यह कदम परिवारों के लिए मानवीय समस्याएं पैदा कर सकता है, क्योंकि इससे उनके जीवन में व्यवधान आएगा।''

अंत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उम्मीद जताई है कि अमेरिकी अधिकारी इन समस्याओं का उचित समाधान करेंगे।

24 घंटे में ...

का कार्यकारी आदेश लागू होगा। एच–4 वीज़ा धारक, एच–1बी वीज़ा धारकों के कानूनी जीवनसाथी और अविवाहित बच्चे होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों को भेजे गए एक ऐसे ही ईमेल में, इस तकनीकी दिग्गज ने एच1बी वीज़ा धारकों से निकट भविष्य तक अमेरिका में रहने का अनुरोध किया है। ईमेल में, माइक्रोसॉफ्ट ने एच4 वीज़ा धारकों से भी अमेरिका में रहने का अनुरोध किया है और एच–1बी तथा एच4 वीज़ा धारकों से कल समय सीमा से पहले अमेरिका लौटने को कहा है। अमेरिकी निवेश बैंक के लिए वीजा आवेदनों को संभालने वाली कंपनी ओग्लेट्री डीकिन्स द्वारा जेपी मॉर्गन के कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा गया एच–1बी वीजा धारक वर्तमान में अमेरिका में हैं, उन्हें अमेरिका में ही रहना चाहिए और सरकार द्वारा स्पष्ट यात्रा दिशानिर्देश जारी किए जाने तक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा से बचना चाहिए।

चिप से ...

इसलिए आजादी के 6–7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे– लंबे समय तक कॉन्ग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा। दुनिया के बाजार से अलग–थलग रखा। कॉन्ग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में जहाज निर्माण को मजबूत करने के बजाय, कॉन्ग्रेस ने विदेशी जहाजों को किराये पर लेना बेहतर समझा। परिणामस्वरूप, भारत का जहाज निर्माण तंत्र ध्वस्त हो गया और विदेशी जहाजों पर निर्भरता हमारी मजबूरी बन गई। इसके परिणाम गंभीर थे: पचास साल पहले, हमारा लगभग 40% व्यापार भारतीय जहाजों पर होता था, लेकिन आज यह आँकड़ा मुश्किल से 5% रह गया है। इसका मतलब है कि हमारे लगभग 95% व्यापार के लिए हम विदेशी जहाजों पर निर्भर हो गए, जिसकी देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी।

पीएम मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए– चिप हो या शिप हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र भी नेक्स्ट जे–नरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय हुआ है अब सरकार ने बड़े जहाजों को आधारभूत संरचना के रूप में मान्यता दे दी है।

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत एक अलग मिजाज के साथ आगे बढ़ रहा है। हम जो लक्ष्य तय करते हैं उसे अब समय से पहले पूरा करके भी दिखाते हैं। सोलर सेक्टर में भारत अब अपने लक्ष्यों को चार–चार, पाँच–पाँच साल पहले हासिल कर रहा है। हमने समुद्री क्षेत्र में सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है। हमारी सरकार ने राष्ट्र के समक्ष पाँच समुद्री कानूनों को नए रूप में प्रस्तुत किया है। ये कानून शिपिंग क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाएँगे।

कार्यक्रम के दौरान समुद्री क्षेत्र से जुड़े कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में 7870 करोड़ रुपए से भी अधिक का निवेश शामिल है। इनमें मुंबई में नया क्रूज टर्मिनल, कोलकाता और पारादीप में नए कंटेनर टर्मिनल और कांडला में नया कार्गो बर्थ शामिल हैं। ये सभी काम भारत के बंदरगाहों को और बेहतर बनाएँगे और समुद्री व्यापार को बढ़ावा देंगे।

इसके अलावा, पटना और वाराणसी में जहाज मरम्मत की सुविधाएँ भी बनाई जाएँगी। इससे न सिर्फ समुद्री व्यापार में मदद मिलेगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए मौके बनेंगे। इन परियोजनाओं से भारत के प्रमुख बंदरगाहों में बदलाव आएगा और इससे भारत में व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, समुद्री सुरक्षा भी मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 26354 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया, जिसमें समुद्री परियोजनाओं के अलावा कई और महत्वपूर्ण योजनाएँ शामिल हैं। इनमें ग्रीन बायो–मेथनॉल और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाएँ हैं, जो भारत को ग्रीन एनर्जी की दिशा में मदद करेंगी। इसके अलावा, सड़कों, अस्पतालों और शहरी परिवहन के लिए भी कई परियोजनाएँ शुरू की जाएँगी, जैसे भावनगर और जामनगर में अस्पतालों का विस्तार और 70 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों को चार लेन में बदलना।

प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन भी किया। इनमें 600 मेगावाट की ग्रीन शू पहल, 475 मेगावाट की पीएम–कुसुम सोलर परियोजना और किसानों के लिए सौर ऊर्जा से जुड़े नए कार्यक्रम शामिल हैं। इसके साथ ही, स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई नई योजनाएँ शुरू की जाएँगी, जैसे भावनगर में सर टी जनरल अस्पताल और जामनगर में गुरु गोविंद सिंह सरकारी अस्पताल का विस्तार।

प्रधानमंत्री मोदी धोलेरा में बन रहे हरित औद्योगिक शहर का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। यहाँ एक नया स्मार्ट शहर बनाया जा रहा है, जो पर्यावरण के अनुकूल होगा। इसके बाद, वे लोथल में बन रहे राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का दौरा करेंगे।

इस परिसर को भारत की पुरानी समुद्री धरोहर को बचाने और बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रुपए से बनाया जा रहा है। यह एक बड़ा पर्यटन और शिक्षा का केंद्र बनेगा, जहाँ लोग समुद्री इतिहास के बारे में जान सकेंगे।

दादा साहेब फालके...

भारत सरकार को ये घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्री मोहनलाल को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2023 प्रदान किया जाएगा। मोहनलाल की शानदार सिनेमैटिक जर्नी कई पीढ़ियों को प्रेरित करती है। इस महान एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को भारतीय सिनेमा में उनके आइकॉनिक योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। उनकी बेजोड़ और बहुमुखी प्रतिभा और मेहनत ने भारतीय फिल्म इतिहास में एक स्वर्णिम मानक स्थापित किया है। ये अवॉर्ड 23 सितंबर, 2025 को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में प्रदान किया जाएगा।

पीएम मोदी ने मोहनलाल के साथ तस्वीर शेयर करते हुए ट्विटर पर लिखा, श्री मोहनलाल जी उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक हैं। दशकों के समृद्ध कार्य के साथ, वे मलयालम सिनेमा और रंगमंच के एक अग्रणी प्रकाश स्तंभ के रूप में जाने जाते हैं और केरल की संस्कृति के प्रति अत्यंत समर्पित हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी उल्लेखनीय अभिनय किया है। विभिन्न माध्यमों में उनकी सिनेमाई और नाट्य प्रतिभा वास्तव में प्रेरणादायक है। दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई। उनकी उपलब्धियाँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें, यही कामना है। मोहनलाल ने अपने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में काम किया है और उन्हें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 9 केरल राज्य पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। उनकी बेहतरीन फिल्मों में 'कीरीदम', 'भारत' (1991) 'दृश्यम' (2013), 'मणिचित्रथाजु' (1993) आदि शामिल हैं।

खालिस्तानियों पर...

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों एनएसए ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर उपयोगी चर्चा की, जिसमें आतंकवाद रोधी, अंतर–राष्ट्रीय संगठित अपराध से मुकाबला और खुफिया जानकारी का आदान–प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल हैं। बयान में कहा गया, दोनों एनएसए ने सुरक्षा सहयोग और मौजूदा संपर्क तंत्र को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने भविष्य के सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए।

गौरतलब है कि दोनों एनएसए के बीच यह बातचीत भारत और कनाडा द्वारा एक–दूसरे की राजधानी में राजदूत नियुक्त करने के तीन सप्ताह बाद हुई। 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध के आरोप के बाद भारत–कनाडा संबंध सबसे खराब स्थिति में पहुंच गए थे।

पिछले साल अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था क्योंकि कनाडा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने की कोशिश की थी। भारत ने इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को भी देश से निकाल दिया था। हालांकि, अप्रैल में हुए संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता कार्नी की जीत से संबंधों को सुधारने की प्रक्रिया शुरू करने में मदद मिली।

ट्रैक निर्माण की...

संभावना है कि अगले महीने इंडिया पहुंच जाएगी। इस मशीन को यहां पर असेंबल किया जाएगा. जिसमें कुछ समय लगेगा और उसके बाद समुद्र के नीचे टनल बनाने का काम शुरू हो जाएगा. अभी करीब 5 किलोमीटर टनल की खुदाई का काम पूरा हो चुका है।

इस पूरे प्रोजेक्ट में 508 किमी. लंबा टनल बननी है, जिसमें केवल 21 किलोमीटर की लाइन अंडरग्राउंड है, बाकी एलिवेटेड है. पूरी लाइन में 12 स्टेशन बने हैं. प्रोजेक्ट का पहला स्टेशन बीकेसी (बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स) में अंडरग्राउंड बन रहा है. यहां से ट्रेन टर्मिनेट स्टेशन होगी और जहां से शुरू होगी। इसके बाद ट्रेन समुद्र के नीचे से होते हुए अगले स्टेशन में पहुंचेगी। रेल मंत्री ने बताया कि पूरा प्रोजेक्ट 2029 में तैयार हो जाएगा और मुंबई से बुलेट ट्रेन दौड़नी शुरू हो जाएगी।

कर्नाटक के...

तरह के संशोधनों पर निर्णय लेता है और फिर अनुमोदन प्राप्त करता है। 35000 में से केवल कुछ ने ही संशोधन की मांग की है और उन्हें मंजूरी मिल गई है. सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं करती है. इसके अलावा इन मंदिरों द्वारा अर्जित धन न तो सरकारी खजाने में आता है और न ही बाहर जाता है। इसका उपयोग केवल उसी मंदिर के विकास के लिए किया जाता है.

अधिकारियों ने कहा कि यह संशोधन कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 2002 के अनुसार एक नियमित अभ्यास था। प्रोटोकॉल के अनुसार, संशोधन के प्रस्ताव मंदिर प्रबंधन समितियों द्वारा शुरू किए जाते हैं, उपायुक्तों या कार्यकारी अधिकारियों द्वारा जांचे जाते हैं, और वरिष्ठ आगम विद्वानों के परामर्श से धार्मिक बंदोबस्ती आयुक्त द्वारा मंजूरी दी जाती है. हालांकि, विपक्ष के नेता आर। अशोक ने शनिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हिंदू मंदिरों, त्योहारों और उत्सवों में बाधाएं खड़ी करके किस तरह का आनंद मिलता है. और अब, राज्य भर के 14 प्रमुख मुजराई मंदिरों में सेवा शुल्क बढ़ाकर उन्होंने हिंदुओं को एक और झटका दिया है ।

दस साल में तीन....

जो 2,68,90,473 करोड़ रुपये था।राज्यों के सार्वजनिक ऋण में राजकोषीय बिलों, बांडों आदि के माध्यम से खुले बाजार से प्राप्त ऋण; भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों से प्राप्त ऋण; भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए), तथा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) जैसे वित्तीय संस्थानों से प्राप्त ऋण शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्व प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में राज्यों का कुल ऋण 128 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2014–15) और 191 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2020–21) के बीच रहा। और इसी अवधि के लिए कुल गैर–ऋण प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में, यह 127 और 190 प्रतिशत के बीच रहा।

इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि औसतन, राज्यों का सार्वजनिक ऋण उनकी राजस्व प्राप्तियों/कुल गैर–ऋण प्राप्तियों का लगभग 150 प्रतिशत रहा है। इसी प्रकार, सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी के 17–25 प्रतिशत और औसतन जीएसडीपी के 20 प्रतिशत के बीच रहा है। वित्त वर्ष 2019–20 में जीएसडीपी के 21 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2020–21 में 25 प्रतिशत तक 4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि, वित्त वर्ष 2020–21 में कोविड वर्ष होने के कारण जीएसडीपी में आई कमी के कारण है।

इसके अलावा 2020–21 से 2022–23 की अवधि के दौरान केंद्र सरकार से ऋण में वृद्धि जीएसटी क्षतिपूर्ति की कमी के बदले में लगातार ऋण और पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को ऋण के रूप में विशेष सहायता के कारण हुई।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 21 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

आज कलियुग में अज्ञानता की महामारी फैली हुई है : आस्था भारती जी

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के सौजन्य से अत्तापुर स्थित श्री चिन्ना अनंतगिरि शिवालयम में 14 से 20 सितंबर तक आयोजित श्रीकृष्ण कथा के सप्तम एवं समापन दिवस पर दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की परम शिष्या साध्वी सुश्री आस्था भारती जी ने द्रौपदी के गरिमामय चरित्र का विवेचन किया। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण जीवन विकट परिस्थितियों से जकड़ा होने के बावजूद द्रौपदी इन सबसे मुक्त रही, क्योंकि उसके परम सखा जगद्गुरु भगवान श्रीकृष्ण सदैव उसके साथ रहे।

साध्वी जी ने आधुनिक परिप्रेक्ष्य में कहा– आज हम कहते हैं कि गूगल भगवान है, उससे पूछ लो। लेकिन गूगल भगवान हर चीज़ का समाधान नहीं दे सकता। इसके लिए आपको एक पर्फेक्ट मास्टर चाहिए। इसी भाव को प्रतिपादित करते हुए उन्होंने कहा कि दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान सभी श्रद्धालुओं से सद्गुरु की शरण ग्रहण करने का आवाह्न करता है।

अपने उद्बोधन में साध्वी आस्था भारती जी ने एक उदाहरण देते हुए समझाया कि सामान्य परिस्थितियों में मरीज डॉक्टर के पास जाता है, परंतु महामारी के समय डॉक्टर स्वयं रोगियों तक पहुँचता है और निःशुल्क उपचार करता है। इसी प्रकार आज कलियुग में अज्ञानता की महामारी फैली हुई है।

ऐसे में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान स्थान–स्थान पर सत्संग व कथा का आयोजन कर रहा है, दुंदुभि बजाकर जन–जन को आह्वान कर रहा है तथा घर–घर जाकर निःशुल्क ब्रह्मज्ञान की दीक्षा प्रदान कर रहा है। यह वही सनातन–शाश्वत, विशुद्ध ब्रह्मविद्या है, जो जीव को परब्रह्म का साक्षात्कार कराती है और जिसके अभ्यास से मनुष्य ब्रह्मस्वरूप हो जाता है।

संस्थान के चेन्नई आश्रम से पधारे श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी प्रदीपानंद जी ने बताया कि रविवार, 21 सितंबर को पूर्णाहुति एवं यज्ञ का आयोजन होगा तथा सोमवार, 22 सितंबर को सायं 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक माता की चौकी का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में साध्वी भावना भारती जी, साध्वी साक्षी भारती जी सहित मुख्य यजमान श्री बगदाराम कुमावत जी, दैनिक यजमान श्री पंकेश जी चौरसिया, श्री सचिन जी गुप्ता, श्री प्रफुल्ल जी, श्रीमती सरिता महेश्वरी, मुख्य अतिथि श्री औगडराम जी कुमावत, श्री भंवर लाल जी कुमावत, श्री ताना जी, श्री पवन भारती जी (श्याम मित्र मंडल), श्री सुरेश कुमार मोदी जी, श्री सोहन लाल नेहरा जी, श्री बृजेश नालपुरिया जी, श्री कीर्ति सिंह, श्री योगेश जैन (अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना), श्री बालु सुब्रमण्यम, श्रीकांत जी, श्री महावीर पटेल जी, श्री राजुराम पटेल जी, श्री कर्ण सिंह जोधा जी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया तथा तदुपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

अग्रसेन जयंती महोत्सव पर चेस और कैरम प्रतियोगिता आज

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती महोत्सव पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना की ओर से आज चेस और कैरम प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 10:00 बजे से पैराडाइज, सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंक्विट हॉल में संपन्न होगा।

जयंती उत्सव के प्रसार और मीडिया कमिटी के प्रभारी डॉ दिलीप पंसारी के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्पोर्ट्स कमिटी के चेयरमैन रमेश चंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन रोहित जैन, नीरज मोर, धीरज अग्रवाल और दिनेश अग्रवाल के नेतृत्व में हितेष अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल और अन्य के सहयोग से संपन्न होने वाले उपरोक्त प्रतियोगिताओं में अब तक लगभग 100 लोगों ने अपना नाम पंजीकृत करवाया है।इसी क्रम में गौ सेवा का मुख्य कार्यक्रम भी आज ही सांय 3 से 5 बजे तक जियागुडा स्थित समर्थ कामधेनु गौशाला में संपन्न होगा। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रमुख समाज सेवी ओमप्रकाश अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि डॉ पी अनिल कुमार (सेवा निवृत्त पशु चिकित्सक) होंगे।

समाज अध्यक्ष – अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष – रूपेश अग्रवाल, सचिव– विकास केसान, सह मंत्री और जयंती की प्रधान संयोजक – डॉ सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और जयंती सह संयोजक – अचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष – मनीष अग्रवाल, परामर्शदाताओं बद्रीविशाल बंसल और हरीश गुप्ता, जयंती के सह संयोजक दिनेशचंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतिक नरसरिया, दीपा भालोटीया ने आयोजन टीम और सभी प्रतियोगियों को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए समाज के लोगों को कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आह्वान किया है।यह आयोजन अग्रवाल समाज की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और युवाओं को खेलकूद के माध्यम से जोड़ने का एक शानदार प्रयास है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे, जो उत्साह को और बढ़ाएगा। समाज के सदस्यों से अपील की गई है कि वे इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को आगे बढ़ाएं।

पितृ पक्ष की चौदस पर अन्ना प्रसाद वितरित

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पितृ पक्ष की चौदस के पावन अवसर पर मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अन्ना प्रसाद का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बिरयानी, करी और पेयजल वितरित किया गया, जिसका लाभ लगभग 200 लोगों ने उठाया। यह आयोजन सोनासर बाबा जी की प्रेरणा और श्याम बाबा के आशीर्वाद से संपन्न हुआ।मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट पितृ पक्ष के दौरान नित्य अन्ना प्रसाद वितरण का पुण्य कार्य कर रही है। शनिवार के इस सेवा कार्य को सफल बनाने में विनय किशोर तायल, अशोक कुमार सोलानेवाले, योगेश खत्री और मीता खत्री ने मिलकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनके सामूहिक प्रयासों ने इस नेक कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराया।

मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा यह अन्ना प्रसाद वितरण न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटाने का माध्यम है, बल्कि पितृ पक्ष के दौरान पितरों के प्रति श्रद्धा और समाज सेवा का एक अनुपम उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता और मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देते हैं।

तेलंगाना में गोमाता की दुर्दशा पर महेश अग्रवाल ने उठाए सवाल

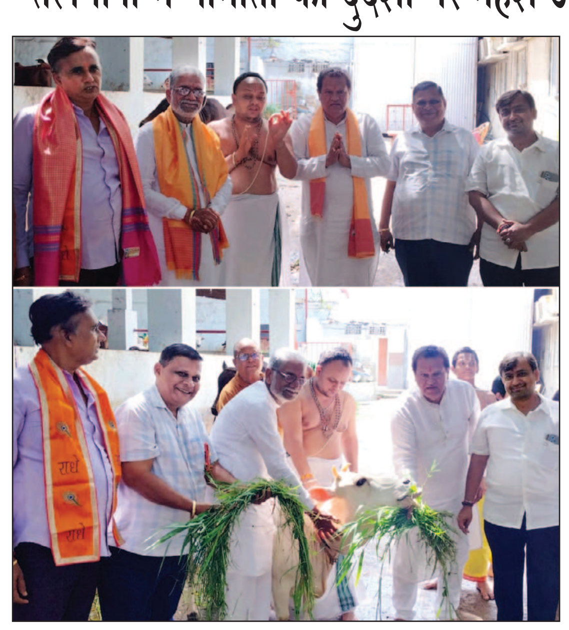

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस इंटरनेशनल 320 डी के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव के त्रिदिवसीय कार्यक्रम के उपलक्ष्य में, सीताराम बाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ गोशाला में हरा चारा वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने तेलंगाना में गोवंश की दुर्दशा पर गहरी चिंता व्यक्त की।

श्री महेश अग्रवाल ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक विफल नेता बताया, जो गोप्रेमियों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने गोशालाओं के लिए किए गए अपने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है।

अग्रवाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कांग्रेस की सरकारों ने गोशालाओं को करोड़ों का अनुदान दिया है, लेकिन रेवंत रेड्डी सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है, जिससे उनकी मंशा साफ हो रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में धर्मस्व विभाग के आयुक्त ने गोशालाओं की बैठक बुलाई और उनसे अपनी गोशालाओं को शहर से बाहर ले जाने को कहा, ताकि बाद में सरकार उन जमीनों पर कब्जा कर सके। अग्रवाल ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार के वादे हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार पशु संवर्धन शाखा को पूर्णकालिक निदेशक देने और राज्य में जीव जंतु कल्याण बोर्ड की स्थापना करने में भी असमर्थ है।

इस कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल के जीव जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन श्री प्रेम चंद मुनोत ने बताया कि तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल, लव फॉर काऊ के अध्यक्ष जसमत पटेल, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिदेश जागीरदार, और विशेष अतिथि श्री भारत भट्ट, मुकेश चौहान जैन उपस्थित थे।गोग्रास वितरण से पहले, मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य महाराज और उनके शिष्यों द्वारा विधिवत गोपूजा का आयोजन किया गया। लायंस इंटरनेशनल के जिला अध्यक्ष प्रेम चंद मुनोत द्वारा विगत कई वर्षों से प्रतिमाह एक गोशाला में सहायता प्रदान की जा रही है।

एएचपीआई लीडरशिप समिट 2025 में

वरुण खन्ना विजनरी हेल्थकेयर सीईओ पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वास्थ्य सेवा एक सेवा है, उद्योग नहीं, तेलंगाना के राज्यपाल ने एएचपीआई लीडरशिप समिट में कहा।

बंजारा हिल्स के होटल ताज डेक्कन में हाई-टेक हेल्थकेयर के युग में नेतृत्व पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, तीसरा एएचपीआई लीडरशिप समिट, शनिवार को समाप्त हो गया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा, नीति और उद्योग के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने लोगों को प्राथमिकता देने वाले नेतृत्व, वित्तीय स्थिरता और स्वास्थ्य सेवा के भविष्य के लिए रणनीतिक योजना पर विचार-विमर्श किया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने में दूरदर्शी नेतृत्व के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवा को कभी भी एक उद्योग के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए; इसे हमेशा एक सेवा के रूप में देखा जाना चाहिए। हमारी स्वास्थ्य प्रणाली की सच्ची ताकत केवल प्रौद्योगिकी और नवाचार में नहीं, बल्कि करुणा, सहानुभूति और-ईमानदारी में भी निहित है।

दुनिया के सबसे युवा राष्ट्र के रूप में, भारत का भविष्य एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा मॉडल बनाने पर निर्भर करता है जो हर समुदाय और हर नागरिक की गरिमा और विश्वास के साथ देखभाल करे।

स्वास्थ्य सेवा बिरादरी के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण में, क्वालिटी केयर इंडिया लिमिटेड (क्यूसीआईएल) के समूह प्रबंध निदेशक, वरुण खन्ना को प्रतिष्ठित विजनरी हेल्थकेयर सीईओ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 20 से अधिक राज्यों के एएचपीआई अध्यक्षों द्वारा दिए गए नामांकन के आधार पर एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद दिया गया। श्री खन्ना की यह पहचान उनके अनुकरणीय नेतृत्व और रोगी-केंद्रित व अभिनव स्वास्थ्य समाधानों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसी मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा के अन्य प्रतिष्ठित नेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध सर्जन डॉ. जी. भक्तवत्सलम को हेल्थकेयर ल्यूमिनरी ऑफ इंडिया का पुरस्कार मिला।

डॉ. फालक्ष्मी माजरेकर को इमर्जिंग नर्स लीडर के रूप में सम्मानित किया गया। न्यूरो फिजिशियन डॉ. सर्वेश अग्रवाल को इमर्जिंग हेल्थकेयर लीडर के रूप में मान्यता दी गई। ये पुरस्कार स्वास्थ्य सेवा के विविध क्षेत्रों में पेशेवरों के अमूल्य योगदान को उजागर करते हैं, जो भारत के भविष्य की दवा और देखभाल वितरण को आकार दे रहे हैं।

श्री वरुण खन्ना ने आभार व्यक्त किया और इस क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दो-हराया, यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि हर डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है जोइ इलोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास करते हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवा की स्थिरता एक रात में नहीं बनाई जा सकती; इसे हमारे अतीत के सबक और भविष्य के लिए साहसिक सुधारों से आकार दिया जाना चाहिए। हमारा मिशन हर मरीज के लिए पहुंच, गरिमा और विश्वास सुनिश्चित करना है। क्यूसीआईएल में, हमारा दृष्टिकोण चिकित्सकीय रूप से पक्षपाती, परिणाम-केंद्रित और डिजिटल रूप से सक्षम है - यह पुरस्कार मुझे और मेरी टीम को एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण जारी रखने के लिए प्रेरित करता है जिस पर भारत गर्व कर सके।

इस शिखर सम्मेलन का आयोजन एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) द्वारा डॉ. अलेक्जेंडर थॉमस (संस्थापक-अध्यक्ष), डॉ. एम.आई. सहदुल्ला (राष्ट्रीय अध्यक्ष), विशाल बाली (स्वास्थ्य नीतिइ समिति के अध्यक्ष) और डॉ. गिरधर जे. ग्यानी (महानिदेशक) के नेतृत्व में किया गया। आयोजकों ने नेतृत्व विकास, नीति वकालत और ज्ञान साझा करने के माध्यम से पूरे भारत में रोगी-केंद्रित और स्थायी स्वास्थ्य सेवा मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए एएचपीआई की प्रतिबद्धता को दोहराया।

नामपल्ली पब्लिक गार्डन में अन्नदान कार्यक्रम

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को पितृपक्ष की चतुर्दशी के अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पास पिल्लर नं. 1265-ए के समीप राहगीरों को अल्पाहार वितरित किया गया।

यह सेवा कार्य सिगनोदिया परिवार की ओर से स्वर्गीय श्री गुलाब चंद सिगनोदिया, स्वर्गीय श्रीमती सुगनी बाई सिगनोदिया, स्वर्गीय श्री बिहारी लाल सिगनोदिया तथा श्रीमती तुलसी बाई सिगनोदिया की पुण्य स्मृति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, संजय गोयल, किरण गोयल, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, प्रतिका अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता सहित राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

बतुकम्मा और डांडिया उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के ब्लूमिंग बड्स द स्कूल में बतुकम्मा और डांडिया उत्सव बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस दौरान, छात्रों ने पारंपरिक परिधान पहने, सुंदर फूलों की सजावट की, और लोकगीतों पर बथुकम्मा के चारों ओर नृत्य किया। उन्होंने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। स्कूल के प्रधानाचार्य उमेश सिंह ने कहा कि यह आयोजन समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, और छात्रों को तेलंगाना के इस महत्वपूर्ण त्योहार के महत्व के बारे में सिखाता है। इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को अपनी संस्कृति से जोड़कर रखते हैं और उनमें एकता की भावना पैदा करते हैं।

बीएमएस एवं टाइनी स्टार्स एमपीबी प्ले स्कूल में नवरात्रि उत्सव में सजी भक्ति और संस्कृति की अनोखी झलक

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समिति परिसर में नवरात्रि उत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें भगवती बाई मांटेसरी स्कूल एवं टाइनी स्टार्स महावीरप्रसाद बजरंगलाल इंटरनेशनल प्ले स्कूल ने मिलकर भक्ति, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।

दीप प्रज्वलन से शुभारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्गा माता की मूर्ति के समक्ष अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, सचिव सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सरोज जैन, कपूरचंद गुप्ता, डी.बी. गर्ल्स जूनियर कॉलेज के कॉरस्पॉन्डेंट मनीष कुमार अग्रवाल, जॉइंट डायरेक्टर डॉ. राजेश अग्रवाल, स्कूल के कॉरस्पॉन्डेंट शेषकुमार गोयल तथा प्रधानाचार्य श्रीमती आराधना मोदानी के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।

नवदुर्गा अवतारों की प्रस्तुति स्कूल की मोंटेसरी प्रभारी श्रीमती बबीता गोयल ने नवदुर्गा के विभिन्न रूपों में सजी कन्याओं का परिचय कराया और उनके आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया।

नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियाँ समिति के प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में अभिभावकों ने बच्चों के साथ मिलकर बंगाली धुनुची डांस और डांडिया परफॉरमेंस प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों का मूल्यांकन डॉ. पल्लवी रंगनाद (डायरेक्टर, एमबीए विभाग) और बी.बी.एम.एस.

की नृत्य शिक्षिका रमना कराडे ने किया।

प्रतियोगिता बेस्ट कॉस्ट्यूम में- वैष्णवी पर्ववाल - खनक पर्ववाल (टाइनी स्टार),

रिंकी झावर - राम झावर (नर्सरी), लक्षिता अग्रवाल - सांवरिया अग्रवाल (नर्सरी), दिव्या श्री - हिमांबिका (प्ले ग्रुप) विजय रहीं।

बेस्ट परफॉर्मेंस में- प्रियांका गोयल - वैभव गोयल (पी.पी. 1), चंचल वर्मा - नागर शिवी (प्ले ग्रुप) विजय रहीं। बेस्ट जोड़ी में- सुदीप्ता समांता - कृष्णा समांता (पी.पी. 1), अनुस्री जाना - केशव जाना (नर्सरी), बिंदिया ज़टकीया - अंजनी ज़टकीया (पी.पी. 2), शीतल कौर - हर्षित कौर (पी.पी. 1) विजय रहे। प्रशंसा पुरस्कार हेमंत शर्मा - हर्षवर्धन शर्मा (पी.पी. 1) - बेस्ट जोड़ी को मिला।

समिति की सराहना और संदेश समिति के सदस्यों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नवरात्रि उत्सव समाज में सांस्कृतिक चेतना बढ़ाने और सामूहिक एकता को प्रोत्साहित करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम का समापन सभी अध्यापकगण एवं गैर-अध्यापकगण की सक्रिय सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उस्मानिया विवि में स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उस्मानिया विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस के ऑडिटोरियम में आज स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठकें भव्य रूप से प्रारंभ हुईं। देश के विभिन्न राज्यों से आए 95 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राष्ट्रीय संयोजक श्री सी.ए.आर. सुंदरम, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री कश्मीर लाल और राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री सतीश कुमार ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। बैठक में भारतीय आर्थिक स्वावलंबन, स्वदेशी आधारित विकास, सामाजिक एवं आध्यात्मिक समन्वय और युवाओं में स्वदेशी चेतना का प्रसार जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई।इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उत्पादों के महत्व, आत्मनिर्भरता को गति देने और स्थानीय आर्थिक शक्ति को सुदृढ़ बनाने हेतु ठोस कार्यनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक ने भारतीय इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच दक्षिण क्षेत्र संयोजक डॉ. सत्तु लिंगमूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक स्वदेशी - आत्मशक्ति का विमोचन राष्ट्रीय संयोजक श्री सी.ए.आर. सुंदरम, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री कश्मीर लाल एवं राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री सतीश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। यह पुस्तक स्वदेशी दर्शन की आवश्यकता, उसकी अनिवार्यता तथा उसे व्यक्तिगत से राष्ट्रीय स्तर तक आचरण में लाने के व्यावहारिक मार्ग पर प्रकाश डालती है। साथ ही यह भारतीय आर्थिक आत्मविश्वास को नई प्रेरणा प्रदान करती है।

प्रेम और भक्ति के आगे उद्धव की हार: आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चादर घाट स्थित गणेश मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान, आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री ने कहा, ये तो प्रेम की बात है, उद्धव, बंदगी तेरे बस की नहीं है। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण और गोपियों के निस्वार्थ प्रेम का वर्णन किया।

आचार्य जी ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा उज्जैन के संदीपनी गुरुकुल में हुई थी। बाद में उन्होंने द्वारिकापुरी को अपना निवास स्थान बनाया और वहां रुक्मणि जी से हरण करके विवाह किया।

उन्होंने आगे कहा कि भगवान ने उद्धव को गोपियों को समझाने के लिए भेजा था, लेकिन गोपियों और भगवान के प्रेम के सामने उद्धव निशब्द हो गए। कथा में यह भी बताया गया कि जरासंध के साथ भगवान का कई बार युद्ध हुआ और अंत में उसका वध भीम द्वारा हुआ।इस अवसर पर पूजा आचार्य आलोक मिश्रा, सुनील पाण्डेय, आचार्य ओम प्रकाश, रामराज तिवारी, नीरज तिवारी, वेदप्रकाश तिवारी, देवेन्द्र महाराज, रमेश मोदानी, मुर-लीधर गुप्ता, भरत अग्रवाल, उदय, राम नारायण दास भराडिया, दिनेश बंसल, ओमप्रकाश अग्रवाल, बकट लाल, सत्यनारायण बंग, बंशीलाल, हरि गोपाल तोतला, पुरुषोत्तम दास, सचिन तोशनीवाल, राम डालिया, विकास अग्रवाल, श्री नियास, नटवर दरक, बलराम जी, सतीष विजयवर्गीय, राजस्थानी महिला संगठन, ईसामिया बाजार, सुमित्रा राठी आदि मौजूद रहे।

श्री अग्रसेन महासभा का 37वां स्थापना दिवस समारोह 3 को

सेवाभावी अग्रबंधुओं को मिलेगा स्वर्ण अलंकरण

इंदौर, 18 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अग्रसेन महासभा का 37वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार 3 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा।

इस मौके पर विनोद सिंघानिया पारमार्थिक ट्रस्ट के सौजन्य से शिक्षा, चिकित्सा या अन्य किसी क्षेत्र में विशिष्ट सेवाएं देने वाले एक अग्रवाल बंधु को 1,21,000 के स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

वहीं सिंघानिया पारमार्थिक ट्रस्ट की ओर से समाज-सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाएं देने वाले अग्रबंधु को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।समारोह स्थल व समय: यह भव्य आयोजन बायपास स्थित भंडारी रिसोर्ट पर शाम 7 बजे से प्रारंभ होगा।मुख्य व विशिष्ट अतिथि: समारोह में उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद डॉ. नरेशजी बंसल मुख्य अतिथि होंगे। रायपुर (छत्तीसगढ़) से लोकसभा सदस्य तथा पूर्व मंत्री श्री बृजमोहनजी अग्रवाल एवं अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री गोपाल जी मोर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

प्रविष्ठियों की अंतिम तिथि: अलंकरण हेतु समाजबंधुओं से प्रविष्ठियां 25 सितम्बर तक आमंत्रित की गई हैं।

इच्छुक व्यक्ति निम्न मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप के माध्यम से प्रविष्ठियां भेज सकते हैं: कैलाश नारायण बंसल - 94259-37688 राजेश मित्तल - 93297-29555 अजय अग्रवाल - 94250-55151समारोह के प्रमुख आयोजक: महासभा के अध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल, सचिव राजेश मित्तल, कार्यक्रम समन्वयक अजय आलूवाले, अनूप सिंघल एवं विनोद सिंघानिया ने आयोजन की जानकारी साझा की।सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अग्रबंधुओं को यह एक सुनहरा अवसर है अपनी उपलब्धियों को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने का।

यदि आप चाहें तो मैं इस खबर का एक प्रेस विज्ञप्ति प्रारूप या सोशल मीडिया पोस्ट भी तैयार कर सकता हूँ।

हैदराबाद वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन की 16वीं वार्षिक आम बैठक में वर्ष 2025-2028 के लिए सर्वसम्मति से निम्नलिखित पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। मुख्य संरक्षक: पी.आर. मान सिंह संरक्षक: 1) जे. रामकृष्ण राव 2) भाई के.एम. जोसेफ अध्यक्ष: आर.ए. स्वरूप उपाध्यक्ष: 1) पी. ज्योति प्रसाद 2) विनोद इंगले 3) चित्ति श्रीधर सचिव: के. गोविंद राजू संयुक्त सचिव: आनंद कामथ कोषाध्यक्ष: के.वी. श्रीनिवास का चयन किया गया।यह चुनाव एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा पूर्ण एकमत से संपन्न हुआ, जो संगठन की एकता और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नए पदाधिकारी वेटरन्स क्रिकेट को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बना रहे हैं। बैठक में सभी सदस्यों ने नए नेतृत्व को बधाई दी और भविष्य की सफलता की कामना की।

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP. URBAN BANK LTD.
Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFCOCMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP. URBAN BANK LTD.
Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
आज रविवार, 21-9-2025 को पितृ अमावस्या है।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बने। गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।
हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है
संपर्क सूत्र : 9849379735 9100353375
नारायण रेकी सत्संग द्वारा पितृ पक्ष साधना
आज 21 सितम्बर 2025 समय : अपराह्न 3 से 5 बजे तक

भागवत पारायण कथा का समापन भक्तों ने लिया महाप्रसाद

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बड़ी चावड़ी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत पारायण कथा का समापन हो गया है। यह आयोजन श्री हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन और हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। कथा के सातवें और अंतिम दिन, देवी स्वीकृतिजी अच्युत रामानुज ने अपने प्रवचन से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

देवी स्वीकृतिजी ने शनिवार, 20 सितंबर 2025 को सुबह 10 बजे से श्री परीक्षित मोक्ष, उद्धव चरित्र, श्री जलाराम बापा चरित्र और श्री सुखदेवजी विदाई का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने श्रीमद् भागवत पारायण के महत्व को समझाते हुए भक्तों से इसे अपने जीवन में उतारने और इसका श्रवण करने का आह्वान किया।

दोपहर 2 बजे सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर 3 बजे हवन और भागवत पूजा के साथ इस भव्य धार्मिक आयोजन का समापन हुआ।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति और यजमान उपस्थित रहे। मुख्य यजमान गौरत्न श्री घनश्यामभाई पटेल (अध्यक्ष, श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद) और श्रीमती वनिताबेन विठलाणी रहे।

यजमान श्रीमती श्वेताबेन – प्रतापभाई जाडेजा (ट्रस्टी, श्री गुजराती प्रगती समाज, हैदराबाद) और श्री महेश शिवजीभाई पटेल (उपाध्यक्ष, श्री गुजराती प्रगती समाज, हैदराबाद) थे।महाप्रसादी यजमान श्रीमती सुशीलाबेन अशोकभाई भुपता परिवार और अंतिम दिवस के महाप्रसादी यजमान हैदराबाद सुंदरकांड मंडल से श्रीमती मीनावेन हरीशभाई ठक्कर रहीं।

सह यजमानों में श्री गोविंददास शाह (अध्यक्ष, श्री गुजराती प्रगती समाज, हैदराबाद), श्री धनजीभाई पटेल (अध्यक्ष, श्री वागड लेऊवा पाटीदार समाज) और श्रीमती मीनाबेन हरीशभाई ठक्कर (अध्यक्ष, हैदराबाद सुंदरकांड मंडल) शामिल थे।

भागवत पाटला पोथी के यजमान श्री जगदिशभाई सामाणी, श्रीमती फालगुनीबेन चेतनभाई जोशी, श्री राजेशभाई पटेल (वि.वाय.ओ.), श्रीमती निताबेन विराणी, श्रीमती संगीताबेन ठाकुर (अत्तापुर) और श्री विजय गोविन्द पटेल सहित सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया और कथा का श्रवण किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा बेगम बाजार में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को पितृपक्ष की चतुर्दशी तिथि के उपलक्ष्य में बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर स्थित गोशाला के पास नियमित अन्नदान किया गया।

आज की सेवा सिगनोदिया परिवार की ओर से स्वर्गीय गुलाब चंद सिगनोदिया, स्वर्गीय श्रीमती सुगनी बाई सिगनोदिया, स्वर्गीय श्री बिहारी लाल सिगनोदिया तथा श्रीमती तुलसी बाई सिगनोदिया की पुण्य स्मृति में की गई।

अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, पन्ना लाल, अनील भाई, गोविंद राम पचेरीया, अरुण विजयवर्गीय, शिव भगवान, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, मनोज शर्मा, आशीष, किशन पाल आदि उपस्थित थे।

53वां रामायण मेला कल से

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज और एग्जिबिशन सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 53वें रामायण मेले का आयोजन 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक नुमाइश मैदान में किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने बताया कि आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन हो चुका है और उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी हैं।रामायण मेला की शुरुआत 22 सितंबर को शाम 6 बजे घट स्थापना के साथ होगी, जो राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न होगा। इस अवसर पर समाजसेवी और गौ सेवक जसमत भाई पटेल, बृज गोपाल असावा और मुरलीधर लोहिया अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

घट स्थापना के तुरंत बाद 53वां रामायण कवि सम्मेलन शुरू होगा। इस सम्मेलन कीअध्यक्षता हास्य व्यंग्य के अंतरराष्ट्रीय कवि वेणुगोपाल भट्टड़ करेंगे, जबकि अजीत गुप्ता मुख्य अतिथि होंगे। कवि सम्मेलन का संचालन पं. रामकृष्ण पांडेय करेंगे। इस आयोजन में नरेंद्र राय, सरदार बलबीर सिंह, पुरुषोत्तम कड़ेल, सीताराम माने, पुष्पा वर्मा, उमा देवी सोनी, तुलजा प्रसाद विमल, अंजनी कुमार गोयल, ज्योति नारायण, अहिल्या मिश्रा, चंपालाल बैद, दीपक चिंडालिया, डॉ. राजू कुमार सिंह, कैलाश भट्टड़ और प्रीति जैन जैसे कवि अपनी कविताएं प्रस्तुत करेंगे। कवि सम्मेलन की संयोजिका रूबी मिश्रा और सह-संयोजिका सविता सोनी ने सभी काव्य प्रेमियों से इसमें भाग लेने की अपील की है।प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों में रामायण प्रश्न मंच, बतुकम्मा उत्सव, और गरबा डांडिया भी प्रस्तावित हैं।

मेले का समापन 2 अक्टूबर को एक भव्य दशहरा मेले के साथ होगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मानव झांकियों का प्रदर्शन होगा, जिसके बाद रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के विशाल पुतलों को गगनभेदी आतिशबाजी के साथ दहन किया जाएगा।इस बैठक में रामायण मेला कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, शकुंतला नावंदर, नंद गोपाल भट्टड़, प्रेमलता कांकाणी, सविता सोनी, रामदेव नगला, भगत सिंह सोलंकी, मनोज जायसवाल, पवन कुमार मिश्रा, रूबी मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडेय, जुगल किशोर सोनी, श्यामा नावंदर, दामोदर तिवारी के साथ-साथ एग्जिबिशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष के. निरंजन और मंत्री बी. सुरेंद्र रेड्डी तथा अन्य पदाधिकारी और कार्यकारी सदस्य भी उपस्थित थे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री ओमप्रकाशजी सिंघानिया
के पुण्य स्मृति में
श्री मुन्नालालजी ओमप्रकाशजी सिंघानिया
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री मधुसूदनजी गुप्ता
के पुण्य स्मृति के अवसर पर
इन्दरलाल बालमुकुन्द जेम्स एंड ज्वेल्स
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

।। श्री आई माताय नमः ।। ।। श्री गणेशाय नमः ।। ।। श्री खेतलाजी नमः ।।
श्री आई माता मंदिर (बडेर) जीडिमेटला
हैदराबाद (तेलंगाना) के तत्वावधान में
नवरात्रि महोत्सव
सोमवार, दि. 22-9-2025 से बुधवार, 1-10-2025 तक
-: कार्यक्रम :-
हवन : प्रतिदिन प्रातः 7-15 से 10-31 बजे तक
पूर्णाहुति : बुधवार, दि. 1-10-2025 प्रातः 7-15 से 11-00 बजे तक
भजन संध्या : सोमवार, दि. 22-9-2025 को रात्री 9-15 बजे से सम्पूर्ण रात्री
भजन गायक : श्री अमरारामजी (आईजी भजन मंडली)
डांडिया नृत्य : मंगलवार, दि. 23-9-2025 से बुधवार, दि. 1-10-2025 तक समय रात्रि 9-15 से 11-30 बजे तक
विशेष : उपरोक्त सभी कार्यक्रमों मे केवल सीरवी समाज बन्धु ही भाग ले सकते है तथा अपने मोबाईल से फोटोग्राफी व विडियोग्राफी करना सख्त मना है
:: हवन में बैठने के लिए ::
मांगीलाल काग (9676147019), देवाराम बर्फा (9494252590) से संपर्क करें
निवेदन : समाज बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव में पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, भजनों के कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेकर माँ श्री आईजी के दर्शनकर पुण्य का लाभ लेवें एवं कार्यक्रम को सफल बनावें।
निवेदक : समस्त कार्यकारिणी समिति, सीरवी समाज, जीडिमेटला, हैदराबाद, तेलंगाना
अध्यक्ष : रावतराम बर्फा 9849829443 सचिव : प्रेम पंवार 9849486982
AAI MAA ADS

संत रामपाल जी महाराज की अन्नपूर्णा मुहिम से गरीब परिवार को मिली नई आशा

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में रहने वाले जवाहर जी के परिवार को संत रामपाल जी महाराज द्वारा चलाई जा रही 'अन्नपूर्णा' मुहिम से एक नई उम्मीद मिली है। जवाहर जी का परिवार आर्थिक तंगी का सामना कर रहा था, क्योंकि एक दुर्घटना में उनका हाथ टूटने के बाद वह काम करने में असमर्थ हो गए थे। उनकी पत्नी सुनैना जी की मजदूरी से होने वाली आय परिवार की सभी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं थी।संत रामपाल जी महाराज की इस मानवीय पहल के तहत, जवाहर जी के परिवार को विभिन्न प्रकार की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं।

इसमें आटा, चावल, शक्कर, मूंग दाल, हरी मूंग दाल, चना दाल, मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, टाटा नमक और सरसों तेल जैसी खाद्य सामग्री शामिल है। इसके अलावा, परिवार के प्रत्येक सदस्य को दो जोड़ी नए कपड़े, जूते-चप्पल, घरेलू उपयोग के लिए बर्तन, एक गैस सिलेंडर और एक टेबल फैन भी दिया गया है।इस मुहिम का उद्देश्य केवल तात्कालिक मदद देना नहीं है, बल्कि तब तक सहायता प्रदान करना है जब तक कि जवाहर जी स्वयं अपने परिवार का भरण-पोषण करने में सक्षम न हो जाएं। इस मुहिम के तहत उनकी निः शुल्क दवाइयों की व्यवस्था भी की जा रही है।इस मदद से जवाहर जी के परिवार को न केवल आर्थिक राहत मिली है, बल्कि उन्हें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और एक बेहतर जीवन जीने की आशा भी मिली है। संत रामपाल जी महाराज की यह 'अन्नपूर्णा' मुहिम एक गरीब परिवार की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन इंटरनल-2025 का आयोजन

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बी.आई.ई.टी.) में ए.आई.सी.टी.ई. और शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित एक प्रतिष्ठित नवाचार चुनौती, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन इंटरनल-2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 18 सितंबर को शुरू हुआ, जिसमें 126 टीमों ने हिस्सा लिया। इन सभी टीमों ने बी.आई.ई.टी. प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की।कार्यक्रम की शुरुआत बी.आई.ई.टी. की स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन संयोजक, डॉ. पापिया दत्ता के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने हैकाथॉन के उद्देश्यों और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। इसके बाद, बी.आई.ई.टी. के डीन डॉ. वी. श्रीनिवास राव और प्लेसमेंट ऑफिसर श्री टी.पी. राव ने भी नवाचार और समस्या-समाधान के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

पहले दिन गहन विचार-मंथन सत्रों के बाद, 53 टीमों को 19 सितंबर को होने वाले फाइनल राउंड के लिए चुना गया। ग्रैंड फिनाले का मूल्यांकन बाहरी विशेषज्ञों के प्रतिष्ठित पैनल ने किया, जिसमें अग्रणी जियो-स्पेशल प्रोफेशनल श्री उत्तम श्रीधर शामिल थे। इस अवसर को भारत इंस्टीट्यूशन्स के माननीय चेयरमैन श्री च. वेणुगोपाल रेड्डी की उपस्थिति ने और भी गरिमा प्रदान की।

।। श्री गणेशाय नमः ।।
रविवार, दि. 21 सितंबर 2025, पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
रविवार, दि. 21 सितंबर 2025, पितृपक्ष अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधार कर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर, अचलारामजी हाम्बड़, मोहनलालजी भायल, गिरधारीलालजी प्रजापत, पिंटुजी सागर, लक्ष्मणजी सुथार एवं पुष्पाजी सीरवी द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएँगे।
आज की महाप्रसादी व हरे घास की व्यवस्था नेमाराम मुलेवा, भैराराम सोलंकी, जीताराम पँवार, धन्नाराम देवड़ा, मोतीलाल हाम्बड़, जेठाराम गेहलोत, वेनाराम चोयल, मांगीलाल चोयल, डायाराम सोलंकी, भँवरलाल बर्फा, मोहनलाल बर्फा द्वारा कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।
गौशाला के बैंक एकॉउंट में भी दान राशि जमा कराकर पुण्य के भागीदार बनें
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c No. 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022
AAIMAA ADS

जय गौ माता जय भारत माता
विश्व मंगल गौशाला
सस्नेह आमंत्रण
आदरणीय महोदय,
आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि विश्व मंगल गौशाला के तत्वावधान में
सर्वपित्री-पितृपक्ष अमावस्या
रविवार, दि. 21 सितम्बर2025 प्रातः 11-00 बजे से 6-00 बजे तक
शुभ स्थान : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम विलेज, मेडचल, हैदराबाद.
कार्यक्रम : गोमाता पूजा - भजन - भोजन प्रसादी
हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी : श्री नेमीचन्दजी सुथार (अध्यक्ष, समस्त सुथार एवं जांगिड़ समाज), श्री बाबुलालजी नायक, अलवाल, बाबुजी श्री गोपालदासजी अग्रवाल, अलवाल, श्री मोहनलालजी चौधरी (अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच, मेडचल), श्री सोहनलालजी सैणचा (कोषाध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच, मेडचल), श्री लक्ष्मी माजीसा ग्रूप, हैदराबाद
कुट्टी की व्यवस्था : श्री बाबा रामदेव मित्र मंडल, अलवाल
भोजन प्रसादी की व्यवस्था : श्री रामचन्द्रजी सुथार, सुचित्रा, श्री स्टील (प्रभुरामजी), फतेहनगर
भजन प्रस्तुति : श्री डालुसिंहजी रावत, श्री रमेशजी प्रजापती
अतः आप से निवेदन है कि अधिक संख्या में पधार कर गौ-सेवा कर पुण्य के भागी बने।
-: स्थान -
विश्व मंगल गौशाला
सोमारम विलेज, मेडचल, हैदराबाद.
Scan for Location
सभी धर्म प्रेमी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्न लिखित बैंक खाते में जमा करावें या निम्न सूचित फोन नंबरों पर गूगल-पे कर सकते है।
GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
HDFC BANK, Kanajiguda Branch,
A/c No. 50200063938688 IFSC Code : HDFC0009429
संपर्क : 9346917593

अग्रसेन बैंक ने बैंकिंग फ्रंटियर्स अवार्ड 2025 में लहराया परचम

गोवा, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बैंकिंग फ्रंटियर्स ने नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसाइटीज (एनएएफसीयूबी) के सहयोग से गोवा में एनसीबीएस-2025 (नेशनल को-ऑपरेटिव बैंकिंग समिट) और एफसीबीए- 2025 (फ्रंटियर्स इन को-ऑपरेटिव बैंकिंग अवार्ड्स) का आयोजन किया।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के सहकारिता मंत्री, सुभाष शिरोडकर थे। उन्होंने 500 से अधिक बैंकों, जिसमें जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (डीसीसीबीएस) और बड़े, मध्यम तथा छोटे सहकारी बैंक शामिल थे, के बीच विजेता बैंकों को ट्रॉफी प्रदान की।

अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड को दो श्रेणियों में ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। बैंक को सर्वश्रेष्ठ निवेश परिवर्तन और सर्वश्रेष्ठ अनुपालन परिवर्तन के लिए पुरस्कार दिए गए। इन पुरस्कारों का निर्णय बैंकिंग फ्रंटियर्स और एनएएफसीयूबी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों द्वारा किया गया था।

गोवा में 18 सितंबर 2025 को आयोजित इस समारोह में बैंक की ओर से चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन श्री नारायण दत्त और निदेशक सीए पंकज कुमार अग्रवाल, श्री महेश कुमार अग्रवाल, श्री राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया ने पुरस्कार ग्रहण किया। इनके साथ बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सी.वी. राव, डीजीएम श्री आनंद अग्रवाल, एजीएम और आईटी प्रमुख श्री गोपाल कृष्ण तथा मैनेजर श्री जी. प्रसाद भी मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.